नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009
वर्ष : 14
अंक : 18
सोमवार, 03 से 09 जून 2024
मूल्य : 5 रू प्रति
रू 250 वार्षिक

दिल्ली में भाजपा ने दलित इलाकों में पैठ बनाई 03

मोदी के अहंकार का प्रतिफल है इंडिया की जीत! 08

NCR समाचार

सुनील छेत्री नेअंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास 10

बकरी पालन ज्यादा मुनाफा के का व्यवसाय 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in | BY C.R.O. TEAM | twitter-@ncrsamacharlive
भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

कई शो बीच में छोड़ने पर बोलीं शिल्पा शिंदे 12

लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने नरेंद्र मोदी

लगातार तीसरी बार ली शपथ

रोचक तथ्य यह है कि 1962 के बाद पहली बार कोई सरकार अपने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद तीसरी बार सत्ता में आई है। इसी के साथ नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले नेताओं की सूची में शामिल हो चुके हैं। पीएम मोदी से पहले पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1952, 1957 और 1962 में लगातार तीन बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। इंदिरा गांधी ने 1966 में पहली, 1967 में दूसरी और 1971 में तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। अटल बिहारी वाजपेयी ने भी लगातार तीन बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। सबसे पहले 1966, 1998 और इसके बाद 1999 में प्रधानमंत्री बने थे। हालांकि, पांच साल का कार्यकाल उन्होंने एक ही बार पूरा किया।

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन(राजग) के संसदीय दल के नेता नरेन्द्र मोदी ने रविवार शाम लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के रिकार्ड की बराबरी कर इतिहास रच दिया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में श्री मोदी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलायी। श्री मोदी के शपथ लेते ही समूचा आयोजन स्थल तालियों की गड़गड़ाहट और मोदी-मोदी के नारों से गूंज उठा। श्री मोदी ने हिन्दी में शपथ ली। उनके साथ उनकी भारी भरकम मंत्रिपरिषद ने भी शपथ ली जिनमें 30 केबिनेट , पांच राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और 30 से अधिक राज्य मंत्री शामिल हैं। श्री मोदी इससे पहले 2014 और 2019 में लगातार दो कार्यकाल तक देश के प्रधानमंत्री रहे और अब लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद उन्होंने श्री नेहरू के रिकार्ड को दोहराकर इतिहास रचा है। वर्ष 1962 के बाद यह दूसरा मौका है जब किसी नेता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली है। राजग ने 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव में 293 सीट जीतकर लगातार तीसरी बार बहुमत हासिल किया है हालाकि इस बार भाजपा को अपने दम पर बहुमत नहीं मिला है और उसे 240 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है।

शपथ लेने वाले केबिनेट मंत्रियों में सर्वश्री राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, जगत प्रकाश नड्डा, शिवराज सिंह चौहान, निर्मला सीतारमण, डॉ एस जयशंकर, मनोहर लाल,एच डी कुमारस्वामी,पीयूष गोयल, धर्मेन्द्र प्रधान,जीतन राम मांझी, राजीव रंजन सिंह, सवार्नंद सोनोवाल,वीरेन्द्र कुमार, राम मोहन नायडू , प्रह्लाद जोशी, जुएल ओरांव, गिरिराज सिंह, अश्विनी वैष्णव, ज्योतिरादित्य सिंधिया, भूपेन्द्र यादव,गजेन्द्र सिंह शेखावत, अन्नपूर्णा देवी, किरेन रिजिजू, हरदीप सिंह पुरी, डा मनसुख मांडविया, जी किशन रेड्डी,चिराग पासवान, सी आर पाटिल शामिल हैं।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के रूप में शपथ लेने वालों में राव इंद्रजीत सिंह, जितेन्द्र सिंह, अर्जुन राम मेघवाल, प्रतापराव गणपत राव जाधव और जयंत चौधरी शामिल हैं।

राज्य मंत्री के रूप में शपथ लेने वालों में जितिन प्रसाद, श्रीपद यशो नाइक, पंकज चौधरी, कृष्णपाल, रामदास अठावले, रामनाथ ठाकुर, नित्यानंद राय, अनुप्रिया पटेल प्रमुख हैं।

मंत्रिपरिषद में सहयोगी दलों के 7 सदस्यों को केबिनेट और राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार का दर्जा दिया गया है। इससे पहले श्री मोदी ने आयोजन स्थल पर पहुंचते ही हाथ जोड़कर तथा झुककर उपस्थित लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधान न्यायाधीश डी वाई चन्द्रचूड़, नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल प्रचंड , बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ, राजनयिक एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

स्मृति ईरानी, अनुराग ठाकुर समेत कई नेताओं को मंत्रिमंडल में नहीं मिली जगह

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेंद्र मोदी ने लगातार तीसरी बार शपथ ली, लेकिन पिछली सरकार के कई अहम मंत्रियों को इस बार मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली है। जिनमें अनुराग ठाकुर और स्मृति ईरानी भी शामिल हैं। लोकसभा चुनाव जीतने बाद भी मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल में नारायण राणे, अनुराग ठाकुर, पुरुषोत्तम रूपाला को कैबिनेट में शामिल नहीं किया गया है, जबकि कैबिनेट में जगह नहीं पाने वालों में अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, आर के सिंह, महेंद्र नाथ पांडेय का भी नाम है जो चुनाव हार गये हैं। पिछली सरकार में राज्य मंत्री रहे अश्विनी कुमार चौबे, जनरल वी के सिंह, साध्वी निरंजन ज्योति, संजीव बालियान, राजीव चंद्रशेखर, दर्शना जरदोश, वी मुरलीधरन और मीनाक्षी लेखी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। इसके अलावा अजय मिश्रा टेनी, सुभाष सरकार, जॉन बराला और निशीथ प्रमाणिक को भी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला है।

चाय की दुकान से पीएम की कुर्सी तक

नरेंद्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के वडनगर में हुआ। चाय की दुकान से शुरू हुआ उनका सफर देश के 14वें प्रधानमंत्री तक पहुंचा। दामोदरदास मूलचंद मोदी और हीराबेन मोदी के घर जन्मे नरेंद्र मोदी की स्कूली शिक्षा दीक्षा वडनगर में हुई। वडनगर रेलवे स्टेशन पर उनके पिता चाय की दुकान चलाते थे। जहां अक्सर मोदी अपने पिता की मदद करते थे। मोदी ने 1978 में दिल्ली विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग से राजनीति विज्ञान में स्नातक (बीए) और 1983 में गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में एमए की डिग्री प्राप्त की।

अचानक सीएम और 14 साल बाद बने पीएम

नरेंद्र मोदी ने 1972 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ज्वाइन की थी। इसके बाद 1987 में पहली बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हिस्सा बने। केशुभाई पटेल के इस्तीफे के बाद 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। 2014 तक इस पद पर रहे। 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने पहली और 30 मई 2019 को दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। तीसरे कार्यकाल के तहत मोदी ने 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य रखा है।

मोदी सरकार 3.0 में कौन-कौन बने मंत्री

कैबिनेट मंत्री

राजनाथ सिंह
अमित शाह
नितिन गडकरी
जेपी नड्डा
शिवराज सिंह चौहान
निर्मला सीतारमण
एस जयशंकर
मनोहर लाल खट्टर
एचडी कुमारस्वामी
पीयूष गोयल
धर्मेंद्र प्रधान
जीतन राम मांझी
राजीव रंजन सिंह
सवानंद सोनोवाल
डॉ. वीरेंद्र कुमार
केआर मोहन नायडू
प्रल्हाद जोशी
जुएल ओरावं
गिरिराज सिंह
अश्विनी वैष्णव
ज्योतिरादित्य सिंधिया
भूपेंद्र यादव
गजेंद्र सिंह शेखावत
अन्नापूर्णा देवी
किरेन रिजिजू
हरदीप सिंह पुरी
मनसुख मांडविया
जी.किशन रेड्डी
चिराग पासवान
सीआर पाटिल

राज्य मंत्री

राव इंद्रजीत सिंह (स्वतंत्र प्रभार)
जीतेंद्र सिंह (स्वतंत्र प्रभार)
अर्जुन राम मेघवाल (स्वतंत्र प्रभार)
पीआर जाधव (स्वतंत्र प्रभार)
जयंत चौधरी (स्वतंत्र प्रभार)
जितिन प्रसाद
श्रीपद नाइक
पंकज चौधरी
किशन पाल गुर्जर
रामदास आठवले
राम नाथ ठाकुर
नित्यानंद राय
अनुप्रिया पटेल
वी सोमन्ना
डॉ. चंद्रशेखर पेम्मसानी
एसपी सिंह बघेल
शोभा करलंदाजे
कीर्ति वर्धन सिंह
बीएल वर्मा
शांतनु ठाकुर
सुरेश गोपी
एल मुरुगन
अजट टमटा
बंदी संजय कुमार
कमलेश पासवान
भागीरथ चौधरी
सतीश चंद्र दुबे
संजय सेठ
रवनीत सिंह बिट्टू
दुर्गा दास उईके
रक्षा खड़से
सुकांता मजूमदार
सावित्री ठाकुर
तोखन साहू
राजभूषण चौधरी
बीएस वर्मा
हर्ष मल्होत्रा
एनजे बम्भानिया
मुरलीधर मोहोल
जॉर्ज कुरियन
पी. मार्गरिटा

शपथ ग्रहण समारोह में सात पड़ोसी नेताओं से मुलाकात की मोदी ने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने आये पड़ोस के सात देशों के नेताओं को आज आश्वासन दिया कि भारत उनके साथ घनिष्ठ साझीदारी में क्षेत्र की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करना जारी रखेगा।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रपति भवन में मेहमान नेताओं से मुलाकात की। नेताओं ने उन्हें ऐतिहासिक लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए बधाई दी। प्रधानमंत्री ने इस अवसर की शोभा बढ़ाने के लिए उन्हें धन्यवाद देते हुए, अपनी 'पड़ोसी पहले' नीति और 'सागर विजन' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। श्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड, भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोब्गे, बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ, मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविन्द जगन्नाथ से भी अलग से मिले। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अपने तीसरे कार्यकाल में, भारत देशों के साथ घनिष्ठ साझेदारी में क्षेत्र की शांति, प्रगति और समृद्धि के लिए काम करना जारी रखेगा, यहां तक ????कि वह 2047 तक विकसित भारत के अपने लक्ष्य को भी आगे बढ़ाएगा। इस संदर्भ में, उन्होंने क्षेत्र में लोगों के बीच गहरे संबंध और कनेक्टिविटी के बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय क्षेत्र में ग्लोबल साउथ की आवाज को बढ़ाना जारी रखेगा। सूत्रों के अनुसार नेताओं ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित भोज में भी भाग लिया।

सोनिया गांधी फिर से चुनी गई कांग्रेस संसदीय दल की नेता

चुनाव में जनता ने विभाजनकारी, सत्तावादी राजनीति को ठुकराया : सोनिया-खड़गे

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सर्वसम्मति से दोबारा कांग्रेस संसदीय दल का नेता बनी सोनिया गांधी तथा पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा है कि 2024 की लोकसभा चुनाव में जनता ने विभाजनकारी और सत्तावादी ताकतों को नकारा है और इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नैतिक हार हुई है।

कांग्रेस संसदीय दल की नये सीपीपी नेता के चुनाव के लिए आज शाम यहां संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में नव निर्वाचित लोकसभा सदस्यों तथा राज्यसभा सांसदों की बैठक में श्रीमती गांधी को दोबारा सर्वसम्मति से तथा निर्विरोध संसदीय दल का नेता चुना गया। पार्टी ने शनिवार को संसदीय दल के नेता का चुनाव करने के लिए संसदीय दल की बैठक बुलाई थी। लगातार दूसरी बार कांग्रेस संसदीय दल-सीपीपी नेता चुनी गई श्रीमती गांधी अब लोकसभा में कांग्रेस के नेताओं को नामित करेंगी। श्रीमती गांधी ने संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस का इस चुनाव में पुनरुद्धार हुआ है लेकिन उसके सामने चुनौतियां भी उतनी ही बढ़ गई है। उनका कहना था कि पार्टी ने लोकतंत्र की रक्षा की है और उसके लिए लड़ते रही है इसलिए अब उसकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

उन्होंने कहा इस चुनाव में लोगों ने विभाजनकारी और सत्तावाद की राजनीति को खारिज करने के लिए निर्णायक रूप से मतदान किया है।

इस चुनाव में राहुल गांधी की भूमिका की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा भारत जोड़ो यात्रा से पार्टी का नैतिक बल बड़ा है और देश की जनता से सीधा संपर्क हुआ है जिसका बड़ा लाभ उसे इस आम चुनाव में मिला है। पार्टी को खत्म करने का पूरा प्रयास हुआ। यहां तक कि कांग्रेस को आर्थिक रूप से भी कमजोर करने का काम हुआ लेकिन कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं ने निडर होकर इन सब चुनौतियों का मुकाबला किया और उसी का परिणाम है कि पार्टी आज फिर मजबूती के साथ खड़ी हुई है।

उन्होंने कहा राहुल को मैं विशेष रूप से धन्यवाद देती हूं। वह इसके पात्र भी है। उन्होंने मुद्दों की राजनीति करते हुए कांग्रेस के सिद्धांतों की लड़ाई शिद्दत के साथ और अभूतपूर्व तरीके से लड़ी। उन्होंने कांग्रेस की गारंटी और संविधान बचाने की मुहिम को मजबूती के साथ जनता तक पहुंचाने का काम किया है।

श्रीमती गांधी ने कहा कि इस चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार हुई है।

उन्होंने कहा प्रधानमंत्री ने अपनी पार्टी और उसके सहयोगियों, दोनों को नजरअंदाज कर केवल अपने नाम पर जनता से जनादेश मांगा। लोगों ने उनके आग्रह को ठुकराया है और उन्हें राजनीतिक तथा नैतिक हार का सामना करना पड़ा है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने नव निर्वाचित सांसदों का स्वागत करते हुए उन्हे बधाई दी और कहा सभी नव-निर्वाचित सांसदों को जीत की बधाई देता हूं। आप सभी ने इन विपरीत हालात में चुनाव लड़ा और जीते। सत्तापक्ष ने कांग्रेस के खाते बंद कर दिये, कई नेताओं को सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर परेशान किया गया। ऐसे में चुनकर आने के लिए विशेष बधाई।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर भी हमला किया और कहा प्रधानमंत्री, उनके कई मंत्रियों तथा भाजपा नेताओं ने हमारे मैनिफेस्टो के बारे में झूठ फैलाया। अपने भाषणों से श्री मोदी ने नफरत फैलाने और मतदाताओं को बाँटने का काम किया। लोकसभा चुनाव 2024 में किसी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला। भाजपा ने एक व्यक्ति- एक चेहरे के नाम पर वोट माँगा और यह चुनाव श्री मोदी के खिलाफ रहा। श्री खडगे ने कहा मैं कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी को उनके बहुमूल्य मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद देता हूँ। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षता करते हुए संसद में और पार्टी अध्यक्ष के रूप में उन्होंने वर्षों तक हमारा और पूरे देश के लोगों का नेतृत्व किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत छोड़ो यात्रा और भारत छोड़ो यात्रा का भी जिक्र किया और कहा राहुल गांधी जी की ऐतिहासिक 'भारत जोड़ो यात्रा' और 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने कांग्रेस के चुनावी अभियान को नयी दिशा और ताकत दी।

कांग्रेस कार्य समिति में राहुल को लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली। कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति ने पार्टी नेता राहुल गांधी को सर्वसम्मति से लोकसभा में विपक्ष का नेता बनाने का प्रस्ताव पारित किया और कहा कि श्री गांधी ही लोकसभा में पार्टी के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठा सकते हैं।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल तथा पार्टी के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को कार्य समिति की बैठक के बाद यहां पार्टी मुख्यालय में संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कार्य समिति ने श्री गांधी को विपक्ष का नेता बनने का प्रस्ताव पारित किया है और उन्हें उम्मीद है कि श्री गांधी इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लेंगे।

श्री वेणुगोपाल ने कहा, कार्य समिति ने सर्वसम्मति से राहुल गांधी से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद संभालने का अनुरोध किया है। श्री गांधी इसके लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं और वह संसद में पार्टी के मुद्दों को शिद्दत के साथ उठाने और पार्टी का नेतृत्व करने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। श्री गांधी ने कहा है कि वह कार्यसमति के निर्णय पर बहुत जल्द फैसला लेंगे।

यह पूछे जाने पर कि श्री गांधी रायबरेली या वायनाड में से अपने पास कौर सी सीट रखेंगे उन्होंने कहा कि इस बारे में तीन-चार दिन में फैसला लिया जाएगा। जनता दल-यू अध्यक्ष तथा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इंडिया समूह की तरफ से प्रधानमंत्री बनाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि कार्य समिति की बैठक में उत्साह का माहौल था और सभी नेता लोक सभा चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन से उत्साहित थे। कार्य समिति में मौजूद नेताओं के मूड से लग रहा था कि उन्हें भरोसा हो गया है कि कांग्रेस का पुनरुद्धार का कार्य अब शुरू हो गया है।

श्री वेणुगोपाल ने कहा, ह्वकांग्रेस कार्यसमिति की आज की बैठक का माहौल चार महीने पहले हुई बैठक से बिल्कुल अलग था और पार्टी के नेता से लेकर कार्यकर्ता तक सभी ऊर्जा से भरे नजर आ रहे थे।

बैठक में प्रचार और गारंटी योजनाओं जैसे विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की गई।

देश के उत्तर पश्चिम इलाके में लू का ताजा दौर के आसार

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को कहा कि सोमवार से उत्तर पश्चिम भारत में लू का एक नया दौर शुरू होने के आसार हैं। आईएमडी के अनुसार 8-12 जून तक पूर्वोत्तर मध्य प्रदेश, झारखंड, बिहार, गंगीय पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में लू चलने की संभावना है। जबकि 9-12 जून के दौरान ओडिशा, पंजाब, हरियाणा, 10-12 जून के दौरान जम्मू, कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद व हिमाचल प्रदेश में लू की स्थिति रहेगी। आईएमडी ने कहा, अगले 5 दिनों के दौरान पूर्व और पूर्व-मध्य भारत, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू की लहर जारी रहने का अनुमान है। दक्षिण-पश्चिम मानसून के बारे में आईएमडी ने कहा कि यह आज मध्य अरब सागर के कुछ और हिस्सों, दक्षिण महाराष्ट्र, तेलंगाना और दक्षिण छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों, दक्षिण ओडिशा और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है। आईएमडी ने कहा कि अगले दो-तीन दिनों के दौरान मध्य अरब सागर के शेष हिस्सों, महाराष्ट्र के कुछ और हिस्सों (मुंबई सहित) और तेलंगाना में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

भीषण गर्मियों में सुरक्षित ट्रेनों के संचालन के लिए रेलवे चला रहा अभियान

– लोको पायलट और गार्ड को हीटवेव से बचने का दिया जा रहा प्रशिक्षण

नई दिल्ली । मौजूदा समय तमाम राज्य भीषण गर्मी का प्रकोप झेलना पड़ रहा हैं । सभी लोग हीटवेव से परेशान हैं । इस ?लिए भारतीय रेलवे सुरक्षित ट्रेनों के संचालन के लिए अभियान चला रहा है । इसके तहत लोको पायलट और गार्ड को हीटवेव से बचने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । ताकि हादसे न हों और ट्रेनों को सफल संचालन चलता रहा । अभियान सभी डिवीजनों में शुरू किया जा चुका है । मौजूदा समय तमाम जगह तापमान 45–46 डिग्री से अधिक जा रहा है । इससे हॉट एव ?सेल होना, कोयले की रेक में आग लगना और रेलवे परिसर में आग लगने की आशंका रहती है । इसके साथ ही गार्ड, लोको पायलट के साथ ट्रेन के संचालन में लगे कर्मचारियों को भी हीटवेव की आशंका रहती है, जिससे ट्रेनों का संचालन प्रभावित होने की आशंका रहती है । इसी को ध्यान में रखते हुए हीट स्ट्रोक से बचाव के बारे में संरक्षा–काउन्सलिंग का आयोजन किया गया जा रहा है । जरूरत पड़ने पर यात्रियों की भी मदद की जा सकती है । इस दौरान बताया गया कि मौजूदा समय हीट स्ट्रोक से बचाव के लिये, पानी अधिक पिएं, कॉटन के फुल शर्ट, कैप एवं गमछा का इस्तेमाल करना चाहिए. इस दौरान हीट स्ट्रोक के लक्षण भी बताए गए । मसलन सिर में दर्द, चक्कर आना, आंख से धुंधला दिखना, पसीना आना तथा बेहोश हो जाना इत्यादि शामिल है ।

मुंबई में हुई प्री–मानसून बारिश, कई इलाकों में भरा पानी

–6 जून को भी मुंबई में बादल छाए रहने का अनुमान

मुंबई । मानसून में दस्तक दे दी हैं । मुंबई में पहली प्री–मानसून बारिश हुई । आज यानी बुधवार सुबह मुंबई में बारिश ने मौसम को सुहावना बना दिया। मौसम विभाग ने पिछले हफ्ते 5 जून से बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया था । मौसम विभाग ने कहा था कि आने वाले हफ्ते में तापमान में भी कमी आएगी । मुंबई के बोरीवली, कांदिवली और दादर में बारिश हुई । अगले कुछ घंटों में और दिनों में मुंबई में अच्छी बारिश हो सकती है । आज सुबह 8 बजे के बाद मुंबई में बारिश से कुछ इलाकों में ज्यादा बारिश से जलभराव भी हो गया । बारिश के बाद मुंबई में गांधी मार्केट, माटुंगा में जलभराव हो गया। बारिश के बाद सुबह तापमान में गिरावट आई । पारा 33 डिग्री पर पहुंच गया । मौसम विभाग ने 6 जून को भी मुंबई में बादल छाए रहने का अनुमान जताया है। 7 जून और वीकेंड के बाद और बारिश का पूर्वानुमान दिया है । इसके साथ ही तापमान और कम होने का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक यह घटकर 31 डिग्री तक पहुंच सकता है और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री होगा । मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक नवी मुंबई में प्री मॉनसून शुरू हो गया है । मुंबई में मानसून के दस्तक देने की तारीख 10 जून है। मानसून के प्रोग्रेस के साथ इसमें कुछ बदलाव भी हो सकता है । मुंबई में रात के तापमान में रिकॉर्ड बनाया है। पिछले 18 दिनों में से 16 दिन न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के पार रहा है ।

सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे 4 और ट्रैकर्स की मौत

–डांडा हिमस्खलन के बाद यह दूसरा बड़ा हादसा

देहरादून । सहस्त्रताल ट्रैक में फंसे 4 और ट्रैकर्स की मौत हो गई। जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 8 हो गई है । वर्ष 2022 में हुए निम के द्रौपदी का डांडा हिमस्खलन हादसे के बाद यह दूसरा बड़ा हादसा है । वहीं 10 ट्रैकरों को सुरक्षित निकाला जा चुका है। 29 मई को एक 22 सदस्यीय दल मल्ला–सिल्ला से कुश कुल्याण बुग्याल होते हुए सहस्त्रताल की ट्रैकिंग के लिए निकला था। यहां 4 ट्रैकर की ठंड लगने से मौत हो गई । जबकि 18 ट्रैकर वहां फंसे थे इनमें से आज 4 ट्रैकरों की और मौत हो गई। जिला प्रशासन के अनुरोध पर वायु सेना के 2 चेतक हेलिकॉप्टर अभियान में लगाए गए हैं। वहीं जिलाधिकारी डॉ मेहरबान सिंह बिष्ट ने बताया है कि सहस्त्रताल की ट्रैकिंग रुट पर फंसे ट्रैकर्स को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ व वन विभाग के रेस्क्यू दल अलग–अलग दिशाओं से घटना स्थल के लिए गए हैं । वन विभाग के 10 सदस्यों की रेकी व रेस्क्यू टीम सिल्ला गांव से आगे गई है । जबकि जिला मुख्यालय उत्तरकाशी से एसडीआएफ के दल ने भी टिहरी जिले के बूढ़ाकेदार की तरफ से रेस्क्यू शुरू किया है । इस रेस्क्यू अभियान के समन्वय में जुटे पुलिस अधीक्षक अर्पण यदुवंशी ने बताया कि एसडीआरएफ की माउंटेनियरिंग टीम भी देहरादून से हेलिकॉप्टर से एरियल रैकी के लिए गई है । साथ ही सहस्त्रताल ट्रेक रुट पर फंसे ट्रैकर्स को निकालने के लिए वायु सेवा के द्वारा भी सर्च एवं रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है ।

गुलमर्ग के प्रसिद्ध शिव मंदिर में तड़के आग लगी, दमकलों ने पाया गया काबू

गुलमर्ग । कश्मीर के विश्व प्रसिद्ध स्की रिसॉर्ट गुलमर्ग के प्रसिद्ध शिव मंदिर में तड़के आग लग गयी । इसकी जानकारी मिलते ही तुरंत दमकल कर्मचारियों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि आग के कारण मंदिर को काफी नुकसान पहुंचा है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि गुलमर्ग में महारानी मंदिर के नाम से प्रसिद्ध शिव मंदिर में सुबह करीब 03-45 बजे आग लग गई । गुलमर्ग अग्निशमन केंद्र व जिला प्रशासन तथा भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस द्वारा समय पर की गई कार्रवाई के बावजूद लकड़ी से बने इस प्रतिष्ठित मंदिर को भारी नुकसान पहुंचा है । अधिकारियों ने कहा कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है । पुलिस ने तथ्यों का पता लगाने के लिए केस दर्ज कर लिया है ।

गुजरात में 4.59 लाख से अधिक वोटरों ने किया ‘नोटा’ का उपयोग

अहमदाबाद । गुजरात की 25 लोकसभा सीटों पर हुए चुनाव में कुल 2.88 करोड़ से अधिक वोटरों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया और उसमें 4.59 लाख से अधिक मतदाताओं ने नन ऑफ द एबव (नोटा) का बटन दबाकर अपने क्षेत्र के सभी उम्मीदवारों को खारिज कर दिया । नोटा का सबसे अधिक उपयोग दाहोद, छोटाउदेपुर, बारडोली जैसे आदिवासी संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में किया गया। पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार नोटा के उपयोग

में 10 प्रतिशत का इजाफा होने का ताजा नतीजों में सामने आया है। नोटा के मामले में लोकसभा की दाहोद (सुरक्षित) सीट सबसे आगे रही । वर्ष 2019 के चुनाव के दौरान दाहोद सीट पर 31936 नोटा को मिले, जबकि 2024 में यह बढ़कर 34935 हो गए। दूसरे क्रम पर छोटाउदेपुर (सुरक्षित) सीट पर 29955 वोटरों ने नोटा का उपयोग किया7 बारडोली सीट पर 25542, भरुच में 23283, बनासकांठा में 22160 वोट नोटा के पक्ष में पड़े7 इसी प्रकार गांधीनगर में 22160, साबरकांठा में 21076, नवसारी में 20462, पंचमहल में 20103, खेडा में 18824, भावनगर में 18765, कच्छ (सुरक्षित) सीट पर 18604, वलसाड (सुरक्षित) में 18388, पाटन में 16722, आणंद में 15930, राजकोट में 15922, जूनागढ़ में 14013, अहमदाबाद पश्चिम (सुरक्षित) में 14007, पोरबंदर में 13004, सुरेन्द्रनगर में 12796, मेहसाणा में 11626, अमरेली में 11349, जामनगर में 11084 और अहमदाबाद पूर्व संसदीय क्षेत्र में 10503 वोटरों ने नोटा का उपयोग किया । इस प्रकार 2024 के लोकसभा चुनाव में गुजरात के 4.49 लाख वोटरों ने नोटा का बटन दबाया । वर्ष 2019 के चुनाव में गुजरात में 400932 वोटरों ने नोटा का उपयोग किया था ।

संदिग्ध तस्कर के घर छापा

चंडीगढ । लोकसभा चुनावों के एक दिन बाद सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने पंजाब पुलिस के साथ संदिग्ध तस्कर के घर में रेड करके 2 करोड़ रुपए बरामद किए है । बीएसएफ अधिकारियों के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि सीमावर्ती गांव कक्कड़ का व्यक्ति पदार्थों की तस्करी में शामिल है, जिसके तहत जवानों ने पंजाब पुलिस को साथ लेकर घर में छापा मारा। तलाशी लेने पर तस्कर से 2 करोड़ रुपए की ड्रग मनी बरामद हुई। सूत्रों अनुसार इस मामले में भी और भी बड़ा खुलासा हो सकता है। यह कार्रवाई भारत–पाकिस्तान के बीच हैरोइन और हथियारों की तस्करी करने वाले एक नामी तस्कर के घर से हुई है। फिलहाल जवानों द्वारा उक्त इलाके में तालाशी अभियान जारी है ।

हम इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएंगे: ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। टीएमसी प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि हमारी पूरी कोशिश है कि हम केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाएं और पीएम मोदी को सत्ता से बाहर कर दें। बनर्जी ने राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा, ‘मैं हमेशा बंगाल के लोगों की आभारी रहूंगी। मैं खुश हूं कि मोदी जी को अकेले दम पर बहुमत नहीं मिला है। वह विश्वसनीयता खो चुके हैं। ‘इस बार, 400 पार’ का नारा देने वाले मोदी जी को अब अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।’ ममता ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि मोदी सत्ता से बाहर हों और केंद्र में ‘इंडिया’ गठबंधन सरकार बनाए।

बनर्जी ने कहा कि उन्होंने लोक सभा चुनाव में विधान सभा चुनाव से भी बेहतर प्रदर्शन किया है। विपक्षी दलों ने राज्य की तृणमूल सरकार को भ्रष्टाचार के आरोप लगाकर घेरने की कोशिश की थी, लेकिन मतदाताओं पर इस मुहिम का खास असर नहीं हुआ।उन्होंने राज्य के लोगों को बधाई देते हुए कहा, ‘मैं हमेशा बंगाल के लोगों की आभारी रहूंगी। मैं खुश हूं कि मोदी जी को अकेले दम बहुमत नहीं मिला है। वह विश्वसनीयता खो चुके हैं। ‘इस बार, 400 पार’ का नारा देने वाले मोदी जी को अब अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।’ ममता ने यह भी कहा कि वह यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगी कि मोदी सत्ता से बाहर हों और केंद्र में ‘इंडिया’ गठबंधन सरकार बनाए।

विरोधी दलों के भ्रष्टाचार के प्रचार को धता बताते हुए लोक सभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल पर फिर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। बेहद कड़े मुकाबले में तृणमूल ने राज्य की 29 सीटों पर लंबी बढ़त बना ली और भाजपा को केवल 12 सीटों तक ही समेट दिया। राज्य विधान सभा में विपक्ष के नेता और नंदीग्राम से विधायक ने कहा कि बंगाल में भाजपा ने उम्मीद से बहुत कम प्रदर्शन किया है, लेकिन राज्य के 39 प्रतिशत लोगों ने उनकी पार्टी में भरोसा जताया है। वोट शेयर के मामले में तृणमूल कांग्रेस को 45.79 और भाजपा को 38.67 प्रतिश वोट मिले हैं। पिछले चुनाव में तृणमूल को 22 सीट मिली थी, जबकि 2014 के चुनाव में पार्टी ने राज्य की 34 सीटें जीती थीं। तृणमूल के लिए सबसे बड़ी चिंता इस बात को लेकर थी कि भाजपा धीरे-धीरे उसके गढ़ पर कब्जा करती जा रही थी, क्योंकि पिछले चुनाव में विपक्षी दल को 18 सीट और लगभग 40.6 प्रतिशत वोट मिले थे, लेकिन इसके बाद हुए 2021 के विधान सभा चुनाव में बनर्जी ने शानदार जीत दर्ज की और अब लोक सभा चुनाव में सीट बढ़ाकर उन्हें इस बात का संतोष हो सकता है कि वह राज्य में अपनी और पार्टी की हैसियत बरकरार रखने में कामयाब रहीं।

मालदीव, भूटान सहित कई देशों ने पीएम मोदी को दी बधाई

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद देश दुनिया के तमाम बड़े दिग्गज नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए की जीत पर बधाई दी है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी और एनडीए को 2024 के चुनाव में लगातार तीसरी बार सफल होने पर बधाई। उन्होंने कहा कि मैं दोनों देशों की साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हूं। वहीं इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने भी पीएम मोदी को बधाई दी । उन्होंने एक्स पर लिखा कि नई चुनावी जीत और अच्छे काम के लिए शुभकामनाएं । निश्चित है कि हम इटली और भारत को एकजुट करने वाली दोस्ती को मजबूत करने और हमारे राष्ट्रों और हमारे लोगों की भलाई से जुड़े मुद्दों पर मिलकर काम करना जारी रखेंगे । इसके अलावा पड़ोसी देश भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने कहा कि वो भारत के साथ संबंधों को प्रगाढ़ करने के इच्छुक हैं । उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के लिए मेरे दोस्त प्रधानमंत्री मोदी और एनडीए को बधाई । वो भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं । मैं हमारे दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को इच्छुक हूं।श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भी उन्हें बधाई दी है। उन्होंने लिखा कि एनडीए की जीत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रगति और समृद्धि में भारतीय लोगों के विश्वास को दिखाया है । सबसे करीबी पड़ोसी होने के नाते श्रीलंका, भारत के साथ साझेदारी को और मजबूत करने के लिए तत्पर है ।

पंजाब की दो निर्दलीय सीटों ने पूरे देश को चौंकाया

– खालिस्तान समर्थक अमृतपाल व बेअंत सिंह के बेटे ने जीती सीटें

चंडीगढ़ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं वहीं पंजाब की 13 लोकसभा सीटों के नतीजे भी सामने आ चुके हैं। यहां की 13 सीटों में सात कांग्रेस, तीन आम आदमी पार्टी और एक सीट पर शिरोमणि अकाली दल ने जीती है। वहीं जिन दो सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की है उन सीटों ने पूरे देश को चौंका दिया है। ये दो सीटें खडूर साहिब और फरीदकोट की हैं।

खडूर साहिब लोकसभा सीट से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह के चेहरे पर लोगों ने जीत का सेहरा बांधा है। अमृतपाल इस समय देशद्रोह के आरोप में असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद है। वहीं फरीदकोट से सर्बजीत सिंह खालसा की जीत हुई है। सर्बजीत खालसा पूर्व पीएम श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले बेअंत सिंह का बेटा है। खडूर साहिब और फरीदकोट के नतीजे पारंपरिक राजनीतिक दलों के लिए सिखों के बीच बढ़ते असंतोष को उजागर करते हैं।

अमृतपाल को पंजाब में आए ज्यादा वक्त नहीं हुआ है, लेकिन उसने यहां आते ही लोगों के दिलों में जगह बना ली। उसने सबसे बड़ी समस्या नशे को पहचाना और उसे खत्म करने की मुहिम चलाई। अमृतपाल ने कई युवाओं को नशा छुड़ाने का दावा किया। इसके अलावा धर्म के प्रति अमृतपाल की सोच कट्टर है। खडूर साहिब पंथक सीट थी, इसलिए नशा छुड़ाने की आस और अमृतपाल की धर्म के प्रति सोच ने लोगों को आकर्षित किया।

वहीं फरीदकोट सीट पर सर्बजीत की जीत के पीछे लोगों की आप और बीजेपी से नाराजगी रही। बेअंत सिंह के बेटे का मुकाबला आप उम्मीदवार कर्मजीत अनमोल और बीजेपी के हंसराज हंस से था। यहां आप सरकार से लोग नाराज थे। बीजेपी से किसानों नाराज थे। इसी वजह से लोगों का झुकाव सर्बजीत खालसा की तरफ हो गया। इससे पहले सर्बजीत खालसा ने जितने भी चुनाव लड़े उसे हार ही मिली थी। अमृतपाल सिंह ने लोगों की नब्ज टटोल ली थी। उसने पंथ को साथ लेकर चलने का सबसे बड़ा कारण ही लोगों को जज्बाती तौर पर खुद के साथ जोड़ना था। बेअंत के बेटे सरबजीत सिंह खालसा ने भी यही किया। वो लोगों के बीच गया और अपने पिता के काम को कुर्बानी का रूप देकर वोट मांगे। अमृतपाल की मां और पिता ने लोगों से बेटे को जेल से छुड़वाने के नाम पर वोट मांगे। ऐसे में लोगों ने जज्बाती होकर दोनों को वोट दिए और दोनों ने इस चुनाव में जीत हासिल की।

मध्य प्रदेश की जीत ने रचा इतिहास- किसका कितना रहा मार्जिन

भोपाल (एजेंसी)। जब से लोकसभा चुनाव शुरू हुए थे, तभी से प्रदेश के दिग्गज नेताओं ने इस बात क प्रचार कर दिया था कि वे इस बार सभी 29 सीटें जीतेंगे। पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी के हाथ में 28 सीटें थीं। महज एक सीट छिंदवाड़ा पर उसे हार मिली थी। इस बार पार्टी ने वह सीट भी जीत ली।इस लोकसभा चुनाव में मध्य प्रदेश बीजेपी ने इतिहास रच दिया। प्रदेश के नेताओं ने 29 की 29 सीटें जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बड़ा तोहफा दिया। इस चुनाव में कई नेताओं ने इतने ज्यादा बड़ी जीत हासिल की है कि यकीन करना मुश्किल है। इनमें इंदौर, विदिशा, गुना, खजुराहो और भोपाल संसदीय सीट की जनता ने तो कमाल ही कर दिया।

बीजेपी का कहना है कि इन सीटों को जीतकर वे पीएम नरेंद्र मोदी को 29 हार पहनाएंगे। आपको बता दें, मध्य प्रदेश लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी जीत इंदौर से शंकर लालवानी की हुई। उन्होंने 11 लाख 75000 वोटों से जीत हासिल की। उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 8 लाख 20000 मतों से जीत हासिल की। उसके बाद केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 5 लाख 40 हजार, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने 5 लाख 25 हजार और आलोक शर्मा ने 5 लाख 1500 वोटों से जीत हासिल की।इसी तरह खंडवा से बीजेपी के प्रत्याशी वर्तमान सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने करीब 2 लाख 70 हजार वोटों से चुनाव जीता। चुनाव जीतते ही वे अवधूत संत दादाजी धूनी वाले की समाधि पर आशीर्वाद लेने पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और संगठन के कार्यकर्ताओं की मेहनत का परिणाम है कि वह भारी मतों से चुनाव जीत गए।

कांग्रेस की सबसे कम उम्र की सांसद बनीं संजना के डांस का वीडियो वायरल

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान की भरतपुर से बड़ी जीत हासिल करने वाली कांग्रेस की सबसे कम उम्र की सांसद बन गयी हैं। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। चुनाव में विजय मिलने के बाद संजना जाटव अपने समर्थकों के साथ उसका जश्न मनाते हुए डांस कर रही हैं। जिसे सोशल मीडिया पर लोग खूब पसंद कर रहे हैं। वो अभी सिर्फ 25 साल की हैं।

संजना जाटव के डांस करने के दौरान बैक ग्राउंड में उन्हीं के प्रचार अभियान का एक गाना भी बज रहा है। जिस पर सभी थिरकते हुए नजर आ रहे हैं। अब अगर बात भरतपुर लोकसभा सीट की करें तो यहां से संजना जाटव ने 51983 वोटों के अंतर से जीत हासिल की है। उन्होंने बीजेपी उम्मीदवार रामस्वरूप कोली को इस लोकसभा चुनाव में हराया है। चुनाव में जीत दर्ज करने वाली संजना जाटव को जहां 579890 वोट मिले वहीं रामस्वरूप कोली को 527907 वोट मिले थे। बीएसपी ने भी इस सीट से महिला उम्मीदवार अंजिला जाटव को ही मैदान में उतारा था, लेकिन उन्हें भी हार का मुंह देखना पड़ा। अंजिला जाटव को 10 हजार से भी कम वोट मिले हैं। उन्हें कुल 9508 वोट से ही संतोष करना पड़ा। भरतपुर लोकसभा सीट पर इस बार 6 प्रत्याशियों ने अपनी किस्मत आजमाई थी। जिसमें 3 निर्दलीय चुनाव मैदान में थे। भरतपुर में नोटा को 5443 वोट मिले हैं। वहीं राज्य में सत्ताधारी बीजेपी को 14 सीटों पर जीत मिली है जबकि कांग्रेस ने 8 सीटों पर कब्जा जमाया है। एक सीट सीपीआईएम, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी 1 और भारत आदिवासी पार्टी ने एक सीट पर जीत दर्ज की है।

बिहार की जनता ने प्रचंड गर्मी, झूठे प्रोपेगंडा और साजिशों का सामना किया : तेजस्वी

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों को लेकर कहा कि एक-एक बिहारवासी को हृदय से धन्यवाद जिन्होंने प्रचंड गर्मी, झूठे प्रोपेगंडा और विभिन्न साजिशों का सामना करते हुए हमें अपना भरपूर प्यार और अपार समर्थन दिया है।

लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव परिणाम के बाद सियासी गलियारे में बयानबाजी का दौर चल रहा है। ऐसे में इंडिया महागठबंधन के नेता लालू प्रसाद यादव के बेटे तेजस्वी यादव जिन्होंने बिहार की कमान संभाली ने बिहार की जनता का धन्यवाद करते हुए कहा कि प्रत्येक बिहारवासी ने प्रचंड गर्मी, झूठे प्रोपेगंडा और विभिन्न साजिशों का सामना किया और उन्हें भरपूर प्यार और अपार समर्थन दिया है। गौरतलब है कि तेजस्वी करीब एक माह व्हीलचेयर पर ही चुनावी रैलियां और सभाएं करते रहे हैं। चुनाव परिणाम के बाद तेजस्वी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कहा कि बिहार और देश की जनता को मैं धन्यवाद देता हूं। आपने प्रेम, सौहार्द्र एवं सामाजिक आर्थिक न्याय की राजनीति के पक्ष में रहते हुए अहंकार और तानाशाही की राजनीति को एक बड़ा झटका दिया है। उन्होंने आगे कहा कि आज के

परिणाम देश में एक सुखद अनुभूति की लहर लेकर आए हैं। संपूर्ण देश ने मिलकर भारत के वास्तविक मिजाज़, लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण की रक्षा की है। तमाम जांच एजेंसियों, पक्षपाती आयोग, गोदी मीडिया, सरकारी मशीनरी, असीमित संसाधनों और साजिशों के साथ चुनाव लड़ रहे खुद को विश्व विजेता मानें लेकिन सच तो यही है, कि देश और बिहार की जनता ने इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर तानाशाही, झूठ, जुमलों और प्रपंच को करारी मात दी है।

उन्होंने कहा कि देश और बिहार ने यहां से एक नए रास्ते की रचना की है जिसकी नींव में रोज़गार, पढ़ाई, सिंचाई, दवाई और कमाई के मुद्दे अहम हैं, बंटवारे, घृणा, भेदभाव और तानाशाही की सोच नहीं। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले दिनों में सत्ता और सरोकार परिवर्तन में सकारात्मक लक्षण देखने को मिलेंगे। अंत में वो कहते हैं कि बिहार में हम 7-8 सीट कम मार्जिन से हारे हैं लेकिन हमने बहुजन, पिछड़े और प्रगतिशील धारा की एक बड़ी नींव रख दी है।

आठ महीने से जारी युद्ध के बीच इस्राइली PM का वर दौरा

वाशिंगटन। हमास के साथ जारी युद्ध के बीच, इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका का दौरा करेंगे। रिपब्लिकन पार्टियों के नेताओं का कहना है कि इस्राइली पीएम 24 जुलाई को अमेरिकी कांग्रेस में सांसदों को संबोधित कर सकते हैं। यह दौरा इस्राइल के लिहाज से अहम माना जा रहा है क्योंकि, कूटनीतिक रूप में वैश्विक स्तर पर युद्ध के कारण इस्राइल अलग-थलग पड़ता जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले सप्ताह ही एक इस्राइली तीन-चरणीय योजना पेश की थी। इससे संघर्ष को समाप्त हो जाएगा, सभी बंधक भी मुक्त हो जाएंगे और हमास के सत्ता में आए बिना तबाह फलस्तीन

का पुनर्निर्माण हो सकेगा। हालांकि, इस्राइली प्रधानमंत्री का जोर है कि जब तक कि इस्राइल सभी लक्ष्यों को प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक युद्ध समाप्त नहीं करेगा। इस्राइली लक्ष्यों में हमास का विनाश भी शामिल है। अमेरिकी सदन के दोनों पक्षों के चार शीर्ष नेताओं ने पिछले सप्ताह ही नेतन्याहू से भाषण देने के लिए कहा था, जिसमें आंतकवाद और अमेरिकी-इस्राइली नागरिकों को बंधक बनाए जाने का विषय अहम है।

अमेरिकी नेता का कहना है कि नेतन्याहू का दौरा अमेरिका-इस्राइल के मजबूत रिश्तों को दर्शाता है। इस्राइली पीएमओ ने यात्रा की हामी तो भर दी है, पर अभी यह तय नहीं हो सका है कि वे कब दौरा करेंगे और कब अमेरिकी संसद को संबोधित करेंगे।

सात महीने और चल सकता है युद्ध.... इस्राइल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, तजाची हनेग्बी ने हाल ही में कहा था कि हमारे युद्ध मंत्रिमंडल ने 2024 को लड़ाई का वर्ष घोषित किया है। हनेग्बी ने कहा कि मई 2024 का पांचवां महीना हैं। इसका अर्थ है कि हमास की सैन्य और सरकारी क्षमताओं को नष्ट करने के लिए हमें सात और महीने युद्ध करना पड़ सकता है। बता दें, इस्राइली अधिकारी का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मध्य राफा में देखे गए टैंक बुधवार को दक्षिणी गाजा शहर की ओर बढ़ते दिखे। इस्राइल पर बढ़ते वैश्विक दबाव के बावजूद यह कार्रवाई जारी है।

सात अक्तूबर से जारी है युद्ध... गौरतलब है कि सात अक्तूबर की सुबह हमास द्वारा करीब 5000 रॉकेट इस्राइली शहरों पर दागे गए थे. जिसके बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है।

दिल्ली में भाजपा ने दलित इलाकों में पैठ बनाई

अल्पसंख्यक क्षेत्रों में इंडिया का दबदबा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली की अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित विधानसभा क्षेत्रों में अपनी पैठ बनाई है, जबकि इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के उम्मीदवारों ने मुस्लिम समुदाय के प्रभाव वाले क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन किया है। भाजपा ने लगातार तीसरी बार दिल्ली की सभी सातों लोकसभा सीट पर जीत हासिल की है और इंडिया गठबंधन में शामिल आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस को करारी शिकस्त दी। दिल्ली की कुल 70 विधानसभा सीट में से 13 अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित हैं। इन सभी सीट का प्रतिनिधित्व फिलहाल आप के विधायक कर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी की प्रत्येक लोकसभा सीट के अधीन 10 विधानसभा क्षेत्र आते हैं। दिल्ली के सात विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी है और ये इलाके चांदनी चौक, उत्तर-पूर्वी दिल्ली और पूर्वी दिल्ली लोकसभा क्षेत्रों के तहत आते हैं। दिल्ली के विधानसभा चुनावों में इन सुरक्षित सीट पर भाजपा का रिकॉर्ड बेहद खराब है। पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट से जीतने वाले भाजपा उम्मीदवार हर्ष मल्होत्रा को अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित कोंडली और त्रिलोकपुरी विधानसभा क्षेत्र में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी आप के कुलदीप कुमार से अधिक मत हासिल हुए हैं। दिल्ली विधानसभा में कोंडली सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले कुमार को इस सीट पर मल्होत्रा से भी कम वोट मिले। कुमार को 57,985 और मल्होत्रा को 59,551 वोट हासिल हुए।

उत्तर-पूर्वी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार को हराकर जीत हासिल करने वाले मनोज तिवारी को गोलकपुरी (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में 80,757 वोट मिले जबकि कन्हैया कुमार 70,159 वोट ही बटोर पाये। सीमापुरी (सुरक्षित) सीट से कुमार को तिवारी की तुलना में थोड़े अधिक वोट मिले। कुमार को जहां 66,604 वोट हासिल हुए, वहीं तिवारी 61,017 मत प्राप्त करने में कामयाब रहे।

उत्तर पश्चिम दिल्ली (सुरक्षित) लोकसभा सीट पर भाजपा के योगेंद्र चंदोलिया ने कांग्रेस के उदित राज को 2.9 लाख से अधिक मतों से हराया। चंदोलिया को लोकसभा सीट के अधीन आने वाली अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित बवाना, नांगलोई जाट और मंगोलपुरी विधानसभा क्षेत्रों में भी अधिक वोट मिले, जबकि राज को सुल्तानपुरी (सुरक्षित) सीट पर ही ज्यादा वोट मिल पाये। नई दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज को करोलबाग (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में 52,562 वोट मिले, जबकि आप उम्मीदवार सोमनाथ भारती को 45,416 वोट ही मिले। पटेल नगर (सुरक्षित) सीट पर भी स्वराज को भारती से ज्यादा वोट मिले। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट के अधीन आने वाले मादीपुर (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में कमलजीत सहरावत को भी अधिक वोट मिले। उन्होंने आप के महाबल मिश्रा को 1.9 लाख से अधिक मतों के अंतर से हराया। दक्षिणी दिल्ली लोकसभा सीट से भाजपा के विजयी उम्मीदवार रामवीर सिंह बिधूड़ी ने भी देवली (सुरक्षित) विधानसभा क्षेत्र में आप के उम्मीदवार सही राम से ज्यादा वोट बटोरो। इंडिया के उम्मीदवारों का प्रदर्शन उन विधानसभा क्षेत्रों में बेहतर रहा जहां मुस्लिम मतदाताओं की संख्या अच्छी खासी थी। कांग्रेस के कन्हैया कुमार को सीलमपुर, बाबरपुर और मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा के तिवारी से कहीं अधिक वोट मिले, जहां मुस्लिम मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या है। सीलमपुर में कन्हैया को 88,708 वोट मिले, जबकि तिवारी 37,697 वोट ही हासिल कर पाये। कांग्रेस के जे.पी. अग्रवाल को चांदनी चौक लोकसभा सीट के अधीन आने वाले मटिया महल, चांदनी चौक और बल्लीमारान विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के प्रवीण खंडेलवाल से अधिक वोट मिले।

दिल्ली और देश की जनता नें जताया भाजपा की नीतियों में विश्वास : दीपक गाबा

नई दिल्ली। दिल्ली में सातों लोकसभा सीटों को जीतने की हैट्रिक लगाने के लिए सभी साते सांसदों और भाजपा के प्रत्येक नेता एवं कार्यकर्ता को बहुत बहुत बधाई देते हुए शाहदरा जिला भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री दीपक गाबा ने कहा की भाजपा को जीत की दो हैट्रिक लगाने के लिए शुभकामनाएं एक हैट्रिक देश में जीतने की और एक हैट्रिक दिल्ली में जीतने की। दीपक गाबा ने आगे कहा की दिल्ली में सातों लोकसभा सीटों को जीतकर भाजपा के प्रत्याशियों ने अन्य पार्टियों के उन आरोपों का जवाब भी दे दिया है जिसमें अन्य पार्टियों ने भाजपा के दिल्ली के पूर्व सांसदों पर यह आरोप लगाया था की भाजपा ने दिल्ली में अपने अधिकतर सांसदों को दुबारा इसलिए टिकट नहीं दी है क्योंकि उन्होंने कोई काम नहीं किया है जबकि सच यह है की भाजपा के सभी सातों सांसदों ने अपने अपने लोकसभा क्षेत्र में बहुत ही बेहतरीन काम किए थे और भाजपा ने दिल्ली में अधिकतर नए लोकसभा प्रत्याशियों को इसलिए मौका दिया क्योंकि भाजपा नए चेहरों को भी अवसर देती है।

अवैध शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, तस्करी में इस्तेमाल कार बरामद

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की एएनटीएफ (एंटी नारकोटिक्स) टीम ने अवैध शराब तस्कर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी आकाश है। पुलिस ने उसके पास से अवैध शराब के 1950 क्वार्टर और एक कार बारामद की है। पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। शाहदरा जिला डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि 5 जून को पुलिस टीम को इलाके में शराब तस्करी के लिए आने वाले कुछ लोगों के बारे में गुप्त सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से भजनपुरा मुख्य बाजार छापा मारकर आरोपी आकाश को कार में रखे शराब के साथ दबोच लिया।

जांच में उसकी कार से अवैध शराब के 1950 क्वार्टर बरामद हुए। पूछताछ के दौरान आरोपी आकाश ने खुलासा किया कि वह हरियाणा से अवैध शराब खरीदकर अपने साथी मोहम्मद के साथ सीमा पुरी और नंद नगरी के कुछ तस्करों को सप्लाई करता था। स्त्रोत और सप्लाई चेन का पता लगाने के लिए आगे की जांच कर रही है।

पढ़ाई के साथ रोजगार परक प्रशिक्षण दे रही शाहदरा पुलिस

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। शाहदरा जिला पुलिस ने सीमापुरी इलाके के ऐसे 22 नाबालिग किशोरों का क्लब बनाया है जो हत्या, लूट, झपटमारी, चोरी की वारदातों में शामिल रहे थे। इन सभी किशोर की उम्र 13 से 18 के बीच है। शाहदरा पुलिस इन्हे समाज की मुख्यधारा में जोडे के साथ ही इन्हे रोजगार परक प्रशिक्षण देन का प्रयास कर रही है। जिससे नाबालगि किशोर अपने जीवन में बदलाव लाकर परिजनों के सपनों को साकार कर सकें। डीसीपी शाहदरा सुरेंद्र चौधरी का कहना है कि दल्लिी पुलिस ऐसे नाबालिगों को समाज की मुख्यधरा में लाने का प्रयास कर रही है जो बुरी संगत में आकर अपराध कर बैठे, पुलसि की देखरेख में दिए जा रहे प्रशिक्षण व इनकी काउंसलिंग करवाई जा रही है जिससे इनका आत्मवश्विास बढ़ेगा।

शाहदरा पुलिस प्रयास कर रही है कि जो किशोर पढा चाहते हैं वो पढ़ाई करे और जसिको स्वरोजगार करना है, वो उस दिशा में आगे बढ़े व संबंधित कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त करें। इसके लिए इन किशोरों की हरसंभव मदद की जाएगी। एसीपी मुकेश वालयिा और एसएचओ सीमापुरी देविंदर सिंह इन नाबालिगों को नई दिशा दिखाने के इस प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनको राजगार परक प्रशिक्षण देने के साथ ही स्पोर्ट्स एक्टिविटी भी सिखाई जा रही हैं, इनको बैंडमटिंन से लेकर बॉस्केबॉल और वॉलबिॉल आदि खेलना सिखाया जा रहा है। उम्मीद है कि इस सब के आने वाले समय में सकारात्मक परणिाम सामने आएंगे सीमापुरी इलाके में पौधरोपण का कार्यक्रम आयोजति किया गया जसिमें कई नाबालिगों के अलावा उनके परिजनों भी शामिल हुए नाबालिगों में से कोई सरकारी नौकरी करना चाहता है। कुछ की इच्छा इंजीनयिर बनने की है तो किसी का मन पढ़ाई में नहीं लगता है तो वे राजगार परक प्रशिक्षण प्राप्त कर ऑटो मोबाइल मैकेनकि बनकर स्वरोजगार करना चाहते हैं।

दिल्ली के नेहरू प्लेस में कार के अंदर मिली युवक की लाश

युवक की लाश के नाक से बह रहा था खून

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। नेहरू प्लेस स्थित देविका टॉवर के पास बृहस्पतिवार तड़के निजी कंपनी के एक अधिकारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवक का शव उसकी कार के अंदर झुलसी हुई अवस्था में मिला। उसकी नाक से खून बह रहा था। पुलिस ने युवक द्वारा आत्महत्या करने की आशंका जाहिर की है। हालांकि पुलिस को कार के अंदर से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस उपायुक्त राजेश देव ने बताया कि सुबह करीब 9:40 बजे कालकाजी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि नेहरू प्लेस में कार के अंदर एक युवक का शव पड़ा है। कार देविका टॉवर के पास खड़ी है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। कार अंदर से लाक थी। फिर पुलिस ने पीछे का शीशा तोड़कर कार को खोला तो चालक की सीट पर युवक का शव पड़ा था। पुलिस ने तुरंत मौके पर एंबुलेंस को बुलाया। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि मृतक की पहचान लाजपत नगर की दयानंद कालोनी निवासी 34 वर्षीय ध्रुव महाजन के रूप में हुई है।

पुलिस ने मौके पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें सामने आया कि ध्रुव तड़के 3:30 बजे अपनी कार से घटनास्थल पर आया था। यहां पर करीब सात मिनट बाद कार के अंदर तेज आग लगी। यह करीब एक मिनट के बाद बुझ गई। पुलिस उपायुक्त का कहना है कि प्रथम द्दष्टया लग रहा है कि युवक ने खुद को आग लगाने की कोशिश की, लेकिन कार पूरी तरह से नहीं जल पाई। इसके बाद मृतक को हाइपोक्सिया तनाव के कारण नाक से खून बहने लगा। फिर कार के अंदर से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, इसकी रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारण का पता लगाया जा सकेगा। भारी कर्ज में डूबा था मृतक, पत्नी से थी आखिरी बार बात पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक ने बुधवार रात को अंतिम बार अपनी पत्नी से बात की थी। उसका सात साल का एक बेटा है। बंगलुरू में रहने वाली ध्रुव की बहन पूर्वी महाजन ने पुलिस को बताया कि उसका भाई भारी कर्ज में डूबा था। इस वजह से तनाव में रहता था। ध्रुव गुरुग्राम में एक निजी कंपनी में उच्च पद पर कार्यरत था। पुलिस उपायुक्त का कहना है कि जब ध्रुव का शव कार से निकाला गया तो उसका चेहरा, जांघ और दोनों हाथों आग से झुलसे हुए थे। उसकी नाक से बहुत ज्यादा खून बह रहा था। कार के अंदर और बाहर भी खून पड़ा था। सीट पर एक पानी की बोतल व माचिस भी मिली। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

तिहाड़ जेल में कैदियों के बीच खूनी झड़प, कैदी को छुरा मारा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली की तिहाड़ जेल में कथित तौर पर प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के सदस्यों के बीच हुई झड़प में एक कैदी छुरा लगने से घायल हो गया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हत्या के मामले में विचाराधीन कैदी हितेश को घायल अवस्था में दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि जेल के अंदर बुधवार को सुबह करीब सवा ग्यारह बजे गोगी गिरोह के सदस्य हितेश और टिल्लू ताजपुरिया गिरोह के दो अन्य सदस्यों के बीच कथित तौर पर झगड़ा हुआ था। एक पुलिस सूत्र ने बताया कि बर्फ तोड़ने वाली छेनी जैसे धारदार हथियार से हितेश पर हमला किया गया था। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने बताया, बुधवार को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल की ओर से हरी नगर पुलिस थाने को सूचना मिली थी कि तिहाड़ जेल से एक जख्मी व्यक्ति को अस्पताल लाया गया है। इस सूचना के आधार पर, स्थानीय पुलिस अस्पताल पहुंची और मामले की जानकारी ली।

उन्होंने कहा, हितेश पर हमला करने वालों के नाम गौरव लोहार और गुरिंदर बताए गए हैं। अभी तक हमलावरों के पहचान की पुष्टि नहीं हुई है, इसकी जांच अभी जारी है। हितेश को चोटें आईं थी और उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारी ने बताया कि हितेश साल 2019 से जेल में है, जबकि गौरव और गुरिंदर पर हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में मुकदमा चल रहा है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ने आगे कहा, जख्मों को देखते हुए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 307 के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है। गैंगस्टर ताजपुरिया की पिछले साल मई में इसी जेल में प्रतिद्वंद्वी गिरोह के सदस्यों ने चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी।

दिल्ली में भाजपा की जीत में किन मतदाताओं का रहा बड़ा योगदान वीरेंद्र सचदेवा ने खुद राज पर से उठाया पर्दा

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दावा किया कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को अनुसूचित जाति एवं सिख मतदाताओं का भरपूर समर्थन मिला है। दिल्ली में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 12 में से नौ विधानसभा क्षेत्रों में भाजपा को बढ़त मिली। शेष तीन विधानसभा क्षेत्र में छोटे अंतर से भाजपा पिछड़ी है। प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा, आइएनडीआइए गठबंधन ने उत्तर पश्चिमी दिल्ली आरक्षित सीट पर पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता उदित राज को उतारा था और वह 2.90 लाख से अधिक मतों से हार गए। पूर्वी दिल्ली सीट पर कोंडली से आप विधायक कुलदीप कुमार मैदान में थे और वह अपने विधानसभा क्षेत्र में ही हार गए। सीमापुरी एवं सुल्तानपुरी में कम मत से भाजपा पिछड़ी भाजपा को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित विधानसभा क्षेत्र बवाना, मंगोलपुरी, मादीपुर करोल बाग, पटेल नगर, देवली, गोकलपुर, त्रिलोकपुरी एवं कोंडली में बढ़त मिली। अंबेडकर नगर में मात्र 903 वोट से भाजपा प्रत्याशी पिछड़ गया। सीमापुरी एवं सुल्तानपुरी में पहले की तुलना में कम मत से भाजपा पिछड़ी है। 2025 विधानसभा चुनाव में मिलेगी मदद-सचदेवा सिख बहुल कालकाजी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी को 12149 और हरिनगर में 9846 मतों की बढ़त मिली। उन्होंने कहा, वर्ष 2025 विधानसभा चुनाव में 12 अनुसूचित जाति एवं पांच सिख बहुल विधानसभा क्षेत्र जीतने के लक्ष्य से आगे बढ़ेंगे। अनुसूचित जाति समाज के हकों की लड़ाई के लिए भजापा संघर्ष और तेज करेगी। अनुसूचित समाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ-चंदोलिया सिखों से पार्टी के जुड़ाव को मजबूत करने के लिए भी योजनाबद्ध तरीके से काम होगा। दिल्ली प्रदेश भाजपा के महामंत्री व उत्तर पश्चिमी दिल्ली से निर्वाचिरत हुए योगेंद्र चंदोलिया ने कहा चुनाव परिणाम से स्पष्ट है कि अनुसूचित समाज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ है। दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री राजकुमार चौहान ने कहा, सरकार की उपेक्षापूर्ण रवैये के कारण लंबे से लोगों के राशन कार्ड नहीं बने हैं।

कैंसर-मधुमेह की नकली दवा बेचने वाले चार गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने कैंसर और मधुमेह की नकली दवा का कारोबार करने वाले एक विदेशी सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में शामिल सीरियाई नागरिक 54 वर्षीय मोनिर अहमद भारत, तुर्की और मिस्त्र में रह रहा था। भारत में उसका साथ देने वाले आरोपियों में 40 वर्षीय नवीन आर्य, 34 वर्षीय सौरभ गर्ग और 27 वर्षीय करण खानेजा शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से कई करोड़ की नकली और भारत में प्रतिबंधित दवाएं बरामद की है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त ने बताया कि साइबर सेल को आरोपियों के बारे में सूचना मिली थी। टीम ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि कुछ दवा विक्रेता नकली और प्रतिबंधित दवाएं बेच रहे हैं। आरोपी मरीजों को कैंसर और मधुमेह की सस्ती दवा होने का झांसा देकर उन्हें सप्लाई कर रहे थे। पुलिस ने भागीरथ प्लेस और दरियागंज स्थित दवा कंपनियों के ठिकानों पर छापेमारी की। यहां स्थित श्री राम इंटरनेशनल ट्रेडर्स के पास छापेमारी में कई अंतरराष्ट्रीय ब्रांड की नकली दवाइयां जब्त की गईं। छापे के दौरान पुलिस को वहां विभिन्न आयातित दवाएं मिलीं, जिसकी कीमत लगभग 1.5 करोड़ रुपये थी। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है। दुकान का मालिक आर्य नकली और अपंजीकृत दवाएं बेच रहा था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यहां से मिली सूचना के बाद पुलिस ने दरियागंज स्थित एक दवा विक्रेता टेरी व्हाइट लाइफ केयर पर छापेमारी की। दुकान की तलाशी के दौरान बिक्री व वितरण के उद्देश्य से विभिन्न आयातित दवाओं के संदिग्ध स्टॉक के साथ-साथ लगभग 2.5 करोड़ रुपये की अन्य दवाइयां मिलीं। पुलिस अधिकारी के मुताबिक जांच के दौरान पता चला कि यह गिरोह विदेशी नागरिकों की मिलीभगत से चल रहा है। पुलिस को आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि सीरिया का एक नागरिक नकली दवाओं की डील के लिए दिल्ली आ रहा है।

14 मई को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मोनिर अहमद को पुलिस ने पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह तुर्की, मिस्त्र की दवाओं को भारत में और भारत की दवाओं को तुर्की और मिस्त्र के बाजार में आपूर्ति करता था।

उसने कहा कि वह अक्सर भागीरथ प्लेस जाता था और श्रीराम इंटरनेशनल ट्रेडर के निदेशक नवीन आर्य और टेरी व्हाइट लाइफ केयर के निदेशक सौरभ गर्ग और करण खनेजा को तुर्की और मिस्त्र से आने वाली दवाएं सप्लाई करता था। पुलिस जांच में सामने आया कि पकड़े गए आरोपी कैंसर और मधुमेह जैसी गंभीर बीमारियों की दवाइयों की डिमांड देखकर उन्हें सस्ती बताकर दिल्ली एनसीआर में सप्लाई करते थे।

एक नजर

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ नहीं होगा आप का गठबंधन

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में लोकसभा चुनाव खत्म हो चुके हैं। इसी के साथ अब यहां पर चुनाव से पहले बनी आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन भी समाप्त हो गया है।

इस बात का एलान खुद आज दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के नेतृत्व में सीएम आवास पर हुई विधायकों की बैठक के बाद हुआ। बैठक के बाद कहा गया कि आप आगामी विधानसभा चुनाव 2025 अकेले लड़ेगी। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ नहीं होगा कोई गठबंधन कांग्रेस के साथ उसका कोई गठबंधन नहीं होगा। हालांकि इस बात का अंदेशा पहले से ही था क्योंकि जब भी अरविंद केजरीवाल से इस गठबंधन को लेकर सवाल किया जा रहा था। तब वह जवाब में यह कहते थे कि यह कोई अरेंज मैरिज नहीं है। देश को और विपक्ष को अभी एकजुट होने की जरूरत है। इसलिए यह गठबंधन किया गया है।

दो वाहन चोर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली की एएटीएस टीम ने मंगलवार को दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस को चोरी की एक ऑटो, तीन दोपहिया वाहन और मोबाइल फोन बरामद हुआ है। आरोपियों की पहचान दयालपुर निवासी अमित कुमार और करावल नगर निवासी विशाल गुप्ता के रूप में हुई है। जांच में आरोपियों के खिलाफ 13 से ज्यादा मामले दर्ज मिले हैं। पुलिस उपायुक्त डॉ. जॉय टिर्की ने बताया कि सोमवार को पुलिस टीम को भजनपुरा इलाके में किसी अपराधी के आने की सूचना मिली। पुलिस टीम ने पांचवें पुश्ते पर सर्विस रोड के पास योजनाबद्ध तरीके से जाल बिछाकर दो ऑटो सवार संदिग्धों को पकड़ा। जांच में ऑटो कमला मार्केट इलाके से चोरी हुई पाई गई। इनकी निशानदेही पर दो मोटरसाइकिलें व एक स्कूटी भी बरामद कर ली गई।

दक्षिणी दिल्ली में एक कार में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के नेल्सन मंडेला मार्ग पर एक कार में आग लग गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना बुधवार रात हुई थी। कार में आग लगने के तुरंत बाद वाहन में सवार लोग बाहर निकल गए, जिससे इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। अधिकारी ने बताया कि दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) को रात 10.30 बजे इसकी सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। हालांकि, कार पूरी तरह जलकर राख हो गई।

4.5 किग्रा गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पांडव नगर थाने की क्रैक टीम ने सोमवार को एक नशा तस्कर को 4.5 किलोग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। उसकी पहचान शशि गार्डन के महात्मा गांधी कैंप निवासी शिवम के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त अपूर्वा गुप्ता ने बताया कि सोमवार को इलाके में एक नशीले पदार्थ के साथ किसी तस्कर के आने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कोटला रोड के पास छापा मारकर आरोपी शिवम को दबोच लिया।

कोर्ट की कार्रवाही से बचकर रहे रहे दो बदमाश को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहदरा जिला पुलिस टीम ने दो अलग-अलग जगह से फरार घोषित दो बदमाश को गिरफ्तार किया है। जोकि कोर्ट की कार्रवाही से बचकर रहे रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में नकी हैदर और फैजान उर्फ शाहरुख है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। शाहदरा जिला डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि आरोपी को सीलमपुर इलाके के एक जुआ के एक मामले में कोर्ट ने फरार घोषित कर दिया था। उसे एमएस पार्क थाना पुलिस टीम ने गोपनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, छापेमारी कर गिरफ्तार किया वही दूसरी और थाना सन लाइट कॉलोनी इलाके में लूट के मामले में कोर्ट से फरार चल रहे मामले में पीओ घोषित किया गया। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

छह तस्कर गिरफ्तार, करोड़ों का सोना बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में छह लोगों को दिल्ली हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया। इनके पास से अवैध रूप से लाया जा रहा करोड़ों का सोना बरामद किया गया। जानकारी के मुताबिक दिल्ली हवाई अड्डे पर मंगलवार को तैनात सुरक्षा कर्मियों को हांगकांग से दिल्ली पहुंचे कुछ यात्रियों पर संदेह हुआ। उनकी तलाशी ली गई तो सोना बरामद किया गया। बरामद सोने की कुल कीमत पांच करोड़ पैंतालीस लाख रुपये से ज्यादा आकी गई है। पकड़े गए तस्करों में तीन महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। इनमें से दो के पास भारत का और दो के पास चीन का पासपोर्ट है और सभी एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।

चारों तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज करके आगे की जांच की जा रही है। वहीं, एक अन्य घटनाक्रम में 26 मई को दिल्ली हवाई अड्डा पहुंचे एक व्यक्ति पर सुरक्षा कर्मियों को संदेह हुआ। सामान की तलाशी लेने पर उसके पास से 66 लाख रुपये से ज्यादा कीमत का सोने का पेस्ट बरामद किया गया। सोने के इस पेस्ट को वह एक अन्य व्यक्ति को हवाई अड्डे पर ही पकड़ाने वाला था। दोनों तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया।

चीनी वीजा घोटाला: दिल्ली की अदालत ने कार्ति चिदंबरम को जमानत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम को बृहस्पतिवार को जमानत दे दी। कार्ति चिदंबरम एक समन की तामील करते हुए अदालत में पेश हुए थे और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तथा केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के लिए विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने उन्हें राहत प्रदान की। अदालत ने इससे पहले मामले में ईडी द्वारा दायर आरोपपत्र का संज्ञान लेते हुए आरोपी के खिलाफ समन जारी किया था। न्यायाधीश ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही जमानत राशि पर राहत प्रदान की। ईडी ने 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने से संबंधित कथित घोटाले में कार्ति चिदंबरम के खिलाफ धन शोधन का मामला दर्ज किया था। उस समय उनके पिता पी चिदंबरम केंद्रीय गृह मंत्री थे।

कूरियर पैकिंग गोदाम में आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी जिले के नया बाजार इलाके में गुरुवार तड़के एक कूरियर पैकिंग गोदाम में आग लग गई। गनीमत यह रही कि आग की चपेट में कोई नहीं आया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची अग्निशमन की चार गाड़ियों ने करीब एक घंटे में आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि आग शॉर्ट सर्किट के चलते लगी थी। दमकल विभाग के अनुसार, गुरुवार तड़के 5.49 बजे नया बाजार स्थित एक कूरियर कार्यालय के गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही मौके पर चार गाड़ियों समेत दमकलकर्मियों की टीम भेजी गई। टीम ने गोदाम में राहत बचाव कार्य शुरू किया।

उत्तर प्रदेश के हर क्षेत्र में भाजपा के चुनावी ग्राफ में गिरावट

एनसीआर समाचार

लखनऊ। राम मंदिर निर्माण की सफलता पर सवार होकर चुनावी वैतरणी पार करने के अति आत्मविश्वास से भरी भाजपा को लोकसभा चुनाव में अपने सबसे मजबूत किले यानी उत्तर प्रदेश में ही अप्रत्याशित चुनाव नतीजों का सामना करना पड़ा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिये राज्य के पश्चिमांचल, पूर्वांचल, बुंदेलखण्ड और अवध समेत विभिन्न क्षेत्रों में परिणाम अच्छे नहीं रहे। राजनीतिक लिहाज से देश के सबसे महत्वपूर्ण राज्य माने जाने वाले उत्तर प्रदेश में भाजपा मात्र 33 सीटें ही जीत सकी। राज्य के पश्चिमांचल, पूर्वांचल, बुंदेलखण्ड, अवध, ब्रज और रुहेलखंड में पार्टी के प्रदर्शन में गिरावट दर्ज की गयी है। भाजपा नेताओं ने अपने चुनाव प्रचार में यह बात घर-घर तक पहुंचाने की कोशिश की कि यह चुनाव राम भक्तों और रामद्रोहियों के बीच है। इसके अलावा यह मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया कि विपक्ष का इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) तालिबान शासन लाने की कोशिश कर रहा है और पाकिस्तान उसका समर्थन कर रहा है। मगर यह आरोप जनता को ज्यादा प्रभावित नहीं कर सके और राज्य के सभी क्षेत्रों में मतदाताओं ने इंडिया गठबंधन के घटकों समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को समर्थन दिया। राज्य की 80 लोकसभा सीटों में से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 10, ब्रज क्षेत्र में आठ, अवध क्षेत्र में 20, रुहेलखंड में 11, बुंदेलखंड में पांच और पूर्वांचल में 26 सीटें हैं। इन सभी क्षेत्रों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत शीर्ष नेताओं की रैलियों के बाद भी भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों की तुलना में खराब प्रदर्शन किया। क्षेत्रवार नतीजों पर गौर करें तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर समेत 10 सीटें हैं। इस क्षेत्र में भाजपा ने चार सीटें जबकि उसकी सहयोगी रालोद को 2 सीटें मिली हैं। सपा और कांग्रेस ने क्रमशः दो और एक सीट जीती है। एक सीट आजाद समाज पार्टी के खाते में गई।

गौतमबुद्ध नगर (महेश शर्मा) और गाजियाबाद (अतुल गर्ग) में भाजपा ने बड़े अंतर से जीत हासिल की लेकिन अन्य सीटों पर उसका ग्राफ नीचे आया है। साल 2019 के चुनावों में भाजपा ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में छह सीटें और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने चार सीटें जीती थीं लेकिन अन्य पार्टियां इस क्षेत्र में अपना खाता भी नहीं खोल पाई थीं। अवध क्षेत्र में सीतापुर, हरदोई, लखनऊ, उन्नाव, मोहनलालगंज, लखनऊ, अमेठी, रायबरेली, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज, सुल्तानपुर समेत 20 सीटें हैं, जिन पर भाजपा केवल नौ सीटें जीत सकी जबकि सपा और कांग्रेस ने क्रमशः सात और चार सीटें जीतीं। भाजपा को इस क्षेत्र में सबसे बड़ा झटका लगा क्योंकि वह फैजाबाद सीट हार गई जहां राम मंदिर का निर्माण हुआ, जिसका श्रेय खुद भाजपा ने लिया था। पार्टी ने जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे का नारा भी उछाला मगर खुद अयोध्या के मतदाताओं ने ही उसे नकार दिया। मेनका गांधी (सुल्तानपुर) और स्मृति ईरानी (अमेठी) जैसी अहम भाजपा नेताओं को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का जीत का अंतर 2019 के 3.47 लाख से घटकर लगभग 1.5 लाख वोट रह गया। वर्ष 2019 में सपा अवध क्षेत्र की सीटों पर खाता नहीं खोल सकी थी, जबकि भाजपा ने सबसे ज्यादा 18 सीटें जीती थीं।

बसपा और कांग्रेस ने एक-एक सीट जीती थी। रूहेलखंड क्षेत्र की 11 सीटों मुरादाबाद, रामपुर, संभल, बुलंदशहर, बदायूं, आंवला, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, खीरी और धौरहरा में भी इस बार भाजपा की स्थिति अच्छी नहीं रही। इन सीटों पर भाजपा ने चार और सपा ने सात सीटें जीतीं। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को इनमें से नौ सीटों पर जीत मिली थी। खीरी से केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को हार का सामना करना पड़ा।

बुंदेलखंड की जालौन, झांसी, हमीरपुर, बांदा और फतेहपुर समेत पांच सीटों में से भाजपा ने इस बार सिर्फ झांसी की एक सीट जीती है, जबकि सपा को सबसे ज्यादा चार सीटें मिली हैं। साल 2019 में भाजपा ने इस क्षेत्र की सभी पांचों सीटों पर जीत दर्ज की थी। पूर्वांचल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी के साथ–साथ गोरखपुर, आजमगढ़, मिजार्पुर, जौनपुर, घोसी, सलेमपुर, गोंडा, संत कबीर नगर और भदोही समेत सबसे ज्यादा 26 सीटें हैं। इन सीटों पर भाजपा ने 10 और उसकी सहयोगी अपना दल ने एक सीट जीती, जबकि सपा और कांग्रेस ने क्रमशः 14 और एक सीट जीती।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी से भले ही लगातार तीसरी बार जीत हासिल की लेकिन उनकी जीत का अंतर साल 2019 के 4,79,505 से घटकर 1,52,513 रह गया। भाजपा ने साल 2019 के चुनाव में 18 सीटें जीती थीं, जबकि सपा, बसपा और अपना दल को क्रमशः एक, पांच और दो सीटें मिली थीं। मथुरा, हाथरस, आगरा, फतेहपुर सीकरी, फिरोजाबाद, मैनपुरी, एटा और अलीगढ़ सहित आठ सीटों वाले ब्रज क्षेत्र में भाजपा ने पांच सीटें जीतीं, जबकि सपा को तीन सीटें मिलीं।

साल 2019 में भाजपा ने इनमें से सात सीटें जीती थीं, जबकि सपा को केवल एक सीट मिली थी। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 62 सीटें जीती थीं और उसके सहयोगी अपना दल को दो सीटें मिली थीं। वहीं, गठबंधन में शामिल सपा और बसपा को क्रमशः पांच और 10 सीटें मिली थीं। कांग्रेस के पास केवल एक सीट थी। प्रदेश के सभी क्षेत्रों में खराब प्रदर्शन के बारे में जब भाजपा नेताओं से संपर्क किया गया तो उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व कारणों की समीक्षा करेगा।

प्रकृति का अनमोल उपहार है पर्यावरण : महापौर

पौधे रोपना बनाएं संकल्प, धरा को है रखना हरा-भरा

एनसीआर समाचार

कानपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहर के कई स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए गए,जिसमें जनता ने पौधे रोपकर धरा को हर-भरा रखने का संकल्प भी लिया।

मोतीझील स्थित गुलाब वाटिका एवं राजीव वाटिका में नगर निगम की ओर से आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में महापौर प्रमिला पान्डेय ने पौधे रोपे और कहा कि हमारा पर्यावरण प्रकृति का अनमोल उपहार है। इसे हमें अपने और आने वाली पीढ़ी के लिए भी सहेजकर रखना होगा।

महापौर ने कहा कि अब समय आ गया कि हम सजग हों और पर्यावरण को बचाए अन्यथा इसके गंभीर परिणाम होंगे। कहा कि आसपास के स्थान को स्वच्छ बनाएं नदी,तालाब और अन्य जल स्त्रोतों को दूषित होने से बचाएं। महापौर ने सभी शहरवासियों से अपील कि हम सभी प्लास्टिक का उपयोग न करने का संकल्प लें। इन छोटे-छोटे कदमों से हम निश्चय ही पर्यावरण को स्वच्छ रख पाएंगे। महापौर ने सभी नागरिकों से कम से कम एक-एक पौध लगाये जाने की अपील की। इस अवसर पर पार्षद दल के नेता नवीन पंडित, पार्षद पवन पाण्डेय,आनन्द शुक्ला, सौरभ देव, आकर्ष वाजपेई, कमलेश त्रिवेदी इत्यादि कई लोग उपस्थित रहे।

सपा की सफलता में बसपा के बागी नेताओं का बड़ा हाथ

एनसीआर समाचार

इटावा। लोकसभा चुनाव में 37 सीटें जीत कर राष्ट्रीय राजनीति में अहम योगदान निभाने वाली समाजवादी पार्टी (सपा) को उत्तर प्रदेश में मिली अभूतपूर्व सफलता की वजह बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को माना जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। राजनीतिक पंडितो का मानना है कि संसदीय चुनावों में सपा के इंडिया गठबंधन को उत्तर प्रदेश में खासी कामयाबी मिली है लेकिन इस कामयाबी की इबारत तो वास्तव में 2019 में हुए बसपा और सपा के गठबंधन से लिखी जा चुकी थी जिसके बाद एक के बाद बसपा के कद्दावर नेता सपा की ओर आकर्षित हुये जो अंततः सपा की सफलता और बसपा के पतन का कारक सिद्ध हुये। राजनीतिक विश्लेषक गुलशन कुमार ने कहा 2024 के संसदीय चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिस अंदाज में 37 सीटे हासिल हुई है, उसकी पृष्ठभूमि वास्तव में 2019 के सपा बसपा गठबंधन से शुरू होती है। 2019 के संसदीय चुनाव में सपा को मात्र पांच सीट मिली थीं लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा 111 सीटे हासिल करने में कामयाब हो गई और 2024 के संसदीय चुनाव में मिली समाजवादी पार्टी को 37 सीटे निश्चित तौर पर 2019 के गठबंधन के साथ ही सपा के साथ खड़े हुए बसपा के कद्दावर नेता इसके पात्र माने जा सकते है। 2014 में बसपा का खाता भी नहीं खुल सका था जिसके बाद बसपा ने सपा के साथ 2019 में गठबंधन किया जिसका नतीजा उसे दस सीटों के रुप में मिला वहीं सपा को मात्र पांच सीटों से संतोष करना पड़ा। लेकिन जैसे ही 10 सीटे बसपा के खाते में आई वैसे ही मायावती ने सपा से गठबंधन तोड दिया । यह बात बसपा के कई नेताओं को नागवार गुजरी और उन्होने मायावती को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया । बसपा के प्रभावी नेताओं ने मायावती के मुकाबले सपा प्रमुख अखिलेश यादव को बेहतर राजनेता माना। मायावती की कार्यशैली से खफा बसपा के प्रभावी और जिम्मेदार नेताओं ने अपने आप को बसपा से अलग करते हुए सपा से रिश्ता जोड़ना जरूरी समझा।

भाजपा के पूर्व पदाधिकारियों पर गैर इरादतन हत्या का मुकदमा

मिजार्पुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में मिर्जापर के लालगंज थाने में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व जिलाध्यक्ष और पूर्व मंडल अध्यक्ष सहित चार कार्यकताओं के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया है। लालगंज थाना के प्रभारी अजीत श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार दोपहर लालगंज थाना क्षेत्र के पतुलकी गांव के पास एक अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से क्षेत्र के कलवारी गांव निवासी राजीव मौर्य की मौत हो गई थी। उन्होंने बताया कि मृतक के भाई संजय कुमार मौर्य ने आज दिए तहरीर में उल्लेख किया है कि उनके भााई राजीव ने खुद को जानलेवा धमकी मिलने की बात कही थी। उसे आशंका है कि चार चक्का वाहन से भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष बालेंदुमणि त्रिपाठी, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र दुबे के अलावा संतोष दुबे व अमरेश दुबे ने एक्सीडेंट कर जान से मार दिया गया है। तहरीर में संजय मौर्य ने बताया है कि भाई राजीव मौर्या मड़वा नेवादा गांव में रोजगार सेवक थे और बाइक से लालगंज ब्लाक जाते समय एक वाहन की टक्कर से उनकी मौत हो गयी थी। थाना प्रभारी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे देव दीपावली से वाराणसी में होगा शुरू

वाराणसी, एजेंसी। अमेरिकी देश बोलीविया एवं मेक्सिको के बाद दुनिया का तीसरा और देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे देव दीपावली से वाराणसी में शुरू होने जा रहा है। काशीवासी रोप-वे के पहले चरण में वाराणसी जंक्शन कैंट रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक की सुगम यात्रा कम समय में कर सकेंगे।

इसके संचालन से यातायात की समस्या से भी निजात मिलेगी। रोप-वे के निर्माण के लिए स्विटजरलैंड से लाए गए उपकरण इंस्टाल किए जा रहे हैं। रोप-वे के निर्माण पर 807 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह काम स्विट्जरलैंड की कंपनी बथोर्लेट कर रही है। नेशनल हाई-वे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश गौड़ ने मीडियाकर्मियों को बताया कि वाराणसी में देव दीपावली के अवसर पर दुनिया भर के पर्यटक आते हैं। हमारी कोशिश है कि देव दीपावली तक रोप-वे का संचालन शुरू हो जाए और काशी आने वाले पर्यटकों को प्रदूषण रहित परिवहन की अच्छी सुविधा मिल सके। कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक विद्यापीठ स्टेशन पर एंकर बोल्ट स्थापित हो गया है। इसके अलावा कई एक्सेलरेशन और डी एक्सेलरेशन कन्वेयर भी स्थापित हो गए हैं। अब जल्द ही रोप लगाने का काम शुरू होगा। वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक कुल दो टॉवर इंस्टाल किए जा चुके हैं और 16 टॉवर पर तेजी से काम चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तेजी से जमीन पर उतार रहे हैं।

इससे वाराणसी में ट्रैफिक की समस्या से राहत मिलेगी। रोपवे के संचालन के लिए स्टेशन और टॉवर इंस्टॉल करने का काम तेजी से चल रहा है। जल्द ही रोपवे का ट्रायल रन होगा। उसके बाद पर्यटक यात्रा कर सकेंगे।

हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को गोंडोला उपलब्ध रहेगी। एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे यानी दोनों दिशाओं में एक घंटे में छह हजार यात्रियों का आवागमन होगा। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेगा। 45 से 50 मीटर की अनुमानित ऊंचाई से करीब 150 ट्रॉली कार चलेंगी। एक ट्रॉली में 10 यात्री सवार हो सकते हैं। रोपवे का संचालन 16 घंटे होगा। देव दीपावली एक अनूठा त्योहार है जो हर साल वाराणसी में कार्तिक मास की पूर्णिमा तिथि को मनाई जाती है।

भाजपा को नुकसान के लिये योगी को दोष देना उचित नहीं: पूरन

सहारनपुर, एजेंसी। किसान मजदूर संगठन के संस्थापक और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति का चर्चित राजपूत चेहरा ठाकुर पूरन सिंह ने कहा कि प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कम सीटें मिलने का जिम्मेदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ठहराना कतई उचित नहीं है। उन्होने यूनीवार्ता से बातचीत में कहा यूपी में भाजपा की हार का ठीकरा योगी पर ना फोड़ा जाए। यदि योगी नाराज होते अथवा विरोध में खड़े होते तो उत्तर प्रदेश में भाजपा का खाता खुलना भी मुश्किल हो जाता। योगी गोरखपुर की गौरक्षा पीठ के सम्मानित महंत हैं। उनकी हैसियत प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पद से ज्यादा है और वह इन दोनों पदों के लालची भी नहीं हैं। पूरन सिंह ने कहा हमारी लड़ाई लोकतंत्र और स्वाभिमान को लेकर है। इसमें हमें बहुत हद तक कामयाबी मिली है। हम इसलिए संतुष्ट हैं कि एक नेता जो अपने बूते 400 पार का नारा दे रहा था वह उस पार्टी को बहुमत तक नहीं दिला पाया। 21 सितंबर 2014 को मुजफ्फरनगर के गांव रोनी हरजीपुर में किसान-मजदूरों के हितों को लेकर किसान-मजदूर संगठन की स्थापना करने वाले राजपूत नेता ने कहा कि उनका संगठन केंद्रीय मंत्री और गुजरात के भाजपा नेता पुरूषोत्तम रूपाला और उत्तर प्रदेश की कैराना लोकसभा सीट के सांसद प्रदीप चौधरी को टिकट नहीं देने की मांग कर रहा था। भाजपा नहीं मानी। इसलिये उन्हे संघर्ष को मजबूर होना पड़ा और उनकी मुहिम को पूरे देश में भरपूर समर्थन मिला। प्रदीप चौधरी को जनता ने चुनाव में परास्त कर दिया लेकिन पुरूषोत्तम रूपाला चुनाव जीत गए। हमारा गुजरात में उनके खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि उनका संगठन धर्म और जात-बिरादरियों की दीवारों से ऊपर उठकर काम करता हैं। उनकी मुहिम को समर्थन देने के लिए देश के लाखों लोग आगे आये हैं। उनके लिए भारत के लोकतंत्र को बचाना और नागरिकों का स्वाभिमान सर्वोपरि है।

भदोही में विदेशी महिला के साथ अभद्रता

भदोही, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले के एक कालीन प्रतिष्ठान में रूसी महिला के साथ मारपीट के आरोप में कंपनी के 10 कर्मचारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर तेजवीर सिंह ने गुरुवार को बताया कि रुस के मास्को शहर की निवासी महिला कारोबारी अन्ना स्टेओर (30) ने पिछली जनवरी को कुरियर के जरिये भदोही की कालीन कंपनी आटेक्स को एक "कलर बॉक्स" (कालीनों की बुनाई में रंगों से मिलान कर उसके इस्तेमाल से उनको रंगने में प्रयोग किया जाने वाला उपकरण) भेजा था। बाद में रूसी महिला द्वारा उसे वापस करने अथवा उपकरण को उसके भारतीय एजेंट को देने के लिए कहा था। आरोप है कि कालीन व्यवसाई द्वारा उपकरण को न तो वापस किया गया न ही उसके एजेंट को दिया गया उल्टे निर्यातक उसे ब्लैकमेल करने लगा। एएसपी ने बताया कि कलर बॉक्स को लेने के लिए एन्ना चार जून को भदोही पहुंचकर कालीन कंपनी आटेक्स पहुंची। जहां कलर को वापस लेने में कालीन कंपनी के मालिक एहसास अंसारी से उसकी नोंक-झोंक हुई।

कहासुनी के बाद एन्ना जब कलर बॉक्स लेकर कार में बैठी तो निर्यातक के कहने पर कंपनी के कर्मचारी उसके साथ मारपीट करने लगे। आरोप है कि मारपीट के दौरान उसके एक हाथ की उंगली टूट गई। इस दौरान कंपनी के कर्मचारियों ने उसका मोबाइल फोन व पॉड छीन लिया। उन्होंने बताया कि महिला ने कोतवाली पहुंचकर मारपीट की घटना की शिकायत की एवं घटना का वीडियो भी पुलिस को दिया।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को 18 साल की सजा

बरेली (उप्र), एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले की एक अदालत ने एक नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने के आरोपी एक व्यक्ति को दोषी करार देते हुए 18 साल के कारावास की सजा सुनायी है। जिला सहायक शासकीय अधिवक्ता सुभव कुमार मिश्रा ने बृहस्पतिवार को बताया कि 26 अगस्त 2013 की रात को शीशगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव में आइसक्रीम का ठेला लगाने वाला 21 वर्षीय मुकेश 13 साल की एक लड़की को बहला–फुसलाकर अपने बहनोई के घर ले गया था। बाद में पुलिस ने किशोरी को बरामद कर लिया था। उन्होंने बताया कि किशोरी ने अदालत में कहा था कि मुकेश उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया था और पीलीभीत स्थित एक मंदिर में उससे जबरन शादी की थी। मिश्रा ने बताया कि अपर सत्र न्यायाधीश कुमार मंयक ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद बुधवार को आरोपी मुकेश को दोषी करार देते हुए 18 साल की कैद और 20 हजार रुपये जुमार्ने की सजा सुनायी।

एक नजर

कौशांबी में प्रिसिंपल के खिलाफ दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज

कौशांबी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में कौशांबी जिले के कोखराज क्षेत्र में एक विद्यालय के प्रधानाध्यापक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि दो महीने पहले एक बालिका के साथ दुष्कर्म किये जाने का वीडियो वायरल होने के बाद पीड़ित के परिजनो की तहरीर पर आज आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। उन्होने बताया कि भरवारी कस्बा स्थित रामबली शर्मा बालविद्या मंदिर के प्रधानाचार्य के विरुद्ध आज कोखराज थाना शिकायत दर्ज कराई गई कि गत 29 अप्रैल को आरोपी ने पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म किया था। घटना से संबंधित वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए प्रधानाध्यापक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच के बाद विधिक कार्रवाई करेगी।

इटावा में चर्चा में है देशी दारु का चलता फिरता ठेका

इटावा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में देशी दारु का चलता फिरता ठेका चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, लवेदी इलाके में देसी शराब ठेका संचालक दुकान ना मिल पाने के कारण कार से से खुले में बैनर लगा कर शराब बेच रहा है। शराब संचालक का कहना है कि गांव में उसे ठेका खोलने के लिए कोई भी अपनी दुकान किराए पर नहीं दे रहा है,मजबूरन उसे कार में खुलेआम बोर्ड लगाकर देशी शराब बेचने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। गांव वालों का कहना है कि शराब संचालक का जहां मन होता है वह कार रोक कर शराब बेचना शुरू कर देता है। सरकारी विभाग के अधिकारियों को इसका पता है फिर भी वे लोग इससे अंजान बने हुए हैं और संचालक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। जिले के लवेदी इलाके के ग्राम दुगार्पुरा में 15 मई से देसी शराब ठेके की स्वीकृति हुई है मगर इसके लिये ठेका का पता ठिकाना नहीं पूछा गया। शराब की पेटियों को कार में डालकर संचालकह गांव में जगह-जगह घूमता है। कार के बाहर बैनर लगा देता है कि यहां शराब बिक रही है। फिर वहां कई खरीददार आकर शराब खरीदते हैं।

शाहजहांपुर में शादीशुदा प्रेमी युगल ने की आत्महत्या

शाहजहांपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले के थाना सदर बाजार क्षेत्र में शादी शुदा प्रेमी प्रेमिका ने लोक लाज के डर से कथित रुप से ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी है। अपर पुलिस अधीक्षक नगर संजय कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि क्षेत्र के हाजी कालोनी निवासी वंदना कश्यप (42) और शहवाज नगर के बोधन कश्यप (45) के क्षत विक्षत शव गर्रा नदी पर बने रेलवे ट्रैक से बरामद हुए है। उनके पास मिले मोबाइल की मदद से दोनो शवो की शिनाख्त की गई। दोनो मृतक शादी शुदा है। श्री कुमार ने बताया की वंदना का पति राजू काली बाड़ी में फुटपाथ पर दुकान लगाकर कपड़े बेचता था। साथ में उसकी पत्नी भी दुकान पर बैठती थी। राजू का दोस्त बोधन भी दुकान पर अक्सर आया करता था।इसी बीच बोधन और वंदना का प्रेम प्रसंग शुरू हो गया। इस बात की जानकारी मृतका के पति राजू को दो साल बाद हुई तो उसने इसका विरोध किया और बातचीत करने पर प्रतिबंध लगा दिया। राजू ने पुलिस को बताया कि प्रतिबंध के बाद भी दोनो लोग चोरी छुपे एक दूसरे से मिलते थे। कल रात को दोनो पहले कही मिले उसके बाद दोनो ने ट्रेन से कटकर आत्म हत्या कर ली। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

प्रतिबंधित दवा के साथ दो गिरफ्तार

सोनौली, एजेंसी। भारत-नेपाल सीमा सोनौली बॉर्डर के सीमावर्ती गांव भगवानपुर के भगउ टोला के पास एसएसबी 22वीं वाहिनी और सोनौली पुलिस ने गश्त के दौरान दो युवकों को पकड़ लिया। तलाशी में उनके पास से नशीली दवाएं बरामद हुईं। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध केस दर्ज कर न्यायालय चालान कर दिया। शुक्रवार सुबह सोनौली पुलिस एसएसबी के साथ भारत नेपाल के सीमावर्ती गांव में गश्त कर रही थी। इस दौरान दो भगवानपुर गांव के भगउ तिराहा के निकट से नेपाल की तरफ जा रहे थे। संदेह होने पर टीम ने दोनों युवकों को रोककर तलाशी ली तो उनके पास से 260 पत्ता प्रतिबंधित दवाएं और इंजेक्शन बरामद कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम गिरिजा चौधरी निवासी धकधई नेपाल और सूरज निवासी बेलहिया नेपाल बताया। क्षेत्राधिकारी नौतनवा जय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि दोनों के खिलाफ केस दर्ज कर न्यायालय चालान किया गया।

हमीरपुर में खेत में मिला नवविवाहिता का शव

हमीरपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के राठ क्षेत्र में गुरुवार को पुलिस को चारा काटने गयी एक नवविवाहिता का शव एक खेत से मिला है। वह बुधवार सुबह चारा काटने के लिये निकली थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि क्षेत्र के पहाड़ीगढ़ी गांव निवासी वंदना (21) बुधवार की सुबह चारा काटने के लिए खेत गई थी। काफी देर तक वापस घर नहीं लौटने पर स्वजनों ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। लेकिन उसका कहीं पर भी पता नहीं चल सका। गुरुवार को ग्रामीणों ने गन्ने के खेत के पास वंदना का शव पड़ा देखा। स्वजनों ने जहरीले पदार्थ के सेवन से मौत होने की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। उधर, जिले के मौदहा क्षेत्र में गुरुवार को एक खेत में क्षत विक्षत अवस्था में एक कंकाल के मिलने से सनसनी फैल गयी। कंकाल महिला का है या पुरुष का इसकी पुष्टि नही हो पायी है। पुलिस के अनुसार क्षेत्र के मौदहा कस्वा से कुछ दूर सरसों के खाली खेत में कंकाल मिलने से हड़कंप मच गया। कंकाल दो हिस्सों में बट चुका है जिसके कारण कमर से नीचे का हिस्सा अलग तथा ऊपर का हिस्सा अलग पड़ा हुआ था। कंकाल के आसपास कुछ कपड़े तथा चप्पलों सहित एक झोला भी मिला है।

योगी ने फिर शुरू किया जनता दर्शन

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के पश्चात गुरुवार को फिर से जनता दर्शन शुरू किया है। मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर गुरुवार को काफी संख्या में पीड़ित पहुंचे। इन लोगों ने योगी से अपनी पीड़ा सुनाई। मुख्यमंत्री ने हर एक फरियादी के पास पहुंचकर उनकी पीड़ा जानी। फिर संबंधित अधिकारियों को तत्काल निस्तारण के लिए कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन से जुड़े कार्य निश्चित समयसीमा में हों। किसी भी कार्यों में अनदेखी कतई बर्दाश्त नहीं होगी। जनता से जुड़े मुद्दे सरकार की प्राथमिकता में हैं। जनता दर्शन में गुरुवार को काफी संख्या में युवा भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने हर युवाओं से न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत परेशानी पूछी, बल्कि उनसे कई मुद्दों पर वातार्लाप भी किया। युवाओं ने विभिन्न मुद्दों पर सीएम से बातें साझा कीं। वहीं मुख्यमंत्री ने अफसरों को निर्देश दिया कि जनता से जुड़े जो भी मुद्दे न्यायालय में लंबित हैं, उनमें अपना पक्ष प्रस्तुत करते हुए प्रभावी पैरवी सुनिश्चित कराई जाए।

मेडिकल कॉलेज में एमसीएच विंग के बाहर हुआ प्रसव

एटा, एजेंसी। मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार को प्रसव पीड़ा से तड़प रही महिला एमसीएच विंग के पास पहुंची, वहां फर्श पर ही उसका प्रसव हो गया। उसके साथ आई महिलाओं ने कपड़ों से पर्दा की। जानकारी होते ही मेडिकल कॉलेज से स्वास्थ्यकर्मी पहुंचे और जच्चा-बच्चा को कॉलेज के नए भवन में भर्ती कराया। बिहार के जहानाबाद जनपद के गांव उसरी खसरा निवासी संदीप ने बताया कि वह परिवार सहित चौथा मील के पास एक ईंट भट्ठे पर मजदूरी करता है। उसकी पुत्रवधू को शुक्रवार की सुबह से प्रसव पीड़ा होने लगी। सुबह 11 बजे के लगभग वह उसे ऑटो से मेडिकल कॉलेज लाया। बताया एमसीएच विंग के पास पहुंचा था, वहां कुछ लोगों ने बताया कि नए भवन में लेकर जाओ। लेकिन ऑटो वाले ने वहीं छोड़ दिया। प्रसव पीड़ा के कारण पुत्रवधू फर्श पर ही लेट गई। कुछ ही देर में वहां प्रसव हो गया। उसने बेटी को जन्म दिया। बाद में स्वास्थ्यकर्मी आए और नए भवन में दोनों को लाकर भर्ती कर लिया। साथ आई महिलाओं ने कराया प्रसव संदीप ने बताया कि परिवार की महिलाएं साथ आईं थीं।

कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली कांस्टेबल को निलंबित कर किया गिरफ्तार

जमील अहमद

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (उकरत्र) की कांस्टेबल जिसने कथित तौर पर चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर मंडी की नवनिर्वाचित सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत को "किसानों का अपमान" करने के लिए थप्पड़ मारा था, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

आरोपी कांस्टेबल कुलविंदर कौर के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज किया गया था और गुरुवार को कथित तौर पर कंगना रनौत को थप्पड़ मारने के बाद उसे निलंबित भी कर दिया गया था। घटना के समय अभिनेत्री दिल्ली के लिए उड़ान भरने जा रही थीं। अर्धसैनिक सुरक्षाकर्मी ने कहा कि वह कंगना रनौत के एक पुराने बयान से भड़क गई थीं।

उन्होंने कहा उन्होंने एक बयान दिया था। कि किसान 100 रुपये के लिए वहां बैठे हैं। क्या वह वहां जाकर बैठेंगी? जब उन्होंने यह बयान दिया तो मेरी मां वहां बैठी थीं और विरोध कर रही थीं। उन्होंने

केंद्र द्वारा पारित तीन कृषि कानूनों के खिलाफ 2020 में किसानों के विरोध का जिक्र करते हुए कहा।

राष्ट्रव्यापी आंदोलन के चरम पर होने के दौरान, सुश्री रनौत ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में टिप्पणी की थी कि एक विरोध स्थल पर एक बुजुर्ग महिला को वहां बैठने के लिए ?100 का भुगतान किया जा रहा था। व्यापक प्रतिक्रिया का सामना करने के बाद, अभिनेता ने पोस्ट को हटा दिया।

हवाई अड्डे पर मौजूद दर्शकों द्वारा रिकॉर्ड किए गए एक वीडियो में, मंडी के सांसद कंगना रनौत को सुरक्षा चौकी पर ले जाते हुए देखा जा सकता है। जहाँ यह घटना हुई थी। हालाँकि, जैसे ही वह क्षेत्र में पहुँचती है, एक बहस छिड़ जाती है और फिर उसे दूर ले जाया जाता है। वीडियो में कथित थप्पड़ की घटना नहीं दिखाई देती है। घटना के कुछ घंटों बाद, अभिनेता कंगना रनौत ने एक्स को एक वीडियो संदेश साझा किया और हवाई अड्डे पर जो कुछ हुआ उसके बारे में बताया।

घटना सुरक्षा जांच के दौरान हुई। महिला गार्ड मेरे क्रॉस करने का इंतजार कर रही थी। फिर वह आई और मुझे मारा गालियाँ देने लगी। मैंने उससे पूछा कि उसने मुझे क्यों मारा। उसने कहा मैं किसानों का समर्थन करती हूँ'। मैं सुरक्षित हूँ। लेकिन मेरी चिंता यह है कि पंजाब में आतंकवाद बढ़ रहा है। हम इससे कैसे निपटें? कंगना रनौत ने वीडियो में कहा।

फरवरी 2021 में गायिका रिहाना द्वारा किसानों के विरोध पर एक पोस्ट का जवाब देने के बाद अभिनेता को ऑनलाइन आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। पॉप आइकन ने किसानों के विरोध का एक वीडियो साझा करते हुए कहा हम इस बारे में बात क्यों नहीं कर रहे हैं?

कंगना रनौत ने प्रदर्शनकारियों को "आतंकवादी" करार देते हुए पोस्ट पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कोई भी इसके बारे में बात नहीं कर रहा है क्योंकि वे किसान नहीं हैं वे आतंकवादी हैं जो भारत को विभाजित करने की कोशिश कर रहे हैं ताकि चीन हमारे कमजोर टूटे हुए राष्ट्र पर कब्जा कर सके और इसे यूएसए की तरह एक चीनी उपनिवेश बना सके।

हालांकि, बाद में उन्होंने वह पोस्ट हटा दी।

2020/21 में शुरू हुए किसानों के विरोध ने भारत और दुनिया भर में सुर्खियाँ बटोरीं। कंगना रनौत ने विरोध प्रदर्शनों की आलोचना करते हुए और आंदोलन की वैधता पर सवाल उठाते हुए कई पोस्ट किए, अक्सर प्रदर्शनकारियों पर निशाना साधा। अपने अभियान के दौरान चंडीगढ़ में उनके काफिले को उनकी टिप्पणियों के कारण आंदोलनकारियों ने रोक दिया था।

बुलंदशहर में चल रहा अवैध खनन का काम

जय प्रकाश शर्मा

उत्तर प्रदेश: बुलंदशहर के खुर्जा देहात के गांव चीती नागला अच्छेजा में जोरों से चल रहा है अवैध खनन का काम। खनन माफिया अधिकारियों की मिली भगत से कर रहे हैं खुलेआम अवैध खनन। 3 फुट खुदाई की जगह हो रही है 8 फुट की मिट्टी की खुदाई।

खुर्जा तहसीलदार का कहना है कि परमिशन पर हो रही है खुदाई । इसे हम नहीं रुकवा सकते। दिन और रात चल रहा है अवैध खनन। सूचना देने पर भी मौके पर नहीं पहुंचते अधिकारी। इससे खुलेआम अधिकारियों व खनन माफियाओं की मिली भगत दिखाई देती है। वहां चल रहे डंपर और जेसीबी मशीन के ड्राइवर ने बताया कि खुर्जा गौतम बुध नगर भाजपा सांसद प्रतिनिधि सत्यप्रकाश के कहने पर उठाई जा रही है खनन की मट्टी।

हिमाचल प्रदेश: 14 जून को सिरमौर में होगी मेगा मॉक ड्रिल

हेमंत कुमार

हिमाचल प्रदेश: नाहन उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सुमित खिमटा ने बताया कि 14 जून को 8वें राज्य स्तरीय मेगा मॉक ड्रिल का आयोजन सिरमौर जिला में किया जायेगा। उन्होंने कहा कि इस मॉक ड्रिल में सभी सम्बन्धित विभाग चिन्हित स्थलों पर फील्ड स्तर पर होने वाले अभ्यास में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि आगामी मौनसून के दृष्टिगत फलैश फलड और लैंड स्लाईड की संभावना को देखते हुये यह मॉक ड्रिल की जा रही है।

सुमित खिमटा ने बताया कि आज शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेस के माध्यम से 14 जून को होने वाली मेगा मॉक ड्रिल के सम्बन्ध में प्रथम चरण में ओरियंटेशन और

कार्डिनेशन की प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सिरमौर जिला के सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि इस ओरिएंटेशन और कार्डिनेशन बैठक में मेगा मॉक ड्रिल के आयोजन के सम्बध में विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

12 जून को टेबल टॉप एक्सरसाई आयोजित होगी सुमित खिमटा ने कहा कि मेगा मॉक ड्रिल के दूसरे चरण में 12 जून को टेबल टॉप एक्सरसाईज आयोजित की जायेगी जिसमें सभी सम्बन्धित विभाग अपनी-अपनी तैयारियों के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान करेंगे। सभी विभाग मेगा मॉक ड्रिल की तैयारी समय पर पूरा करें।

उपायुक्त ने सभी सम्बन्धित विभागों से 14 जून को होने वाली मेगा मॉक ड्रिल की तैयारी समय पर पूरा करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी सम्बन्धित विभाग अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित तैयारियों को समय पर मुक्ममल करें और आपदा प्रबंधन योजना को अंतिम रूप प्रदान करें।

जिला राजस्व अधिकारी सिरमौर चेतन चौहान ने इस अवसर पर आपदा प्रबंधन के तहत 14 जून को होने वाली मेगा मॉक ड्रिल के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर पुलिस, होमगार्ड शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य सम्बन्धित विभागों के अधिकारी भी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश: बहुजन समाज पार्टी एक दल नहीं

बसंत सिंह

उत्तर प्रदेश: बहुजन समाज पार्टी एक दल नहीं है। ये एक मिशन है। मिशन का काम समाज को जागरूक करना और सामाजिक मुद्दों को हल करना है। राजनीति में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। आज लोकतंत्र में धनबल है,जनबल नहीं है। धनबल के आगे जनबल कमजोर पड़ जाता है। कुछ तथाकथित नेता जो दूसरों की बैशाखियों के सहारे जीत तो सकते हैं लेकिन वे समाज का भला नहीं कर सकते हैं।

मिशनरी लोग सड़कों पर नहीं उतरते हैं वे लोगों के मनों में उतरकर समाज को जिंदा रखते हैं।कुछ लोग सत्ता सुख भोगने में उतावले होते हैं वे जल्दी आते हैं और जल्दी चले जाते हैं।गठबंधन की राजनीति मिशन को कभी पूरा

नहीं कर सकती है।अपने पैरों पर खड़ा होने पर ही कामयाबी मिल सकती है और वह अकेले चलकर ही मिल सकती हे।बहन मायावती की निंदा करने वाले लोग वही लोग हैं।

जो आते हैं और सत्ता सुख भोग चले जाते हैं। बहुजन आंदोलन कभी कमजोर नहीं होगा। इसलिए कमजोर दिल के लोग ये कहकर बैठ जाते हैं कि मायावती खत्म हो गई।ऐसे लोगों को ये अहसास नहीं है कि कांशीराम के बाद ही अन्य दल अनुसूचित जाति को पहल देने लगे हैं। इसलिए चिंता मत कीजिए।अपने काम में लग जाइए।ये लड़ाई बहुत लंबी चलने वाली है।मिशन चलता रहेगा, राजनीति भी चलती रहेगी।

उत्तर प्रदेश: लचर विद्युत व्यवस्था पर भड़की विधायक अधिकारियों को लगाई फटकार

राधा कृष्णा

उत्तर प्रदेश: लचर विद्युत व्यवस्था के कारण त्रस्त नगर व क्षेत्र की जनता की दुर्दशा को देख नाराज क्षेत्रीय विधायक ने आज विद्युत विभाग के अधिकारियों को बुलाकर उन्हें कड़ी फटकार लगाई। इस दौरान अधिकारी विद्युत व्यवस्था को दुरुस्त करने का दम्भ भरते नजर आए। शुक्रवार को क्षेत्रीय विधायक मनीषा अनुरागी ने विद्युत विभाग की अधिशाषी अभियंता राजकुमार राव, राठ प्रथम व द्वितीय फीडर के जेई विजय कुमार पांडे, नौरंगा व अमूंद फीडर के जेई अजय कुमार को अपने कार्यालय में बुलाकर उनसे विगत एक माह में विद्युत व्यवस्था

के संचालन की समीक्षा ली।

इस दौरान उक्त अधिकारियों द्वारा कागजों में विद्युत सप्लाई को गलत दिखाने व उसकी वास्तविकता कुछ और होने पर विधायक ने उन्हें कड़ी फटकार लगाई। विधायक ने बताया कि विद्युत विभाग की लापरवाही के कारण नगर क्षेत्र की जनता को इस भीषण गर्मी में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा है।

अगर इसी तरीके से अधिकारी जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा कर अपनी लचर प्रणाली से कार्य करते रहे तो आगामी समय में इसके दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं।

हरियाणा: नारनौल में सिंचाई मंत्री डॉ. अभय सिंह यादव ने वेब कास्टिंग के जरिए लाभार्थियों को वितरित किए हैप्पी कार्ड

सतीश

हरियाणा: जिला महेंद्रगढ़ में 50 हजार नागरिकों ने हैप्पी कार्ड के लिए किया आनलाइन आवेदन, हैप्पी योजना से लाखों परिवारों में खुशी-डॉ. अभय सिंह यादव वंचितों को वरीयता देने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह ने आज करनाल में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में वेब कास्टिंग के जरिए प्रदेश के सभी 36 रोडवेज डिपो व सब डिपो पर हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना (हैप्पी) के नए कार्ड वितरण की शुरूआत की। जिला स्तर पर नारनौल के बस स्टैंड पर इस हैप्पी कार्ड वितरण समारोह में सिंचाई मंत्री डॉ अभय सिंह यादव ने 20 लाभार्थियों को कार्ड वितरित किए।

इस मौके पर बड़ी एलइडी स्क्रीन के जरिए नागरिकों ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह का संबोधन भी सुना। जिला स्तरीय कार्ड वितरण समारोह को संबोधित करते हुए सिंचाई मंत्री डॉ अभय सिंह यादव ने कहा कि रोडवेज से उनका पुराना नाता रहा है। हरियाणा सरकार की इस योजना से प्रदेश के लाखों परिवारों को लाभ

पहुंचेगा। यह उन गरीब परिवारों को बहुत बड़ी राहत है, जो हर रोज अपना काम धंधा करने के लिए दूसरी जगह पर जाते हैं। इससे इन गरीब परिवारों को आवागमन में बहुत बड़ी सहूलियत होगी।

उन्होंने कहा कि सरकार का यह बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय है। यह योजना प्रदेश के लाखों परिवारों के चेहरों पर खुशी लाने का काम करेगी। सरकार का लक्ष्य अंतिम आदमी का उदय करना है। यादव ने कहा कि इन गरीब परिवारों को प्रतिवर्ष एक हजार किलोमीटर तक अब मुफ्त में हरियाणा रोडवेज की बस में सफर करने की सुविधा मिलेगी। उन्होंने कहा कि जो पात्र परिवार इस योजना का लाभ उठाना चाहते हैं, वे जल्द से जल्द इस कार्ड के लिए परिवहन विभाग की साइट पर आवेदन करें।

इसके अलावा बस स्टैंड पर भी कार्ड जारी करने के लिए बूथ स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक लगभग 57000 से अधिक लाभार्थियों को पात्रता मानदंडों के अनुसार हैप्पी कार्ड वितरित किए गए हैं। जिला महेंद्रगढ़ में 50 हजार नागरिकों ने हैप्पी कार्ड के लिए आनलाइन आवेदन किया है। अभी तक ज़िला महेंद्रगढ़ में 2700 से अधिक नागरिकों को हैप्पी योजना के कार्ड दिए जा चुके हैं। इस योजना के तहत लाभार्थियों को हरियाणा रोडवेज बसों में मुफ्त यात्रा करने के लिए ई-टिकटिंग प्रणाली से जुड़ा एक स्मार्ट कार्ड जारी किया जाएगा।

इस मौके पर एसडीएम नांगल चौधरी मयंक भारद्वाज, सीटीएम मंजीत सिंह, बीजेपी के जिला अध्यक्ष दयाराम यादव, नारनौल डिपो के जीएम अनित यादव व एडवोकेट सुभाष यादव के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

हैप्पी योजना की जानकारी के लिए डायल करें 0172-5200600 परिवहन विभाग के नारनौल डिपो के जनरल मैनेजर अनित यादव ने बताया कि हरियाणा अंत्योदय परिवार परिवहन योजना के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 0172-5200600 पर संपर्क किया जा सकता है कोई भी नागरिक इस नंबर पर डायल करके इस योजना के बारे में सारी जानकारी ले सकता है। इसके अलावा अन्य जानकारी के लिए परिवहन विभाग की वेबसाइट पर लॉगिन किया जा सकता है।

झारखंड: बहन पर भाई ने किया जानलेवा हमला, पुलिस ने भेजा जेल

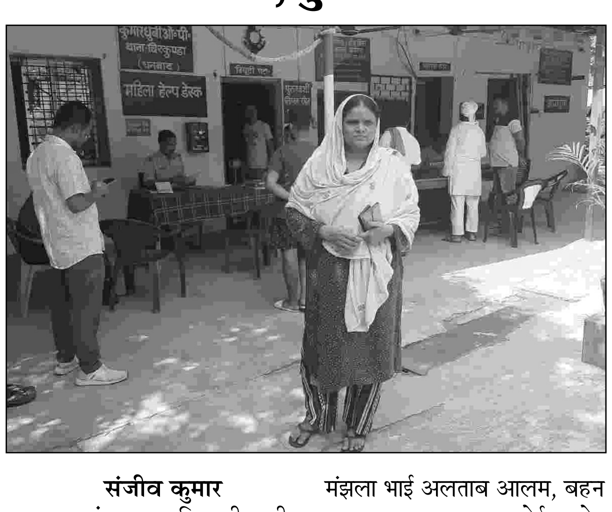

संजीव कुमार

झारखंड: शिवलीबाड़ी अंसार मोहल्ला की रहने वाली तरन्नुम बानो पर छोटा सगा भाई रूस्तम अंसारी ने फिर से जानलेवा हमला किया। लेकिन इस बार वह पुलिस की गिरफ्त से बच नहीं पाया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से उसे गिरफ्तार कर लिया और जेल भेज दिया। तरन्नुम की शिकायत पर एक माह पूर्व ही भाई रूस्तम और बहन व बहनोई के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है।

जिसमें रूस्तम फरार चल रहा था। तरन्नुम ने बताया कि एक माह पूर्व छोटा भाई रूस्तम अंसारी, मंझला भाई अलताब आलम, बहन तबस्सुम खातुन व बहनोई जावेद आलम द्वारा मुझ पर जानलेवा हमला किया था। उसके भय से मैं चाची के घर में रह रही थी। गुरू की रात करीब 9 बजे छोटा भाई रूस्तम पहुंचा एवं दरवाजा में जोर जोर से धक्का मारा।

भद्दी भद्दी गाली देने लगा। वह डर गई और ओपी प्रभारी को फोन पर इसकी सूचना दी। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और भाई को गिफ्तार कर लिया। ओपी प्रभारी पंकज कुमार ने कहा कि तरन्नुम द्वारा दर्ज लिखित शिकायत पर फरार रूस्तम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

एक नजर

बिहार में अतिथि शिक्षको के साथ नाइंसाफी को लेकर पटना में प्रदर्शन करने उतरे शिक्षक

चंदन/बिहार: बिहार में अतिथि शिक्षको के साथ नाइंसाफी को लेकर पटना मैं प्रदर्शन करने उतरे शिक्षक बता दे की यह 6 महीनो तक काम करवाने के बाद उनका तनख्वाह नहीं दिया गया और उनको सेवा से हटा दिया गया । कोशी प्रगति इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा बिहार के अतिथि शिक्षको को परेशान किया जा रहा है ।

बिहार के अतिथि शिक्षक द्वारा जिला शिक्षा पदाधिकारी को भी सूचना दिए जाने पर भी कोशी प्रगति इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के द्वारा शिक्षको के हित मैं कोई काम नही किया गया है। अब प्रश्न यह है की बिहार के अतिथि शिक्षक अब इतने दिनो तक सेवा करने के बाद कहा का शरण ले। शुक्रवार को बिहार के अथिति शिक्षक पटना मैं कोशी प्रगति इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी मैं अपना धरना प्रदर्शन किए। धरने में उतरे सीआरओ के टीम को बिहार के अथिति शिक्षक के नेता रंजन कुमार पांडेय से संवाद हुई।

हरियाणा: राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर स्थानीय लोगों को टिकट देने की 10 जून से होगी शुरूआत

सतीश/हरियाणा: आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र से स्थानीय लोगों को टिकट देने के विषय बारे शीघ्र एक बड़े सर्वदलीय अभियान की शुरूवात 10 जून से की जाएगी। इस बारे में आज अटेली के पूर्व पार्षद सुरेंद्र पटवा के निजी कार्यालय में एक मीटिंग आयोजित की गई।

जिसमें पूर्व विधायक नरेश यादव, कांग्रेस के निवर्तमान जिला अध्यक्ष सुरेंद्र नंबरदार , निर्दलीय उम्मीदवार ओमप्रकाश इंजीनियर , पूर्व पार्षद सुरेंद्र पटवा व क्षेत्र के प्रसिद्ध समाजसेवी राधेश्याम गोमला ने विचार विमर्श कर आगामी 10 जून को एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर अभियान की शुरूआत करने का निर्णय लिया।

आज की मीटिंग में निर्णय लिया गया कि अटेली विधानसभा के हितार्थ केवल स्थानीय लोगों को ही टिकट देने के लिए सभी दलों की एक संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस कर अभियान की शुरूआत की जाएंगी तथा उसके बाद गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा।

हरियाणा: महेंद्रगढ़ की सुनीता यादव को कृषि क्षेत्र के सबसे प्रतिष्ठित इनोवेटिव फार्मर अवार्ड से किया गया सम्मानित

सतीश/हरियाणा: कृषि क्षेत्र का सबसे प्रतिष्ठ अवार्ड इन्नोवेटिव फार्मर अवार्ड, जो कि भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के द्वारा दिया जाता है, वर्ष 2024 के लिए यह अवार्ड सुनिता यादव पत्नी डॉ प्रदीप यादव, गांव बवानिया, जिला महेंद्रगढ़, हरियाणा को मिला है। गौरतलब है कि सुनिता यादव पहले भी 2022 में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार द्वारा प्रगतिशील किसान अवॉर्ड से सम्मानित हो चुकी हैं। इन्नोवेटिव फार्मर अवार्ड का चयन राष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है, जिसमें एक राज्य से एक प्रतिभागी का ही चयन किया जाता है। इस बार यह राष्ट्रीय स्तरीय सम्मान जिला महेंद्रगढ़ को मिला है। इसके लिए सभी क्षेत्र वासियों को हार्दिक बधाई।

हरियाणा: नारनौल के गांव धोलेड़ा में आर्य समाज द्वारा चरित्र निर्माण शिविर का हुआ आयोजन

सतीश/हरियाणा: नारनौल के समीप गांव धोलेड़ा मे आर्य समाज नांगल चौधरी द्वारा 3 जून से युवा चरित्र निर्माण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक वासुदेव यादव ने आर्य समाज द्वारा आयोजित युवा चरित्र निर्माण शिविर का भ्रमण किया। इस अवसर पर युवाओं को बौद्धिक संबोधन के दौरान अपने व्याख्यान मे वासुदेव यादव पूर्व वरिष्ठ भू - वैज्ञानिक ने बताया कि वो भी अपनी युवा अवस्था के दौरान ऐसे शिविरों मे भाग ले चुके हैं। उन्होंने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि युवा मोबाइल का उपयोग केवल जरुरत पड़ने पर ही करें तथा बड़े.बुजुर्गों, माता-पिता एवं गुरुजनों का सदैव अभिवादन करें ताकि उनके जीवन मे चार चीजें क्रमशः आयु, विद्या, यश व बल कि वृद्धि हो सके। इस अवसर पर आर्य समाज नांगल चौधरी द्वारा उन्हें पटका एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वामी हंसानंद, स्वामी यशदेव का सम्बोधन भी हुआ। शिविर के दौरान सैकड़ों आर्य वीरों सहित आर्य समाज के प्रधान वीरेंद्र अलीपुर, दलीप सिंह रामऔतार कृष्ण कुमार धर्मबीर एवं अजमेर से पधारे प्रमुख शिक्षक मौजूद थे।

हरियाणा: कांग्रेस नेता की जीत से कार्यकर्ताओं में हुआ नव ऊर्जा का संचार

दर्शन सिंह

हरियाणा: पार्टी कार्यकताओं में नव ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यकताओं ने इस लोकसभा चुनाव में खूब मेहनत की और अकेले रानियां हलके से कांग्रेस प्रत्याशी को 27 हजार से अधिक वोटों की लीड मिली है। विशाल वर्मा ने रानियां हलके के मुद्दों को समय-समय पर जोरदार ढंग से उठाया। उसका फायदा पार्टी को इस लोकसभा चुनाव में मिला है। कांग्रेस पार्टी में शामिल होने वाले सभी लोगों को विशाल वर्मा ने उचित मान सम्मान देने का वादा किया इसकी वजह से लोग उनके साथ जुड़ते चले गए। राज में हिस्सा होने के बाद भी विकास कार्यो में रानियां हलके की अनदेखी को लेकर विशाल वर्मा ने कैबिनेट मंत्री के खिलाफ जोरदार ढंग से आवाज उठाई। लोगों को उनका यह अंदाज पसंद भी आया।

इसी वजह से चौधरी रणजीत सिंह और विशाल वर्मा में 36 का आंकड़ा रहा है। हलांकि एक समय दोनों कांग्रेस पार्टी में

रहे। 2019 के विधानसभा चुनाव में टिकट कटने के बाद चौधरी रणजीत सिंह ने कांग्रेस पार्टी छोड़ दी और रानियां हलके से निर्दलीय चुनाव लड़ा। तब भी विशाल वर्मा उनके खिलाफ मैदान में डटे रहे और कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का काम किया। चौधरी रणजीत सिंह के पाला बदलकर भाजपा में जाने से दलबदल कानून के तहत उनकी विधानसभा सदस्यता को समाप्त करने की आवाज विशाल वर्मा ने उठाई थी।

विधानसभा स्पीकर के समक्ष एक याचिका डाली थी। इस याचिका के फौरन बाद कानून पचड़ों से बचने के लिए स्पीकर ने इस मामले में तुरंत फैसला सुनाते हुए चौधरी रणजीत सिंह का विधानसभा से इस्तीफा स्वीकार कर लिया। रानियां हलके की जनता विशाल वर्मा को एक दबंग, सच्चा और मेहनती नेता के रुप में देखती है। पिछले दिनों जब दीपेंद्र हुड्डा रानियां हलके में जनसंपर्क अभियान के लिए आए थे तो विशाल वर्मा ने पिछड़ा वर्ग के हितों को लेकर उनके समक्ष जोरदार पैरवी की थी। दीपेंद्र हुड्डा ने वादा किया कि, कांग्रेस की सरकार बनते ही प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के हितों को लेकर अनेक कदम उठाए जाएगें। विशाल वर्मा वैसे तो हुड्डा गुट के माने जाते हैं।

डॉ. केवी सिंह को विशाल अपना राजनीतिक गुरु मानते हैं, लेकिन इस लोकसभा के चुनाव में किसी प्रकार की गुटबाजी को दरकिनार कर विशाल वर्मा ने पार्टी प्रत्याशी कुमारी शैलजा के लिए जोरदार चुनाव प्रचार किया। अपने चुनाव प्रचार के दौरान कुमारी शैलजा रानियां में आई तो उन्होंने शहर के शहीद भगत सिंह चौक में जनसभा को संबोधित किया। विशाल वर्मा की अगुवाई में हुई इस जनसभा में लोगों की भारी भीड़ को देखकर शैलजा गदगद हो उठी।

उन्होंने विशाल वर्मा की पीठ थपथपाई और मंच से दो बार उनका नाम लेकर धन्यवाद किया था। अब कांग्रेस हाईकमान को इस बात का ध्यान रखना होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में पिछड़ा वर्ग के लोगों का साथ उनके साथ बना रहे। जिला के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में से एक पर पिछड़ा वर्ग से संबंधित किसी प्रत्याशी को चुनाव मैदान में उतरना चाहिए।

विशाल वर्मा की मेहनत को देखते हुए अगर उन्हें रानियां हलके से उम्मीदवार बनाकर पार्टी चुनावी मैदान में उतारती है तो लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में इसका भरपूर फायदा पार्टी को मिलेगा। निश्चित रुप से रानियां हलका में जीत होगी अपितु पांचों हलकों पर इसका प्रभाव होगा। लोकसभा की तरह विधानसभा चुनाव में कांग्रेस निश्चित रुप से सिरसा जिला में विजयी होगी।

जयपुर में बेनार रोड पर पिलाया जा रहा गन्ने का जूस

अशोक कुमार (आरजे)

राजस्थान: जयपुर में बेनार रोड पर गन्ना का जूस पिला रहे हैं लोगों की कथा लगी हुई है गन्ना जूस पीने वालों की लोगों ने गन्ने का जूस का बहुत आनंद लिया इस गर्मी के मौसम में घूम घूम कर कई बार जोश शोर से जूस पिया और बताया कि कई लोग धर्म के मार्ग पर आज भी कहीं जगह है खर्च करते हैं और देखने में बहुत सुंदर लग रहा है डीजे की धुन भी चल रही है।

इसमें कई लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया है और इस कार्य का आनंद लिया है इस कार्य को सफल करने के लिए कहीं जगह से व्यवस्था बनाई है और देखने में इच्छुक लग रही है कहते हैं कि हम यह कार्यक्रम हर साल करते हैं यह बड़े धूमधाम के साथ किया जाता है और इस कार्य का बहुत जोरों से बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जाता है और इस कार्य को पूर्ण सफल बनाकर इस कार्य को संपूर्ण पूरा करते हैं।

उत्तर प्रदेश: चुनाव खत्म होते ही अहरौरा पुलिस एक्सन में, 02 गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

अनुप कुमार

उत्तर प्रदेश: जिला अहरौरा मिजार्पुर में प्राप्त जानकारी के अनुसार अहरौरा थाना प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह को मुखबीर से सुचना प्राप्त हुई की दो गांजा तस्कर थाना क्षेत्र के चुनार चौराहा के पास गाड़ी के इन्तजार में खड़े होकर कहीं जानें के फिराक में हैं मुखबीर के द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर प्रभारी निरीक्षक ने तुरंत अपनी टीम को सुचना दी सुचना प्राप्त होते ही नगर चौकी इंचार्ज मनोज राय, उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह अपने हमराह के साथ थाना क्षेत्र के चुनार चौराहा यात्री प्रतीक्षालय के पास घेरा बंदी कर 02 अंतराज्यीय गांजा तस्कर (1):- जितेंद्र उर्फ जित्तू पुत्र ओम प्रकाश 22 वर्षीय निवासी नगलान थाना नौनेर जनपद मैनपुरी (2):- विपुल रजक पुत्र रघुवर दयाल 24 वर्षीय निवासी पकरी थाना पकरी

जनपद आरा भोजपुर बिहार को गिरफ्तार किया।

गिरफ़्तार अभियुक्तों के कब्जे से 02 बोरीयों में 22 किलों 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। बरामद अवैध गांजा की कीमत लगभग ?06 लाख बताई जा रही है। उपरोक्त गिरफ्तार अभियुक्तों ने पुछताछ में बताया कि हम लोग बिहार से अवैध गांजा लेकर अहरौरा के रास्ते मिजार्पुर रेलवे स्टेशन से ट्रेन द्वारा दिल्ली ले जाना था लेकिन अहरौरा पुलिस के द्वारा पकड़ लिया गया।उक्त गिरफ्तारी व बरमदगी के संबंध में थाना अहरौरा पर मु0अ0सं0- 114/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीतकृत कर गिरफ़्तार उपरोक्त अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया।

प्रभारी निरीक्षक बृजेश सिंह ने बताया कि दोनो तस्कर पिछले कई दिनों से कई बार इसी रास्ते बस के साधन से गांजा सोनभद्र के रास्ते वाराणसी होते हुए दिल्ली और नोएडा अपने गंतव्य स्थान पर ले जाकर गांजा बेचने का कार्य करते थे और आज भी अवैध गांजा लेकर इसी रास्ते से दिल्ली बेचने के लिए जा रहे थे जिसकी जानकारी मिलने पर हमारी टीम ने थाना क्षेत्र की चुनार चौराहा पर घेराबंदी करते हुए 02 गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सिंह के दिशा निर्देश पर जनपद में मादक पदार्थ पर पूर्ण रूप से रोक थाम लगाते हुए आज अहरौरा पुलिस के द्वारा बड़ी कार्यवाही की गई।

क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों में संतुलन बनाएं, एनडीए बैठक में चंद्रबाबू नायडू ने कहा

जमील अहमद

भाजपा के प्रमुख सहयोगी टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू सुप्रीमो नीतीश कुमार ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए के नेता के रूप में समर्थन दिया और क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों में संतुलन बनाए रखने का संदेश दिया।

एनडीए संसदीय दल की बैठक में बोलते हुए, भाजपा के सहयोगी जेडीएस नेता एचडी कुमारस्वामी, शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे, एनसीपी प्रमुख अजीत पवार, एचएएम एस प्रमुख जीतन राम मांझी सहित अन्य ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा मोदी को एनडीए का नेता चुनने के प्रस्ताव का समर्थन किया।

नायडू ने कहा क्षेत्रीय आकांक्षाओं और राष्ट्रीय हितों में संतुलन बनाए रखना चाहिए और समाज के सभी वर्गों के लिए समग्र विकास सुनिश्चित करना चाहिए। नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में पीएम मोदी की रैलियों ने टीडीपी को

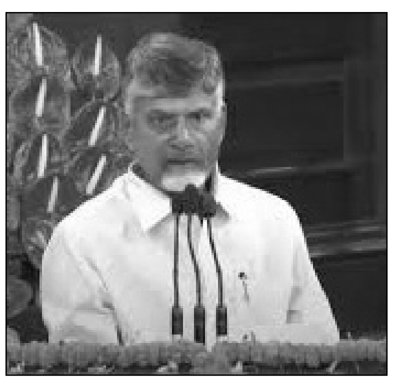

लोकसभा चुनावों में 16 सीटें जीतने में मदद की।

नायडू ने आगे कहा आज भारत को सही समय पर सही नेता मिल रहा है, वह हैं नरेंद्र मोदी। यह भारत के लिए बहुत अच्छा अवसर है। अगर आप अभी चूक गए, तो हमेशा के लिए चूक जाएंगे। इसलिए आज हमारे पास एक शानदार अवसर है।

नीतीश कुमार ने भरोसा जताया कि मोदी भारत का बड़े पैमाने पर विकास करेंगे और बिहार पर भी ध्यान देंगे। हमें पूरा भरोसा है कि मोदी भारत का विकास करेंगे और हम हर गुजरते दिन के साथ उनका समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा बिहार के सभी लंबित काम पूरे किए जाएंगे। यह बहुत अच्छी बात है कि हम सभी एक साथ आए हैं और हम सभी आपके साथ मिलकर काम करेंगे।

हम सभी आपके नेतृत्व में काम करेंगे। बिहार के मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधा और भरोसा जताया कि अगले लोकसभा चुनाव में वे हार जाएंगे। कुमार ने कहा मैंने देखा है कि कुछ लोग इधर-उधर बेकार की बातें करके लोकसभा चुनाव जीत गए हैं। उन्होंने कोई काम नहीं किया कभी देश की सेवा नहीं की। अगली बार जब आप जीतेंगे तो वे सभी हार जाएंगे।

राजस्थान: अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर शुरू तैयारियां

मनोज कुमार चोरदिया

राजस्थान: नागौर जिले के आयुर्वेद विभाग के तत्वाधान में दसवां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को 'महिला सशक्तिकरण' के लिए योग थीम पर आयोजित किया जाएगा। आयुर्वेद विभाग नागौर में उपनिदेशक डॉ. माणकचन्द गौड़ ने बताया कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के क्रम में जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर पर 5 जून, गुरुवार से पूर्व योगाभ्यास प्रातः 6 से 7 बजे तक ब्लॉक आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र पंवार एवं योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनिता बाजिया के निर्देशन में प्रशिक्षक सुमेर सिंह एवं प्रशिक्षिका खुशाली कच्छावा के द्वारा जिला स्टेडियम में प्रतिदिन करवाया जा रहा है । उन्होंने बताया कि योग दिवस के सफल आयोजन के लिए प्रतिदिन पूर्व योगाभ्यास करवाया जा रहा है जिसमें आमजन अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भागीदारी व लाभ ले सकते हैं।

गोलू बरखेड़ा/मध्य प्रदेश: भर्ती परीक्षा व नर्सिंग कॉलेज घोटाले के दोषियों को कठोर सजा देने की मांग पर किया विरोध प्रदर्शन

गोलू बरखेड़ा/मध्य प्रदेश: ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक यूथ ऑर्गनाइजेशन(अक्ऊड) राज्य कमेटी के आह्वान पर राज्यव्यापी आंदोलन के अवसर गुना इकाई के द्वारा साथ स्थानीय नगरपालिका के पास विरोध प्रदर्शन किया गया। युवा संगठन एआईडीवाईओ राज्य सचिवमण्डल सदस्य मनोज रजक ने अपने संबोधन में कहा आज पूरा मध्यप्रदेश भ्रष्टाचार का दलदल बन चुका है सरकारी नौकरियों में हो या स्कूल कॉलेज की परीक्षाओं में हो या फिर प्रोफेशनल कॉलेजो की मान्यता में हो हर जगह भ्रष्टाचार है ।

इसमें कार्यवाही के नाम पर एक दो छोटे कर्मचारियों को सस्पेंड कर दिया जाता है। ताकि देखने में लगे की सरकार कितनी कठोर है भ्रष्टाचार को लेकर, परंतु जो मूल दोषी है वह खुल्ले घूमते है। परिणाम हमारे सामने है, हमारे मध्यप्रदेश के लाखों बच्चो का भविष्य आज खतरे में है ।प्रतिवर्ष पेपर

लीक होने से छात्र आत्म हत्या कर लेते है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पैसे देकर अभ्यर्थियों को पास कराया जाता है ।

नगर अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा अभी हाल ही में नर्सिंग कॉलेजों फजीर्वाड़ा का मामला हमारे सामने है कि किस तरह सरकार की शह पर फर्जी कॉलेज खोले गए। इन कॉलेजो में ना कोई बिल्डिंग थी ना लैब ना ही कोई फैकल्टी जब इनकी जांच की गई तो यह कॉलेज पूर्णतः फर्जी निकले। यह कॉलेज किसी मंत्री या धन्ना सेठों के है।

इनकी जांच के लिए जो उइकगठित की गई थी। उनके अधिकारी भी रिश्वत लेते पकड़े गए । आज नर्सिंग के लाखो छात्रों का भविष्य सरकार के भ्रष्ट तंत्र ने खराब कर दिया है। यदि कठोर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन का संचालन नगर सचिव नीता ओझा ने किया।

आंदोलन की मुख्य मांगे-

1.सभी भ्रष्ट अधिकारी एवं तात्कालिक मंत्रियों को तत्काल गिरफ्तार कर उदाहरण मुलक सजा दी जाए।

2.जिन कॉलेजों के पास छात्रों की फीस और वास्तविक दस्तावेज है तुरंत बापिस किए जाए।

3.छात्रों के भविष्य के साथ खिलबाड़ कर रहे सभी फर्जी कॉलेजों को तुरंत बंद कर उन कॉलेजों के छात्रों को सरकारी देखरेख मै अन्य सरकारी मान्यता प्राप्त कॉलेज मै दाखिल किया जाए।

4. सरकारी सह पर नर्सिंग कॉलेजों को मुनाफा कमाने का गोरखधंधा बनाने वाले नेताओं व अफसरों पर भी कड़ी कार्यवाही की जाए।

5.सभी अपात्र नर्सिंग कॉलेजों की हाईकोर्ट की सीधी निगरानी में पुनः उच्च स्तरीय कमिटी बना कर जाँच की जाए। इस जाँच प्रक्रिया के दौरान छात्रों के नियमित पढ़ाई हो पाये उनका सत्र नियमित संचालित हो यह सुनिश्चित किया जाए।

6.जो भी परीक्षा हो वह सरकारी संस्थाओं के द्वारा ली जाए।

7..प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए एक आयोग गठित किया जाए। और सभी परीक्षाएं समय पर हो ओर सरकार अपनी संस्थाओं के। द्वारा परीक्षा कराए।

8.4 साल से नर्सिंग छात्र मानसिक रूप से प्रताड़ित हुई सभी छात्रों को मुआवजा दिया जाए।

9. सभी विभागों में पड़े रिक्त पदों को भरा जाए।

10 अखबारों से प्राप्त जानकारी के अनुसार ठएएळ परीक्षा में भी फर्जी बाड़े की आशंका है उसकी भी जांच कराई जाए।

एक नजर

उत्तराखंड: जिले में आज से दूसरा मधुमेह रोग निवारण शिवर का हुआ आरंभ

हरिश उपाध्याय/उत्तराखंड: हरिद्वार इकाई के पश्चिम जिले में कलेक्टर के श्री शिव शक्ति पार्क कमेटी सदस्य के सहयोग से आज दूसरा मधुमेह रोग निवारण शिवर का आरंभ हुआ जिसमें सभी साध को एवं संस्थान सेवा के निष्काम कार्य द्वारा सफलता पूर्ण संपन्न हुआ। योग साधना के साधकों की संख्या 110 कार्यक्रम का शुभारंभ अधिकारी एसपी मौर्य एल एल शर्मा अर्चना शशि बाला द्वारा दीपक प्रवचलित कर एवं सरस्वती वंदना प्रभा शर्मा एवं वंदन के साथियों द्वारा की गई।

इसके तत्पश्चाप आसन प्राणायाम ज्ञान वार्ता हुई प्रार्थना एवं शांति पाठ के के साथ कार्यक्रम का संचालन श्री ओपी शर्मा जी के द्वारा समापन किया गया इसमें उपस्थित वरिष्ठ समाजसेवी योग गुरु मंजू बालियां सौरभ सक्सेना अशोक धर्म सिंह प्रवेश चौहान महेश्वरी हरीश तनेजा सुशील जी द्वारा की गई वार्ता संस्थापक परिचय सुधा जैन द्वारा मधुमेह रोग पर वार्ता सुरेंद्र भट्ट द्वारा की गई अनुश्री आसन की सुंदर प्रस्तुति भी की गई योग संस्थापक का मुख्य उद्देश्य जियो और जीने दो।

उत्तर प्रदेश: भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉक्टर महेश शर्मा को प्रचंड जीत पर दी शुभकामनाएं

अमित जैन/उत्तर प्रदेश: दादरी गौतम बुध नगर के भाजपा कार्यकताओं ने डॉक्टर महेश शर्मा को प्रचंड जीत पर दी शुभकामनाएं नोएडा विधानसभा पर भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा ने 5 लाख 57 हजार 896 वोटो से जीत हासिल की इसी अवसर पर दादरी से भाजपा नगर अध्यक्ष राजीव सिंघल ने अपने सभी कार्यकताओं के साथ डॉ. महेश शर्मा को कैलाश हॉस्पिटल नोएडा में जाकर बधाई दी। राजीव सिंघल के नेतृत्व में अभिषेक कौशिक, ईश्वर वर्मा, पवन बंसल, लोकेश शर्मा, अमित जैन, सुमित बेसोया, संजय शर्मा, विनोद प्रजापति, मनोज वर्मा, जय शिव शर्मा, साबिर खान, राजपाल मेंबर, आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश: वर्षा से पूर्व नगर पालिका द्वारा आज से तीन जेसीबी के द्वारा शुरू किया नाला सफाई अभियान

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेश: जिला पोरसा में वर्षा ऋतु में हर बार शहर में कई जगह जल भराव की समस्या पैदा होती थी तथा लोग परेशान हुआ करते थे इस परेशानी से कई दिनों से परेशान रहते थे इस परेशानी को मिटाने के लिए नगर पालिका द्वारा पिछले कई दिनों से नाला सफाई अभियान शुरू किया गया था। इस नाला साफ सफाई अभियान को करने के लिए नगर पालिका के द्वारा तीन जेसीबी के द्वारा से सफाई अभियान शुरू किया गया दो जैसीबी नाले की सफाई कर रही है एक जेसीबी नाले के ऊपर रखे स्थाई अधिकरण को उठाकर फेंक रही है यह कार्य सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर के नेतृत्व में शुरू किया गया। जिसमें पुलिस बल तथा प्रशासनिक अधिकारी तहसीलदार तथा पुलिस फोर्स साथ में शैतान नगर पालिका के सब इंजीनियर संजय वर्मा बृज किशोर तिवारी संतोष सिंह तोमर माधवेंद्र सिंह तोमर कुम्हेर सिंह आदि सफाई कर्मचारी पूरी तरह से साफ सफाई कर रहे हैं।

म. प्र.: शहर के शासकीय कालेजों में पहुँचकर महिला उपनिरीक्षक ने छात्राओ से किया सवांद

द्वारका प्रसाद मेहरा/मध्य प्रदेश: इटारसी एसडीओपी महेंद्र सिंह चौहान एवं टीआई गौरव सिंह बुंदेला के कुशल मार्गदर्शन में सिटी थाने की उपनिरीक्षक श्रद्धा राजपूत शहर के गलर्स कालेज एवं एमजीएम कालेज पहुँची। उपनिरीक्षक श्रद्धा राजपूत उन्होंने महिलाओं से सबंधित अपराधों से बचाव सबंधित जानकारी देकर सतर्क रहने की बात कही । उपनिरीक्षक ने सभी कालेज में पढ़ने वाली छात्रोओ को अपना मोबाईल नंबर दिया तथा अपराध से बचाव हेतु आत्मरक्षा सबंधित प्रावधानो की भी जानकारी दिया। उन्होने बताया कि अगर कोई भी मनचला आपको परेशान करता है तो उसकी जानकारी पुलिस को दे। सुरक्षा हेतु नंबरो को स्पीड डायल पर रखे। उपनिरीक्षक श्रद्धा राजपूत आज कालेज खुलते समय एवं बंद होते समय कालेज पहुँची।

महाराष्ट्र के बागी की वापसी से कांग्रेस लोकसभा में पहुंच सकती है 100 सीटों पर

जमील अहमद

घोषित लोकसभा परिणामों में कांग्रेस ने अपने प्रदर्शन में काफी सुधार किया लेकिन शतक से चूक गई लेकिन उसने अपने सांसदों की संख्या में एक और इजाफा किया है। महाराष्ट्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतने वाले कांग्रेस के बागी विशाल पाटिल ने गुरुवार को पार्टी को समर्थन दिया।

कांग्रेस ने चुनाव में ९९ सीटें जीतीं। पार्टी के भीतर उनके लिए लड़ने वाले कांग्रेस विधायक विश्वजीत कदम ने कहा विशाल पाटिल के समर्थन से कांग्रेस की ताकत लोकसभा में 100 सीटों तक पहुंच जाएगी।

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री वसंतदादा पाटिल के पोते विशाल पाटिल ने भाजपा के संजयकाका पाटिल को हराकर सांगली सीट से लोकसभा चुनाव जीता।

महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे की व्यवस्था में सांगली संसदीय सीट शिवसेना-यूबीटी को दिए जाने के बाद उन्होंने बगावत कर दी थी और निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ा था।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा सांगली से निर्वाचित सांसद विशाल पाटिल (@pÔtil-vishÔlvp) के कांग्रेस पार्टी में समर्थन का स्वागत करते हैं।

उद्धव ठाकरे सेना गुट द्वारा सीट समझौते से पहले ही अपना उम्मीदवार घोषित करने के कदम से महाराष्ट्र विपक्षी गठबंधन में कुछ तनाव पैदा हो गया था।

कांग्रेस ने बार-बार सेना से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की थी। विशाल पाटिल और विश्वजीत कदम ने कल खड़गे और कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी से मुलाकात की और स्वतंत्र सांसद ने पार्टी को अपना समर्थन पत्र सौंपा।

नेताओं ने कहा कि अगर लोकसभा सचिवालय अपनी मंजूरी देता है, तो विशाल पाटिल को कांग्रेस का सहयोगी सांसद कहा जा सकता है और लोकसभा में पार्टी की ताकत 100 हो जाएगी।

बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीतने वाले एक अन्य नेता पप्पू यादव के भी कांग्रेस का समर्थन करने की उम्मीद है। उन्होंने चुनाव से पहले अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया था। जब बिहार विपक्षी सीट समझौते में पूर्णिया सीट आरजेडी के हिस्से में गई, तो पप्पू यादव ने निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा।

एक नजर

मध्य प्रदेश: जल संग्रह करने के लिए शुरू हुआ सूखता गडे सरोवर का गरीकरण का कार्यक्रम पंचायत कीचौल में

अजय सिंह तोमर/मध्य प्रदेश: जिला पोरसा में शासन के द्वारा चलाई गई नवीन गंगे कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत कीचौल मैं पानी को संग्रह करने के लिए तालाब गहरीकरण तथा सूखता गडा खोदने का कार्यक्रम शुरू किया जा चुका है लोगों में पानी का दुरुपयोग ना करें इसका प्रचार प्रसार पंचायत के सरपंच और सेक्रेटरी तथा सहायक सेक्रेटरी द्वारा किया जा रहा है क्योंकि आज धरती का जलस्तर काफी नीचे जा चुका है जिससे भविष्य में जल संगठन का खतरा सामने आने की संभावना ज्यादा है। इस बात को ध्यान में रखकर पंचायत के सरपंच सचिव सहायक सचिव तथा समाजसेवी लोग नमामि गंगे कार्यक्रम में बाढ़ चलकर भाग ले लेंगे ग्राम वासियों को सग व सतर्क करते जा रहे हैं तथा जल संग्रह की फायदा से अवगत करा रहे हैं। नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायत कीचौल मैं तालाब का कार्यक्रम आंडिरनेटर एसबीएस सुमन लता सरपंच मनीषा जाटव राजकुमार जाटव उप यंत्री अवधेश शर्मा सचिव हनुमनद भदोरिया सहायक सचिव अमित सिंह तोमर ग्रामीण तालाब का कार्य जन सहयोग से एवं पंचायत के द्वारा कराया जाएगा जिसमें ग्रामीणों का एवं पशुओं को पीने का पानी पर्याप्त मात्रा में मिलेगा साथी तालाब की बाउंड्री कराकर वृक्षारोपण भी कराया जाएगा इस बात की घोषणा सरपंच के द्वारा की गई है।

हरियाणा: करसोला में पशुपालन व केंचुवा खाद संबधित दस दिन तक हुआ शिविर का आयोजन

अजीत सिंह/हरियाणा: जुलाना जींद क्षेत्र के गांव करसोला में स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा चंद्रशेखर आजाद युवा क्लब के सहयोग से गांव में दस दिवसीय डेयरी फार्मिंग व केंचुवा खाद प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें 35 बेरोजगार युवाओं ने आवेदन किया। यह प्रशिक्षण दस दिन तक नियमित चलेगा। बैच कोऑर्डिनेटर रोहित कुमार ने बताया की यह कार्यक्रम स्वरोजगार शुरू करने के लिए कराया जा रहा है। इस प्रशिक्षण से प्रतिभागी अपना खुद का रोजगार शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया की इससे प्रशिक्षण लेकर हम अपने पशुपालन व्यवसाय को भी बेहतर बना सकते हैं। आगे उन्होनें बताया की प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को इससे बहुत फायदा होगा। वे बैंक से सहायता लेकर अपना स्वयं का रोजगार शुरू कर सकते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गांव के सरपंच महेंद्र सिंह लाठर ने कहा की किसनों को आधुनिक बनाने के लिए यह प्रशिक्षण जरूरी है। केंद्र सरकार व राज्य सरकारों द्वारा ऐसे बहुत सी योजनाएं चलाई जाती है।

राजस्थान: श्री शनि महाराज आली के श्रद्धा पात्रों से 19 लाख 76 हजार 402 रुपए की भेंट राशि निकली

गजेन्द्र सिंह/राजस्थान: कपासन मेवाड़ के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल शनि धाम श्री शनिमहाराज आली के मासिक भण्डार से 19 लाख 76 हजार 402 रुपए की भेंट राशि निकलीं सिक्कों की गिनती बाकी है तीर्थ स्थल शनि धाम श्री शनिमहाराज आली में महिने में एक बार अमावस्या से पहले चतुर्दशी पर भण्डार खोलें जातें हैं।

तीर्थ स्थल प्रबंध कार्यकारिणी कमेटी के सचिव कालू सिंह ने बताया कि तीर्थ स्थल के मासिक भण्डार से बुधवार सुबह कमेटी के अध्यक्ष छगन लाल गुर्जर संरक्षक नरेंद्र पाल सिंह उपाध्यक्ष सत्यनारायण जाट गोपाल कृष्णा शर्मा आदि की मौजूदगी में खोलें गए जिनमें मुख्य मंदिर नवग्रह मंदिर तेल कुंड भण्डार खोलकर भेंट राशि निकाली गई।

इस अवसर पर कमेटी सदस्य मौजूद रहे सदस्य मदन सिंह संजय शर्मा रतन सुथार भेरूलाल गाडरी भगवान लाल गाडरी कालू कीर मांगी लाल कीर देवी सिंह चारण नारायण लोंदा गोर्धन सिंह नारायण सिंह किशन सिंह नरेंद्र विजयवर्गीय गणेश जाट का आदि का सहयोग रहा।

हरियाणा: आईटीआई सतनाली प्रांगण में किया युवाओं ने पौधरोपण

सतीश

हरियाणा: सतनाली आईटीआई के प्रांगण को हरा भरा बनाने के उद्देश्य से अध्यनरत छात्रों ने जून महीने में ही मिशन हरा भरा पर्यावरण का शुभारम्भ कर दिया है। ट्रेनर प्रवीण कुमार ने बताया की छात्र सतीश, कमल, हरिओम ने प्रांगण में पापड़ी, पीपल, नीम, सहतूत आदि के दर्जन भर से अधिक पौधे लगाकर समाज को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है।

उन्होंने बताया की छात्र अध्यन के साथ पर्यावरण संरक्षण गतिविधियो में लगे रहते है। छात्र कमल हरिओम सतीश ने बताया की हम पौधरोपण के साथ साथ दिनचर्या में पर्यावरण हितेषी कार्यों में लीन रहते हैं और आस पास भी लोगो को जागरूक करते हैं। टीम एक छोटी सी पहल सतनाली सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओ ने छात्रों के कार्यो की खुले शब्दों में प्रशंसा की।

उत्तरप्रदेश: जिला सोनभद्र में गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या से जूझ रहे लोग

आनंद कुमार

उत्तरप्रदेश: जिला सोनभद्र में गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या से जूझ रहे नगरवासियों को भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार ने निजात दिलाने के लिए करीब 48 करोड़ की वृहद योजना तैयार कराई है। इसके लिए शासन के निर्देश पर शुक्रवार को सोनभद्र जिले के दुद्धी पहुंचे जल निगम के अधिकारियों ने नगर पंचायत बोर्ड एवं संभ्रांतजनों संग बैठक कर,योजना पर चर्चा की और परियोजना की विस्तृत जानकारी दी। बतादें कि लगभग 30 हजार की आबादी वाले नगर पंचायत दुद्धी पेयजल की समस्या से वर्षों से जूझ रहा है।खासकर गर्मी के दिनों में समस्या और ज्यादा गंभीर हो जाती है।

नवागत चेयरमैन कमलेश मोहन की नई कार्यकारिणी ने शपथ के बाद ही मई व जून माह में पानी की उत्पन्न विकट समस्या को देखकर,चेयरमैन ने तत्काल शासन को पत्र लिखा था। जिसका संज्ञान लेते हुए सरकार ने अमृत 2.0 योजना के तहत पेयजल प्रोजेक्ट को हरी झंडी देते हुए, जल निगम को विस्तृत परियोजना तैयार करने के निर्देश दिए थे।

अब स्थायी समाधान के लिए 48 करोड़ रुपए की लागत वाली योजना से जल निगम नगरीय द्वारा कनहर नदी से पानी लिफ्टिंग कर, शुद्ध पेयजल की समस्या का स्थाई समाधान निकालने की कवायद तेजकर दी है` जिसका सर्वे का काम पूरा कर शासन को भेजी जा चुकी है,अब अंतिम मुहर लगना शेष है। बैठक में शामिल प्रबुद्धजनों ने आबादी और पेयजलापूर्ति के सम्बंध में कई आवश्यक सुझाव भी दिये।

'हर घर स्वच्छ जल' मिशन का लाभ अब दुद्धी नगरवासियों को भी मिल सकेगा ' वहीं पेयजल की समस्या का स्थाई समाधान नगरवासियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। बैठक में जल निगम की ओर से अधिशासी अभियंता संजय कुमार,एई आर के पटेल,जेई आशीष यादव उपस्थित रहे। इसके अलावा चेयरमैन कमलेश मोहन,ईओ ऋचा यादव सहित सभासद तथा नगर के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

गुजरात: राज्य में मानाया गया श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस

गणेष राजाराम गुर्जर

गुजरात: हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक, हिंदू हृदय सम्राट श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की पूर्ण आकार की घुड़सवारी प्रतिमा का व्यारा में एक भव्य अनावरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के आदिवासी मंत्री कुँवरजीभाई हलपति, लिम्बायत विधायक संगीता पाटिल, छोटूभाई पाटिल सहित गणमान्य लोग उपस्थित थे।

6 जून को श्री छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक दिवस माना जाता है और संपूर्ण हिंदू समाज इसे हिंदू साम्राज्य दिवस के रूप में भी मनाता है। इस दिन, हिंदू की मांग को ध्यान में रखते हुए व्यारा नगर में श्री छत्रपति शिवाजी जयंती महोत्सव का आयोजन किया गया। कस्बे में श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की विशाल अश्वारूढ़ प्रतिमा स्थापित की गई जिसका भव्य अनावरण कार्यक्रम शहर की दत्तकृपा सोसायटी में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में गुजरात सरकार के मंत्री कुँवरजीभाई हलपति, लिंबायत विधायक संगीता पाटिल, सूरत की सामाजिक नेता, सूरत शिवाजी महाराज स्मारक समिति के अध्यक्ष छोटूभाई पाटिल, निजार विधायक डॉ. जयराम गमीत, व्यारा विधायक मोहन कोंकणी जिला भाजपा अध्यक्ष, जिला संगठन प्रभारी सहित गणमान्य लोग, विभिन्न समाजों के नेता और हजारों लोग एक सार्वजनिक बैठक में शामिल हुए और शिवाजी महाराज के भव्य प्रतीक का भव्य अनावरण किया गया।

हरिद्वार ऋषिकुल मैदान में चल रहे पंजीकरण चार

हरिश उपाध्याय

उत्तराखंड: हरिद्वार चार धाम यात्रा के पंजीकरण हेतु चार धाम यात्रा में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए 5000 यात्रियों का भोजन की व्यवस्था मनसा देवी मंदिर के ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी जी महाराज द्वारा भोजन तथा पानी की व्यवस्था की गई। 1 तारीख से लेकर चारों धाम यात्रा के खुले पंजीकरण में पहले उत्तराखंड सरकार द्वारा 1500 लोगों का पंजीकरण किया तथा दिन पर दिन बढ़ते हुए आज 5 दिनांक 5 6.2024 को 5000 यात्रियों का पंजीकरण बढ़ाया, जिसमें

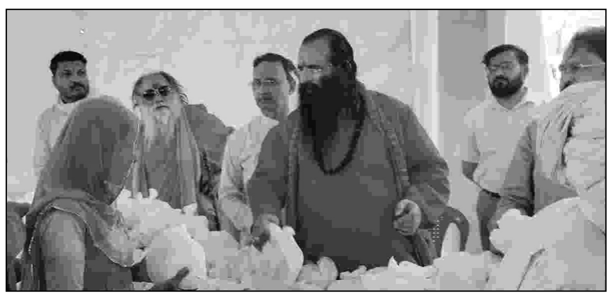

ऋषिकुल मैदान में भारी संख्या में सदस्य दलों ने पंजीकरण कराते हुए इस व्यवस्था को देखते हुए 5000 भक्तों का भोजन की व्यवस्था रवींद्र पुरी महाराज के द्वारा की गई थी तब तक चारों धाम की यात्रा निरंतर चलती रहेगी। इस प्रकार से आने वाले श्रद्धालु भक्तों की भोजन की व्यवस्था के निरंजनी अखाड़े के सचिव तथा मनसा देवी ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री श्री रवींद्र पुरी महाराज द्वारा भोजन की व्यवस्था निरंतर चलती रहेगी ठीक है।

राजस्थान: सीएमएचओ ने किया चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण थमाया नोटिस

प्रमोद कुमार बंसल

राजस्थान: सीएमएचओ द्वारा चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण किया गया डीएनओ रविकांत जांगिड़ ने बताया कि लू-तापघात एवं मौसम बीमारियों की व्यवस्था को देखते हुए डॉ.आशीष सिंह शेखावत सीएमएचओ कोटपूतली बहरोड ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भाकरी एवं उप स्वास्थ्य केंद्र मंडा का निरीक्षण किया जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भांकरी बंद पाई गई।

तथा मंडा स्वास्थ्य केंद्र पर महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता अनुपस्थित पाई गई जिसको सीएमएचओ ने गंभीरता से लेकर कारण बताओं नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने हेतु कहा गया है। साथ ही बीसीएमओ विराटनगर को भी क्षेत्र में मॉनिटरिंग करने हेतु निर्देशित किया। सीएमएचओ द्वारा बताया गया है कि वर्तमान समय में लू-तापघात एवं मौसमी बीमारियों को देखते हुए सभी चिकित्सा संस्थानों पर मुख्यालय के पर रहने एवं समस्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है।

सोशल मीडिया पर 'ड्रीम गर्ल' से प्रेरित ठगी करने के आरोप में भोपाल का एक व्यक्ति हुआ गिरफ्तार

जमील अहमद

आयुष्मान खुराना अभिनीत 'ड्रीम गर्ल' की कहानी से मिलते-जुलते एक मामले में, भोपाल में एक 22 वर्षीय व्यक्ति को ऑनलाइन महिला बनकर कई लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। आशु मेहरा उर्फ ??अजय या छोटू मेहरा ने कथित तौर पर अपनी आवाज को महिला की आवाज की तरह बदलकर अपने शिकार को पैसे ऐंठने के लिए बहकाया।

अजय को तब पकड़ा गया जब उसके एक शिकार अमन नामदेव ने मंगलवार, 4 जून को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। नामदेव ने पुलिस को बताया कि उसने इंस्टाग्राम पर शिवानी रघुवंशी नाम की एक महिला से दोस्ती की थी।

हालाँकि वे कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं मिले थे, लेकिन शिवानी ने नामदेव पर उससे शादी करने का दबाव बनाया था। शिकायत के अनुसार, जब उसने इनकार किया।

तो उसने आत्महत्या करने की धमकी दी। कुछ ही समय बाद, आशु मेहरा नामक एक व्यक्ति, जो शिवानी का "गुरु भाई" होने का दावा करता था, नामदेव के पास यह खबर लेकर पहुंचा कि शिवानी ने आत्महत्या का प्रयास किया है और उसे इलाज के लिए पैसे की जरूरत है। नामदेव ने पुलिस को बताया कि डर के कारण उसने आशु को ? 70,000 ट्रांसफर कर दिए।

शिकायत की जांच करने पर, पुलिस को पता चला कि घोटाले के पीछे आशु मेहरा का हाथ था। उसने कथित तौर पर कबूल किया कि वह 'ड्रीम गर्ल' फिल्म से प्रेरित था, जिसमें नायक ने एक महिला की आवाज में बात करके नौकरी हासिल की थी। आशु ने कथित तौर पर फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर महिला नामों से कई फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल बनाए। इन प्रोफाइल का उपयोग करके, वह पुरुषों से बातचीत शुरू करता था, अंततः उन पर दबाव डालता था और आत्महत्या के प्रयास जैसी आपात स्थितियों का बहाना बनाकर पैसे ऐंठता था।

आशु ने कथित तौर पर दर्जनों पीड़ितों से संपर्क किया और एक अच्छी रकम इकट्ठी की जिसका इस्तेमाल उसने खुद की खातिर किया। पुलिस आशु के संचालन की पूरी जांच कर रही है और ऐसे और संभावित पीड़ितों की पहचान कर रही है जिन्हें ठगा गया हो सकता है।

यह मामला एक बार फिर सोशल मीडिया घोटालों के खतरों और उपयोगकर्ताओं को वित्तीय लाभ के लिए आसानी से शोषण किए जाने की बात को उजागर करता है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि लोगों को वित्तीय लेन-देन करने से पहले सावधानी बरतनी चाहिए और ऑनलाइन परिचितों की प्रामाणिकता की पुष्टि करनी चाहिए।

राजस्थान: अलवर कठूमर के ग्राम पंचायत रेटा मे मेधावी विद्यार्थियों का आयोजित हुआ स्वागत सम्मान समारोह

बलदेव

राजस्थान: अलवर जिले के कठूमर के न्यु मॉर्डन पब्लिक स्कूल में क्षेत्र के सभी टॉपर विधार्थियों का सम्मान समारोह एवम उत्साहवर्धन किया गया,विधालय प्रबंधक गुलाब सिंह देशवाल एवम सभी स्टाफ के साथ बच्चो के परिजनों से मिले और सभी विधार्थियों को साफा पहनाकर एवम मिठाई खिलाकर हौसला बढ़ाया,गांव रेटा। से टीना पुत्री गजेंद्र सिंह ने दसवी कक्षा में 92 प्रतिशत, साहिल पुत्र धीरज कुमार ,90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए,हेमंत चौधरी पुत्र प्रेमचंद 12वी विज्ञान वर्ग, में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

इसके अलावा गांव दुधेरी से शिवानी पुत्री सुरेंद्र जाट,ने दसवी कक्षा में 91 प्रतिशत अंक,और अर्णव पुत्र अर्जुन सिंह ने 94 प्रतिशत अंक विज्ञान वर्ग 12वी कक्षा में प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया,इस अवसर पर सभी गणमान्य लोगो ने बच्चो को आशीर्वाद दिया,एवम महिलाओं ने डीजे पर नृत्य कर प्रसन्नता व्यक्त करी ,विधालय प्रबंधक गुलाब सिंह देशवाल , एवम कृष्णा देशवाल, बनवारी लाल जाटव, नवल सिंह, राजवीर, भूपेंद्र शर्मा के शिक्षा पाठ्यक्रम की सभी क्षेत्र वासियों ने सराहना की।

संपादकीय

गठबंधन सहारे मोदी सरकार

नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। भाजपा न केवल लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, बल्कि 291 सांसदों वाले एनडीए का सदन में स्पष्ट बहुमत भी है। बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। नियम और परंपरा के मुताबिक, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सबसे पहले भाजपा-एनडीए के नेता मोदी को, सरकार बनाने के लिए, आमंत्रित करेंगी। भाजपा और मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने को तैयार हैं। यह भाजपा मुख्यालय में कार्यकताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने घोषित भी किया है, लेकिन इस बार मोदी एक 'मिथक' और निरंकुश भाव से काम करने वाले नेता साबित नहीं हो सकेंगे। चूंकि जनादेश कमजोर और गठबंधन का है, लिहाजा इस बार तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जनता दल-यू सरीखे सहयोगियों की सलाह और पूछ भी अनिवार्य होगी। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकारों और भाजपा की वाजपेयी सरकार के दौरान संयोजक और सहयोगी रह चुके हैं। वह बार-बार सरकारों को बाध्य करते थे और अपनी मांगें मनवाने की जिद करते थे। अंततः उन्होंने एनडीए छोड़ने का फैसला किया, नतीजतन सरकार कमजोर हुई। बेशक उस दौर की तुलना में अब भाजपा सांसदों की संख्या काफी है, लेकिन स्पष्ट बहुमत से 30 सांसद कम हैं। लिहाजा सहयोगी दलों के समर्थन के बिना मोदी सरकार भी अस्थिर रहेगी।

यह जनादेश 2014 और 2019 से बिल्कुल भिन्न है। प्रधानमंत्री मोदी 10 साला कार्यकाल के दौरान लगभग निरंकुश होकर फैसले लेते रहे। प्रधानमंत्री दफ्तर भी उसी तर्ज पर काम करता रहा। अब यह गठबंधन की सरकार होगी, लिहाजा प्रधानमंत्री को समान नागरिक संहिता, एक देश एक चुनाव, कुछ आर्थिक सुधार, एनसीआर सरीखे मुद्दों पर फिलहाल विराम लगाना पड़ेगा अथवा टीडीपी और जद-यू की सहमति सरकार के लिए बाध्यकारी होगी। इस बार विपक्ष भी ताकतवर होगा। उनका नेता प्रतिपक्ष भी होगा, लिहाजा मुद्दों और विधेयकों पर विपक्ष की सहमति को भी टाला नहीं जा सकेगा। इस बार मोदी सरकार के लिए कोई भी संविधान संशोधन बिल पारित कराना आसान नहीं होगा, क्योंकि बहुमत नहीं है। कांग्रेस के 99 और सपा के 37 सांसद चुनकर लोकसभा में आ रहे हैं। 'इंडिया' की कुल ताकत पर्याप्त है। पीएमओ पर भी गठबंधन के सहयोगियों की 'निगाह' बराबर बनी रहेगी। फिलहाल नायडू और नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर समर्थन और गठबंधन की गारंटी दी है, लेकिन उन दोनों के अतीत का इतिहास संदिग्ध रहा है। उससे उन्होंने सबक भी सीखा होगा! दोनों दल लोकसभा में स्पीकर का पद चाहते हैं। वाजपेयी सरकार के दौरान टीडीपी के बालयोगी स्पीकर होते थे। बहरहाल अभी तो मोदी सरकार को शपथ ग्रहण करनी है। इस बार 23.43 करोड़ मतदाताओं ने मोदी के नेतृत्व को वोट दिए हैं।

> वाराणसी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय ने कहा कि सत्ता बल की धौंस और भारी धन बल के निवेश के मुकाबले काशी की महान जनता ने विपुल जन समर्थन का जितना आशीर्वाद मुझे दिया है। वह सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी नैतिक जीत है। बाबा विश्वनाथ की कृपा और शिवस्वरूप काशीवासियों से मिले इस प्रेम का मैं जीवन की अंतिम सांस तक ऋणी रहूंगा और मेरा जीवन काशी की सेवा को सतत समर्पित रहेगा।

मोदी के अहंकार का प्रतिफल है इंडिया की जीत!

-डॉ श्रीगोपाल नारसन-

भाजपा के नेतृत्व में एनडीए गठबंधन को पूर्ण बहुमत तो हासिल हो गया है। लेकिन जिस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चेहरे को आगे करके इस चुनाव में एनडीए गठबंधन को 272 के पूर्ण बहुमत से कुछ अधिक सीटें आई हैं। वही विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन को पिछले दो आम चुनावों के मुकाबले अच्छी खासी बढ़त हासिल हुई है। इस चुनाव पर दुनिया भर के देशों की नजर थी क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में और बड़े बहुमत से लौटने की उम्मीद कर रहे थे। लेकिन कम सीटे आने और भाजपा के बहुमत से दूर रह जाने के कारण अब बीजेपी को अपने घटक दलों पर निर्भर रहना पड़ेगा। ऐसे में सवाल यह उठता है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निर्णायक तरीके से राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय नीतियों का निर्धारण क्या अब भी कर पाएंगे। इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की जोड़ी ने भाजपा की उम्मीदों से कही ज्यादा सीटें लाकर भाजपा को हैरान कर दिया है। उत्तर प्रदेश की सबसे हॉट सीट वाराणसी में कांग्रेस नेता अजय राय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जीत मुश्किल कर दी थी। बीजेपी वाराणसी में पहले ऐतिहासिक जीत दर्ज करने का दावा कर रही थी। हालांकि वह चुनाव जीत भी गई लेकिन जीत का मार्जिन 2019 के मुकाबले काफी कम हो गया है। जिस सीट पर भाजपा ने ऐतिहासिक वोटों से जीत दर्ज करने का एक लक्ष्य रखा था, उसे कहीं न कहीं इंडिया गठबंधन ने ध्वस्त कर दिया है। वाराणसी से कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय चुनाव हार गए हैं, लेकिन उन्होंने दो बार के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कड़ी टक्कर दी है। मोदी ने सिर्फ डेढ़ लाख वोट से जीत दर्ज की है। 2014 और 2019 लोकसभा चुनाव में वाराणसी सीट से एक तरफ जीत दर्ज करने वाले बीजेपी उम्मीदवार नरेंद्र मोदी को 6 लाख 12 हजार 970 वोट मिले हैं। वहीं कांग्रेस कैंडिडेट अजय राय को 4 लाख 60 हजार 457 वोट मिले हैं। इंडिया गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार अजय राय वोटिंग शुरू होने के बाद काफी देर तक बीजेपी प्रत्याशी नरेंद्र मोदी से आगे चल रहे थे। काउंटिंग शुरू होने के करीब 2 घंटे तक अजय राय बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन उसके बाद नरेंद्र मोदी ने बढ़त बनाई और बढ़त को बरकरार रखा। अजय राय मौजूदा समय में उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष है। जब से अजय राय प्रदेश अध्यक्ष बने हैं, तब से यूपी कांग्रेस में जान आ गई है। यही वजह है कि कांग्रेस ने न केवल वाराणसी में पीएम मोदी को कड़ी टक्कर दी है। वाराणसी सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय ने कहा कि सत्ता बल की धौंस और भारी धन बल के निवेश के मुकाबले काशी की महान जनता ने विपुल जन समर्थन का जितना आशीर्वाद मुझे दिया है। वह सत्ता के शीर्ष दुर्ग के खिलाफ मेरी नैतिक जीत है। बाबा विश्वनाथ की कृपा और शिवस्वरूप काशीवासियों से मिले इस प्रेम का मैं जीवन की अंतिम सांस तक ऋणी रहूंगा और मेरा जीवन काशी की सेवा को सतत समर्पित रहेगा। अजय राय ने कहा कि काशी ने मुझे जिस तरह दस लाख पार के दंभी नारे को औंधे मुंह कर भारी जनसमर्थन दिया है। वह मेरी हार में भी जीत है। अजय राय ने कहा कि मैं और इंडिया गठबंधन के हमारे साथी इस लोकतांत्रिक युद्ध में निहत्थे पैदल थे। दूसरी ओर सत्ता की चकाचौंध और संसाधनों का सैलाब था। मंत्रियों से लेकर राज्यपाल तक की फौज मेरे खिलाफ काशी में घर-घर घूम रही थी। धन एवं सत्ता शक्ति के जबर्दस्त निवेश के बावजूद संकीर्ण जीत पाने में शीर्ष सत्ता नायक के दांत काशी की जनता ने खट्टे कर दिए। इंडिया गठबंधन के जांबाज कार्यकर्ता साथियों के साथ वाराणसी की जनता ने मेरा चुनाव खुद को ही अजय राय मानकर लड़ा। उन्होंने कहा कि जनता के इस विश्वास का मैं ऋणी हूं और हर सुख दुख में उनके साथ खड़ा रहूंगा। अजय राय ने आगे कहा है कि हम मां गंगा की संतान हैं और इस चुनाव में मां गंगा का संकेत साफ है कि काशी के सम्मान और हितों के विरुद्ध राजनीति काशी को गंवारा नहीं है। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा, यह मोदी की नैतिक हार है, जो हर जगह अपने नाम से वोट मांगते थे, हमने प्रतिकूल माहौल में चुनाव लड़ा है, हमारे बैंक खाते सील कर दिए गए थे, नेताओं को जेल में डाला गया था, शुरू से आखिर तक कांग्रेस पार्टी का कैंपेन सकारात्मक था। हमने महंगाई, रोजगार जैसे मुद्दों पर चुनाव लड़ा। खडगे ने कहा, प्रधानमंत्री ने जिस तरह से कैंपेन किया, वह लंबे समय तक याद किया जाएगा। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और न्याय यात्रा सफल रही। प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव प्रचार के दौरान जनता के बीच झूठ फैलाया है। खडगे ने कहा, भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश की है, साथ ही लोगों को धमकाया, नहीं माने तो जेल में डाला और पार्टी भी तोड़ दी। लोगों को पता चल गया था कि अगर मोदी को बहुमत मिला, तो उसका दुरुपयोग होगा। मुझे खुशी है कि भाजपा अब इस षड्यंत्र में सफल नहीं हो पाएगी। खडगे ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और सोनिया गांधी समेत देश के करोड़ों कार्यकताओं, इंडिया गठबंधन के सभी साथियों और समर्थकों का शुक्रिया अदा किया है।

खडगे ने कहा, अभी हमारी लड़ाई अंजाम तक नहीं पहुंची है, अभी हमें लोगों के लिए, संविधान की सुरक्षा और विपक्ष के मुद्दों के लिए लड़ते रहना होगा। राहुल गांधी ने कहा, यह लड़ाई संविधान को बचाने की थी। जब इन्होंने बैंक अकाउंट सीज किए, पार्टियां तोड़ीं, तब मेरे माइंड में था कि हिंदुस्तान की जनता एकजुट होकर लड़ जाएगी। संविधान को बचाने का पहला और सबसे बड़ा कदम हमने लिया है। आप बता दे कि लोकसभा चुनाव में इस बार 64.2 करोड़ लोगों ने वोट किया है। ये अब तक दुनिया के किसी भी देश में होने वाला सबसे अधिक मतदान है। इस चुनाव में 31 करोड़ महिला और 33 करोड़ पुरुषों ने मतदान किया है। लोकसभा चुनाव कराने में करीब चार लाख वाहन, 135 विशेष रेलगाड़ियां और 1, 692 हवाई उड़ानों का इस्तेमाल किया गया है। दुनिया की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रिया में 68 हजार से अधिक निगरानी दल व डेढ़ करोड़ मतदान और सुरक्षाकर्मी शामिल रहे है। फिलहाल एन डी ए व इंडिया दोनो ही गठबंधन अपनी अपनी बैठके करके भविष्य की रणनीति तैयार कर रहे है। सरकार किसकी बनेगी यह तो अभी तय नही है लेकिन इतना अवश्य है कि लोगो ने मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा नही किया है, तभी तो अबकी बार चार सौ पार का नारा ध्वस्त हो गया और भाजपा अपने गठबंधन दलों के भरोसे चलने पर मजबूर हो गई। (लेखक राजनीतिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

गठबंधन बनाम क्षेत्रीय दलों की राजनीति में उभार

-प्रमोद भार्गव-

जिस तरह से षक्ति और सत्ता राजनीति के आधारभूत सिद्धांत माने जाते हैं, उसी तरह राजनीति से यह मान्यता भी जुड़ी है कि राजनीति में वही आगे बढ़ते हैं, जो अवसर का लाभ उठाकर उसे भुनाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित षाह की जोड़ी के लिए गठबंध की राजनीति के बीते दस साल में लगभग यही पर्याय रहे हैं।

बीते सालों में महाराश्ट्र और हरियाणा में भाजपा-षिवसेना, अकाली दल और इनेलो से दषकों से चले आ रहे गठबंधनों का टूटना इन्हीं आषयों के परिणाम थे। लेकिन अब आए चुनाव परिणामों ने अकेली भाजपा को 240 सीटों पर सिमटा दिया। भाजपा स्पष्ट बहुमत से 32 सीटें पीछें रह गई। हालांकि उसके नेतृत्व वाले राजग गठबंधन के पास 291 सीटें हैं। अतएव राजग बहुमत में है। लेकिन भाजपा खुद 272 सीटें लाई होती तो उसकी पूर्व की तरह ठसक बनी रहेती। बावजूद नरेंद्र मोदी नेहरू के बाद ऐसे अकेले प्रधानमंत्री हैं, जिन्हें मतदाता ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने रहने का जनादेश दिया है।

यह करिष्मा 62 साल बाद हुआ है। लेकिन अब पेंडुलम की तरह लटकी भाजपा को 16 सीटें जीतने वाले चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टीडीपी और 16 सीटें जीतने वाली नीतीष कुमार की जदयू से पूरे पांच साल वैसाखियों का सहारा लेना पड़ेगा। ये दोनों दल किंगमेकर की भूमिका में आ गए है। इन और अन्य सहयोगी दलों के साथ भाजपा तीसरी बार केंद्र में सत्तारूढ़ होने जा रही है।

षक्ति अर्थ की हो या राजनीतिक सत्ता की, जब वह उम्मीद से ज्यादा हाथ लग जाती है तो महत्वाकांक्षाएं बेलगाम होने लगती हैं। लिहाजा 2014 और 2019 की अप्रत्याषित जीत के बाद भाजपा की जहां महत्वाकांक्षा बढ़ी, वहीं आत्मविष्वास प्रबल हुआ। नतीजतन नरेंद्र-अमित की युगल जोड़ी ने भाजपा को गठबंधन से मुक्ति के पंखों पर सवार कर दिया था। भाजपा चाहने लगी थी कि यदि राजनीतिक पहुंच वाले राज्य में उसकी अकेले दल के रूप में पकड़ मजबूत होगी तो वह कालांतर में गठबंधन की लाचारी से मुक्त होती चली जाएगी।

इसी धारणा के चलते उसने अपने सबसे पुराने सहयोगी षिवसेना और अकाली दल से नाता तोड़ लिया था। दरअसल भाजपा की जो राजनीति, संस्कृति और कार्यषैली है, कमोवेष वही षिवसेना की है। दोनों उग्र हिंदुत्व और राश्ट्रीय सांस्कृतिक एकात्मवाद के अनुयायी हैं।

लेकिन भाजपा गठबंधन में सहयोगी रहे जिस राज्य में भाजपा को सबसे बड़ा झटका लगा है, उसमें महाराश्ट्र प्रमुख है। 2014 और 2019 में महाराश्ट्र की 48 सीटों में से भाजपा-षिवसेना को 41 सीटें मिली थीं। 2019 के विधानसभा चुनाव में स्पश्ट बहुमत के बावजूद मुख्यमंत्री पद को लेकर दोनों दलों में बिगड़ गई। इसी के साथ राज्य की राजनीति में बदलाव आ गया। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कांग्रेस-एनसीपी के साथ मिकर सरकार बनाई तो भाजपा ने षिवसेना में विभाजन कर सरकार गिरा दी और एकनाथ षिंदे को मुख्यमंत्री बनवा दिया। यही नहीं एकनाथ षिंदे की ही षिवसेना को असली होने का दर्जा मिल गया। साथ ही षरद पवार की एनसीपी के भी दो टुकड़े कर दिए। भतीजे अजीत पवार ने चाचा की पार्टी छीन ली। हालांकि यह कदम उल्टा पड़ा।

उद्धव और षरद पवार ने मराठी अस्मिता को मुद्दा बनाया और मतदाता की सहानुभूती बटोरने में सफल रहे। अब यहां सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतकर कांग्रेस बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। षिवसेना-उद्धव को 9, एनसीपी-षरद को 7 सीटें मिली हैं। भाजपा को दस सीटों पर संतोश करना पड़ा है। चूंकि इस चुनाव में अजीत पवार को मात्र एक सीट मिली है। इससे उनकी नेतृत्व क्षमता पर प्रश्न चिन्ह लग गया है। महाराष्ट्र में इसी साल अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में लोकसभा चुनाव के इन नतीजों का असर विधानसभा चुनाव पर भी दिखाई दे सकता है? अतएव महाराश्ट्र में अब कांग्रेस, एनसीपी-षरद और षिवसेना उद्धव के एक साथ आने से महाविकास अघाड़ी की ताकत बढ़ गई है, जो भाजपा को महंगी पड़ सकती है।

आंध्र प्रदेष में भाजपा के सहयोगी तेलगु देषम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने 16 सीटों पर जीत हासिल की है। आंध्र प्रदेष में हुए विधानसभा चुनाव में भी नायडू को सरकार बनाने के लिए स्पश्ट बहुमत मिल गया है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार का कौन जिम्मेदार?

-प्रभुनाथ शुक्ल-

देश का आम चुनाव परिवर्तन की राजनीति का संदेश है। इस चुनाव को जनता ने अपने मुद्दों के साथ लड़ा है। वह धर्म की राजनीति करने वाली भाजपा जैसी पार्टी को नया संदेश दिया है। सरकार कोई भी बनाए या सत्ता किसी के हाथ में हो, लेकिन अब आम लोगों के हित की बात होनी चाहिए। जनता ने धर्म और जाति के खिलाफ जनादेश दिया है। देश की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी बहुमत का आंकड़ा अकेले बल पर नहीं छू पाई। मोदी की करिश्माई राजनीति का जादू अब खत्म होता दिख रहा है। वाराणसी में साल 2014 और 2019 में जीत के अंतराल का जो गणित था वह इस बार कायम नहीं रहा। राहुल गाँधी उनसे अधिक मतों से जीत हासिल किया। वाराणसी से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव भले जीत गए, लेकिन यह जीत इतनी बेहतर और शानदार नहीं कहीं जा सकती। नैतिक रूप से इण्डिया गठबंधन के उम्मीदवार अजय राय मोदी के सामने हारकर भी जीते हैं।

हिंदुत्व की उग्र राजनीति का उत्तर प्रदेश से सफाया हो गया है। दो लड़कों की जोड़ी ने यहाँ कमाल कर दिखाया है। भाजपा को उत्तर प्रदेश से सबसे बड़ी उम्मीद थी, लेकिन राहुल गाँधी और अखिलेश यादव ने उस उम्मीद को तोड़ दिया है। इस जोड़ी ने जो काम साल 2019 में नहीं कर पायी उसे 2024 में अंजाम तक पहुंचा दिया। मोदी और योगी का जादू नहीं चल पाया है। यहाँ की जनता ने हिंदुत्व की राजनीति को सिरे से नकार दिया है यह अपने आप में यह बड़ा संदेश है। संविधान, आरक्षण और बेरोजगारी की जंग ने धर्म की राजनीति को बड़ा संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश के युवाओं ने राहुल गाँधी के रोजगार के मुद्दे को दिल से लिया और दो लड़कों की जोड़ी पर भरोसा जताया। सबसे बड़ा संदेश अयोध्या ने दिया है फैजाबाद सीट ने उसे आइना दिखाया है। ओबीसी और दलित और मुस्लिम वोट ने कमाल कर दिखाया है। ओबीसी वोट भाजपा के हाथ से फिसल गया। यह भाजपा के लिए चुनौती है।

जिस उत्तर प्रदेश पर भाजपा को बड़ा नाज था उसने मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ वोट किया। अब सवाल उठता है की प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह यूपी की हर चुनावी जन सभाओं में योगी के सुशासन का गुणगान करते नहीं थकते थे। लेकिन खुद योगी अपने राज्य में भजपा को नहीं बचा पाए। फिलहाल इसके लिए कौन जिम्मेदार है मोदी या योगी। सबसे अहम सवाल है कि जनता मोदी और योगी के नाम पर कब तक वोट करेगी। उत्तर प्रदेश में जिन सहयोगियों पर उन्हें अटूट भरोसा था वह भी कुछ नहीं कर पाए। यहाँ अखिलेश यादव का पीडीए फामूर्ला काम कर गया। यूपी में दलित वोटर मायावती की निष्क्रिय राजनीति को भाँप गया लिहाजा वह इण्डिया गठबंधन की तरफ चला गया। मुसलमान और यादवों के साथ दूसरी पिछड़ी जातियों ने इण्डिया को वोट किया। भाजपा जिस ओबोसी पर पूरा भरोसा जताती थीं उसी ने जमीन चटा दिया। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सीधी हार के लिए केंद्रीय नेतृत्व मुख्यमंत्री से अधिक जिम्मेदार और जबाबदेह है। क्योंकि जिस तरह मीडिया में संगठन को लेकर जिस तरफ स्थिति बनी वह भी अहम कारण रहा है। टिकट बंटवारे को लेकर भी सवाल उठे। ठाकुरो की नाराजगी वाला मुद्दा भी अहम रहा। आंतरिक तौर पर जिस तरह विपक्ष के नेताओं को चुनाव के दौरान जाँच एजेंसियों का इस्तेमाल किया गया वह भी अहम है। यूपी में योगी और अमितशाह के रिश्ते को लेकर भी पार्टी की आंतरिक लड़ाई में अहम भूमिका निभाई। कई नेताओं के टिकट कटने से भी इसका प्रभाव पड़ा। दूसरी बात यह बात बराबर मीडिया में चर्चा रहीं की मोदी और अमितशाह के आगे किसी की नहीं लगती है। भाजपा कुछ भी कहे लेकिन आम आदमी महंगाई, बेरोजगारी से बिल्कुल परेशान है। युवाओं ने इस बार इण्डिया को जमकर वोट किया। क्योंकि यूपी आज तक कोई ?सी परीक्षा नहीं हुईं जिसका पेपर लीक न हुआ हो। यूपी में काफी संख्या में सरकारी पद खाली पड़े हैं। जिसकी वजह से आम आदमी परेशान है। पीएम मोदी ने अपने चुनावी भाषण में सिर्फ कांग्रेस और इंडिया गठबंधन का उपहास उड़ाते रहे। रोजगार और अग्निवीर योजना के प्रति गुस्सा चुनावों में साफ दिखता है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई लोकसभा सीटें मुस्लिम बाहुल्य हैं। मुस्लिम आरक्षण को लेकर जिस तरह पीएम कांग्रेस पर हमलावर हुए उससे मुस्लिम वोट सीधे इण्डिया गठबंधन की तरफ मुड़ गया। इसके अलावा माफिया अतीक और अफजल अंसारी की मौत और बुलड़ोजर नीति ने भी बेड़ागर्त किया। तीन तलाक बिल से राहत महसूस करने वाली मुस्लिम महिलाएं भी अबकी बार भाजपा को वोट नहीं किया। मुस्लिम और यादव के साथ अन्य ओबीसी में गजब का ध्रुवीकरण देखा गया यह भजपा के लिए बड़ा सबक है। सिर्फ विपक्ष को जेल भेजकर देश नहीं चल सकता है इसके लिए नीति बदलनी होगी। आईटी सेल की भाषा भी बदलनी होगी। सबका साथ सबका विकास भाषण के साथ जमीन पर उतरना होगा। फिलहाल यूपी में योगी भूमिका अहम है केंद्रीय नेतृत्व उन्हें किनारे कर सफल नहीं हो सकता है। योगी सरकार और कानून व्यवस्था को लेकर खरे उतरे हैं। इस हार के तमाम अन्य कारण भी हैं।

पूर्वांचल में भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। भाजपा -राजभर की जोड़ी कुछ नहीं कर पाई। अगर बहुजन समाज पार्टी खुद को सेफ पॉलटिक्स की राजनीति से अलग रहते हुए इंडिया गठबंधन का हिस्सा होती तो उत्तर प्रदेश में भाजपा की जमीन खत्म हो गई होती और बसपा का नया जीवन मिल जाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए बड़ा संदेश है। इस जनादेश से साबित हो गया है कि अब राजनीति दूसरी तरफ मुड़ रहीं है। जौनपुर में धनंजय सिंह के साथ जिस तरह का सियासी दाबाव बनाया गया उसका भी बुरा असर दिखा और भाजपा जौनपुर सीट हार गईं।

हार कर भी जीत गया इंडी गठबंधन

-सुरेश हिंदुस्तानी-

देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। ये चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण सन्देश देने वाले कहे जा सकते हैं। इसमें पहली बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने चार सौ पार का नारा दिया, उसने एक बार फिर से इंडिया शाइनिंग वाले 2004 के चुनाव की याद याद दिला दी। यह संतोष की बात कही जा सकती है कि राजग को सरकार बनाने लायक बहुमत प्राप्त हो गया है। इस चुनाव परिणाम को भाजपा के लिए एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है, जबकि अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए पिछले दस वर्षों से संघर्ष करने वाले विपक्ष को कायाकल्प करने वाली संजीवनी मिलने के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा वाले गठबंधन ने भले ही बहुमत का आंकड़ा प्राप्त कर लिया है, लेकिन खुद भाजपा के नेता इसे जीत के रूप में प्रचारित करने का साहस नहीं जुटा पा रहे है। इसके विपरीत इंडी गठबंधन तो ताल ठोकते हुए इसे भाजपा की हार बता रहा है। यह सही है कि चुनाव में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन सरकार बनाने लायक सीट की संख्या उसके पास है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इसलिए इस जीत को कई मायनों में ऐतिहासिक ही माना जाएगा। आज मोदी उस कतार में शामिल हो गए हैं, जो उन्हें औरों से अलग बनाते हैं।

भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तरप्रदेश ने दिया है। यहां दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा की उड़ान की गति को बहुत हद तक रोकने में सफलता प्राप्त की है। हम जानते हैं कि जिस प्रकार से समाचार चैनलों ने स्पष्ट रूप से भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनाने का पूवार्नुमान दिखाया था, वह परिणाम से मेल रखने वाला नहीं रहा। देश के विपक्षी दलों यह आरोप लगाकर इस एग्जिट पोल को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कांग्रेस की ओर से यह दावा भी किया गया था कि इंडी गठबंधन को 290 सीटें मिलेंगी और बहुमत की सरकार बनेगी। सबको यही लग रहा था कि कांग्रेस के दावे में दम नहीं है, लेकिन चुनाव के परिणाम ने यह जाहिर कर दिया कि उनके दावे में दम था। दावे में जो सीटों की संख्या बताई गई थी इंडी गठबंधन उस आंकडे से बहुत पीछे रह गया, लेकिन इंडी गठबंधन के कई प्रत्याशी बहुत कम अंतर से पराजित हुए हैं, इसे भी अप्रत्याशित बढ़त के रूप में ही देखा जा रहा है। इंडी गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा सुकून देने वाली बात यह भी है कि उसने भाजपा के 400 पार वाले दावे की हवा निकाल दी। भाजपा गठबंधन घिसटते घिसटते 300 के पार भी नहीं जा सकी। इसे इस रूप में भी देखा जा रहा है कि अकेले मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जाता, जीतने के लिए प्रत्याशी भी अच्छा होना चाहिए। कहा जा रहा है कि भाजपा इस मामले में चूक गई। भाजपा के लिए चिंतन का मुद्दा यह है कि उसके मूल कार्यकर्ता इस चुनाव से दूर रहे। भाजपा नेतृत्व ने जितना भरोसा बाहर से आए नेताओं पर किया, उतना अपने पुराने कार्यकताओं पर नहीं किया। बाहर से आए नेता केवल दिखावा करते रहे और भाजपा के पुराने कार्यकताओं की अनदेखी की गई। जिसके कारण भाजपा का समर्थक मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँच ही नहीं सका। यह भी भाजपा के लिए एक बड़ा अवरोधक बनता दिखाई दिया, जबकि इंडी गठबंधन के नेता यह योजना बनाकर मैदान में थे कि अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए। उत्तरप्रदेश में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को मिली सफलता इस बात का परिचायक है कि इन दोनों दलों ने मुस्लिम और यादव मतों पर ज्यादा मेहनत की। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को भी अपने पाले करने के लिए मेहनत की। इसी मेहनत ने अपेक्षित परिणाम दिए। यहां यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण होगा कि इस बार मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने इंडी गठबंधन के लिए विजय के द्वार खोलने में मदद की। ऐसा नहीं है कि उनकी मदद करने की मंशा थी, वह मदद नहीं करना चाहती थीं, लेकिन अजा, जजा और पिछड़े वर्ग का जो वोट भाजपा को मिलना था, वह इस बार भाजपा को नहीं मिला। इसे भी भाजपा की हार के रूप में देखा जा रहा है। वैसे राजनीतिक दृष्टि से आंकलन किया जाए तो यह भाजपा की बड़ी जीत ही कहा जाएगा, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन ने तीसरी बार सत्ता को अपने पास रखा है। इंडी गठबंधन भी इसलिए सक्रिय हो गया है, क्योंकि अगर किसी भी स्थिति में बिल्ली के भाग्य से छींका टूट गया तो मलाई खाने का अवसर मिल सकता है।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रातः 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षो से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

संक्षिप्त खबरें

गैस से बिजली उत्पादन मई में कई साल के उच्चस्तर पर, एलएनजी के आयात में तेज वृद्धि का अनुमान

नई दिल्ली।भीषण गर्मी के कारण देश में मई, 2024 में गैस आधारित बिजली उत्पादन कई साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। गैस आधारित बिजली का इस्तेमाल लगातार बढ़ने से दो वर्षों में तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात में तेज वृद्धि का अनुमान है। ग्रिड इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल और मई में देश में गैस आधारित बिजली का उत्पादन एक साल पहले की समान अवधि की तुलना में दोगुना होकर 8.9 अरब किलोवाट घंटे पहुंच गया। इसके साथ ही, बिजली बनाने में इस्तेमाल कोयले की हिस्सेदारी में कोरोना महामारी के बाद पहली बार गिरावट आई है। मई में बिजली उत्पादन में कोयले की हिस्सेदारी एक साल पहले की समान अवधि के 75.2 फीसदी से घटकर 74 फीसदी रह गई। वहीं, गैस की हिस्सेदारी 1.6 फीसदी से दोगुना होकर 3.1 फीसदी के स्तर पर पहुंच गई। चालू वित्त वर्ष के दौरान देश में गैस आधारित बिजली के उत्पादन में 10.5 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद है।

भीषण गर्मीः इस साल बिक सकते हैं रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर, 40 फीसदी तक की वृद्धि

नई दिल्ली। भीषण गर्मी के कारण इस साल देशभर में रिकॉर्ड 1.4 करोड़ एयर कंडीशनर (एसी) बिक सकते हैं।?कन्ज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं अप्लायंसेज मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (सिएमा) के अध्यक्ष सुनील वाचानी ने कहा, मई में एसी की रिकॉर्ड बिक्री हुई?है।?गर्मी में बिक्री में 30-40 फीसदी बढ़ सकती है।

वाचानी ने कहा, बढ़ते तापमान और गर्म हवाओं ने अब शहरी क्षेत्रों में घरेलू एसी को अनिवार्य जरूरत बना दिया है। बाजार विकसित होने के साथ उम्मीद है कि देश में सालाना बिक्री करीब 1.4 करोड़ इकाई होगी, जो क्षेत्र के मजबूत विस्तार को बताती है। भारतीय रिहायशी एयर कंडीशनर की बिक्री बढ़कर लगभग एक से 1.11 करोड़ इकाई तक पहुंचने की उम्मीद है।

आइसक्रीम-शीतल पेय पदार्थों की बिक्री में तेजी

देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी के बीच कोला, पेय पदार्थ, आइसक्रीम और ठंडक प्रदान करने वाले अन्य उत्पादों की बिक्री में जोरदार तेजी आई है।?पेप्सिको इंडिया और कोका कोला जैसी कंपनियों का कहना है कि मांग में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए हमने अपना भंडार (इन्वेंट्री) तैयार कर रखा है।

शाकाहारी थाली एक साल में नौ फीसदी महंगी, मांसाहारी थाली सात फीसदी सस्ती

नई दिल्ली। शाकाहारी थाली एक साल में 9 फीसदी महंगी हो गई है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत घटी है। क्रिसिल की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, मई, 2023 में शाकाहारी थाली की कीमत 25.5 रुपये थी, जो इस साल मई में बढ़कर 27.80 रुपये पहुंच गई है। वहीं, मांसाहारी थाली 7 फीसदी सस्ती होकर 55.90 रुपये पर आ गई।?हालांकि, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली एक फीसदी ही महंगी हुई है। टमाटर, आलू और प्याज की बढ़ती कीमतों से शाकाहारी थाली महंगी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, टमाटर के दाम एक साल में 39 फीसदी, आलू के 41 फीसदी और प्याज के 43 फीसदी बढ़े हैं। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट का श्रेय ब्रॉयलर को जाता है। एक साल में इसकी कीमत 16 फीसदी तक घटी है।

अदाणी पोर्ट्स को मिला कोलकाता बंदरगाह के संचालन का कॉन्ट्रैक्ट, कंपनी का दावा- कनेक्टिविटी बेहतर होगी

कोलकाता गौतम अडानी के स्वामित्व वाले अडानी समूह ने दार एस सलाम

बंदरगाह पर कंटेनर टर्मिनल 2 की 30 साल की लीज हासिल करके अफ्रीकी देश तंजानिया में बंदरगाह व्यवसाय में प्रवेश किया है। इस आशाय का एक समझौता तंजानिया पोर्ट्स अथॉरिटी और अदानी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच किए गए। अदानी इंटरनेशनल पोर्ट्स होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड कंपनी अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) की सहायक कंपनी है। दार एस सलाम बंदरगाह तंजानिया का मुख्य बंदरगाह जो और रेल और सड़क जियसे बुनियादी ढांचे से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। दार एस सलाम बंदरगाह के कंटेनर टर्मिनल 2 में चार बर्थ हैं और इसकी 1 मिलियन टीईयू (बीस फुट समकक्ष इकाइयां) की कार्गो हैंडलिंग क्षमता है। इस बंदरगाह का तंजानिया के कुल बंदरगाहों की माल ढुलाई में लगभग 83 % योगदान करती है।

बाजार में 4 जून को हुए नुकसान की भरपाई सेंसेक्स ऑल टाइम हाई पर पहुंचा, निफ्टी 23250 पार

नई दिल्ली। शुक्रवार को दलाल स्ट्रीट में बुल्स ने पूरी ताकत के साथ वापसी की जिससे सेंसेक्स लगभग 1,700 अंक बढ़कर 76,794.06 के नए सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी50 483 अंकों तक चढ़ा। दोनों सूचकांक 4 जून के सभी नुकसान को पाटने में कामयाब रहे। ब्याज दर को अपरिवर्तित रखने के आरबीआई के फैसले के बाद बैंकिंग, वित्त, ऑटो और रियल एस्टेट जैसे दर-संवेदनशील क्षेत्रों में के शेयर 8% तक चढ़े। इस दौरान बीएसई पर सभी सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 7.68 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 423.57 लाख करोड़ रुपये हो गया। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन कारोबार के अंत में सेंसेक्स 1,618.85 (2.15%) अंक चढ़कर 76,693.36 के स्तर पर पहुंचा। दूसरी ओर, निफ्टी 468.75 (2.05%) अंक मजबूत होकर 23,290.15 के लेवल पर क्लोज हुआ।

आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में मजबूती दिखी

शुक्रवार को आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरो में मजबूत दिखी। टेक सेक्टर के शेयर बाजार में टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिखे। विप्रो के शेयरों में पांच प्रतिशत की मजूती आई, इंफोसिस के शेयर 3% चढ़े। वहीं, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत की बढ़त दिखी। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और रिलयंस के शेयरों ने भी मजबूत बढ़त हासिल की। इनके बल ही इंडेक्स को 192 अंकों की मजबूती मिली। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को लगातार आठवीं बैठक में 6.5% पर बरकरार रखा है।

आरबीआई ने शुक्रवार को अपनी प्रमुख ब्याज दरों को अपरिवर्तित छोड़ दिया। केंद्रीय बैंक ने मजबूत आर्थिक विकास के बीच मुद्रास्फीति पर ध्यान केंद्रित किया। गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपने बयान में कहा कि मौद्रिक नीति समिति, जिसमें तीन आरबीआई और इतनी ही संख्या में बाहरी सदस्य शामिल हैं, ने लगातार आठवीं नीतिगत बैठक में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा और "समायोजन की वापसी" के अपने अपेक्षाकृत आक्रामक रुख पर कायम रहे।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 14 पैसे मजबूत हुआ

रिजर्व बैंक द्वारा प्रमुख नीतिगत दरों को अपरिवर्तित रखने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत रुख के अनुरूप शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे मजबूत होकर 83.39 (प्रारंभिक आंकड़ा) पर पहुंच गया। मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशों के बड़े क्रॉस के मुकाबले अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से भी रुपये को समर्थन मिला। हालांकि, विदेशी पूंजी निकासी ने रुपये में तेजी को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में स्थानीय मुद्रा मजबूत होकर 83.46 रुपये प्रति डॉलर पर खुली और कारोबार के दौरान 83.48 से 83.37 के दायरे में रही। अंत में रुपया डॉलर के मुकाबले 83.39 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछली क्लोजिंग की तुलना में 14 पैसे की बढ़त दर्शाता है। गुरुवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 9 पैसे टूटकर 83.53 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियां हरे निशान पर बंद हुई

सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियां सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुईं, जिसमें महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टेक महिंद्रा, भारती एयरटेल, इंफोसिस और टाटा स्टील सबसे अधिक लाभ में रहे। शियाई बाजारों में, सियोल और शंघाई लाभ के साथ बंद हुए जबकि टोक्यो और हांगकांग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

अमेरिकी बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत बढ़कर 79.95 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। शेयर बाजार के अस्थायी आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने गुरुवार को सकल घरेलू बाजार में 6,867.72 करोड़ रुपये निकाले। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स गुरुवार को 692.27 अंक या 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ 75,074.51 अंक पर बंद हुआ था। निफ्टी 201.05 अंक यानी 0.89 प्रतिशत चढ़कर 22,821.40 अंक पर पहुंच गया था।

आरबीआई गवर्नर ब्रिटेन से भारत लाया 100 टन सोने का भंडार

भारत ने ब्रिटेन से 100 टन गोल्ड मंगाया है, जब से यह खबर सामने आई तब से इसे लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे थे। आखिर ऐसा क्या हुआ कि आरबीआई ने इतना सोना मंगवाया. इस पर आज रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने अपना रूख स्पष्ट कर दिया. उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ब्रिटेन से 100 टन सोने का भंडार भारत लाया है, क्योंकि देश में पर्याप्त भंडारण क्षमता है. इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए. आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रिटेन में संग्रहीत अपने 100 टन सोने को घरेलू तिजोरियों में ट्रांसफर कर दिया है. यह 1991 के बाद सोने का सबसे बड़ा ट्रांसफर है. वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था. दास ने यहां कहा कि विदेशों में रखे गए सोने की मात्रा लंबे समय से स्थिर थी।

उन्होंने कहा, हाल के वर्षों में आंकड़े बताते हैं कि रिजर्व बैंक अपने भंडार के हिस्से के रूप में सोना खरीद रहा है और इसकी मात्रा बढ़ रही है. हमारे पास घरेलू (भंडारण) क्षमता है.ह्लह्ल गवर्नर ने कहा कि इसलिए यह निर्णय लिया गया कि भारत के बाहर रखे सोने को लाकर देश में उसको रखा जाए. उन्होंने कहा, ह्यह्य बस इतना ही, इसके और कोई मायने नहीं निकाले जाने चाहिए।

देश के गोल्ड रिजर्व में बढ़ोतरी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार,

वित्त वर्ष 2023-24 में देश के कुल स्वर्ण भंडार में 27.46 टन की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 822 टन हो गया. सूत्रों ने बताया कि सोने का एक बड़ा हिस्सा विदेश में जमा है। अन्य देशों की तरह भारत का सोना भी बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास जमा है. भारत में 100 टन सोना वापस आने से स्थानीय स्तर पर भंडार में पड़े सोने की कुल मात्रा बढ़कर 408 टन से अधिक हो गई है।

इसका अर्थ है कि स्थानीय और विदेशी holding अब लगभग बराबर है. केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में जारी किए गए नोटों के बदले स्थानीय lavel पर 308 टन से अधिक सोना रखा गया है. इसके अलावा 100.28 टन सोना स्थानीय स्तर पर बैंकिंग विभाग की संपत्ति के रूप में रखा गया है।

कुल स्वर्ण भंडार में से 413.79 टन सोना विदेशों में रखा गया है. बता दें कि दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव के बीच अस्थिरता से बचाव के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने इस साल जनवरी से अप्रैल तक 4 महीनों में अपने गोल्ड रिजर्व (सोने का भंडार) में 24 टन गोल्ड जोड़ा है. सोने की यह मात्रा 2023 में पूरे साल के दौरान खरीदे गए गोल्ड का लगभग डेढ़ गुना है।

रेटिंग एजेंसियों का दावाः कमजोर बहुमत के बाद भी बनी रहेगी विकास की रफ्तार

नई दिल्ली। भाजपा की अगुवाई में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार के लिए महत्वाकांक्षी सुधारों को आक्रामक तरीके से आगे बढ़ाना चुनौतीपूर्ण होगा। देश-दुनिया की विभिन्न रेटिंग एजेंसियों का दावा है कि कमजोर जनादेश की वजह से इन सुधारों पर कानून पारित करने में सहयोगी दल बाधा डाल सकते हैं। इन चुनौतियों के बावजूद भूमि और श्रम कानूनों में बड़े सुधार नई सरकार के एजेंडे में बने रहेंगे, क्योंकि वह भारत के विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ाना चाहती है। हालांकि, कमजोर बहुमत के बावजूद भारत के विकास की रफ्तार कायम रहेगी।

रेटिंग एजेंसी फिच का मानना है कि 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को कमजोर बहुमत के बावजूद भारत का मध्यम अवधि का विकास प्रदर्शन 2027-28 तक हमारे अनुमान 6.2 फीसदी के आसपास रहेगा। बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करने के लिए जारी सार्वजनिक पूंजीगत खर्च अभियान, डिजिटलीकरण के उपायों, महामारी से पहले की स्थिति की तुलना में बैंक और कॉरपोरेट बैलेंसशीट में सुधार से निजी निवेश के लिए एक मजबूत दृष्टिकोण की सुविधा मिलनी चाहिए। वहीं, मूडीज ने मोदी के

तीसरे कार्यकाल में कमजोर नीतियों को लेकर आशंकाओं को दरकिनार करते हुए कहा, भारत के ऊर्जा क्षेत्र में विकास जारी रहेगा। अक्षय ऊर्जा और बिजली ट्रांसमिशन 6-7 वर्षों में भारत के बिजली क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देना जारी रखेगा। इस अवधि में बिजली की मांग सालाना 5-6 फीसदी बढ़ सकती है।

सहयोगी दलों से समर्थन की उम्मीद...फिच ने कहा, भूमि-श्रम कानूनों में बड़े सुधार विवादास्पद रहे हैं। इस बार मिलीजुली सरकार के कारण इनका पारित होना और जटिल हो सकता है। हालांकि, मोदी के पीएम बने रहने पर सहयोगी दलों से पर्याप्त समर्थन मिलने की उम्मीद है।

बजट में आएगी ज्यादा स्पष्टता...एजेंसी ने कहा, जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट से पांच वर्षों के आर्थिक सुधार की प्राथमिकताओं और राजकोषीय योजनाओं पर अधिक स्पष्टता सरकार को देनी चाहिए। राजग के पहले दो कार्यकाल में आर्थिक सुधारों का कार्यान्वयन मिश्रित था।

मोदी 2.0 का एजेंडा 3.0 में भी जारी रहेगा : मोतीलाल ओसवाल...मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का कहना है कि मोदी 2.0 का नीतिगत एजेंडा मोदी 3.0 में भी जारी रहेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, नई सरकार कर के मोर्चे पर राहत देकर और जीएसटी ढांचे को तर्कसंगत बनाकर सौदे को आसान बना सकती है। निवेश आकर्षित करने, पूंजीगत खर्च में वृद्धि, बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर ध्यान देने के संबंध में पिछले कार्यकाल के नीतिगत निर्णय, नई सरकार में भी जारी रहेंगे।

एमपीसी ने लगातार आठवीं बार रेपो रेट में नहीं किया कोई बदलावः आरबीआई

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने तीन दिनों तक चली बैठक के बाद रेपो रेट को वर्तमान दर पर बरकरार रखने का फैसला किया है। दर निर्धारण समिति ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया। इससे पहले केंद्रीय बैंक ने पिछली बार फरवरी 2023 में रेपो दर बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थी। रेपो रेट से बैंकों की ईएमआई जुड़ी होती है। ऐसे में रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं होने से यह तय हो गया है कि आपके बैंक लोन की ईएमआई में फिलहाल कोई बदलाव नहीं होने वाला है।

पांच जून से सात जून तक चली एमपीसी की बैठक...इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर निर्धारण समिति ने अगली मौद्रिक नीति तय करने के लिए बुधवार को तीन दिवसीय बैठक शुरू की। यह बैठक 5 जून से शुरू होकर 7 जून 2024 यानी आज तक चली। एमपीसी की बैठक में छह सदस्यों में से चार ब्याज दरों को स्थिर रखने के पक्ष में रहे।

वित्तीय वर्ष 2025 में रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान...आरबीआई गवर्नर ने एमपीसी के फैसले का एलान करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 25 में

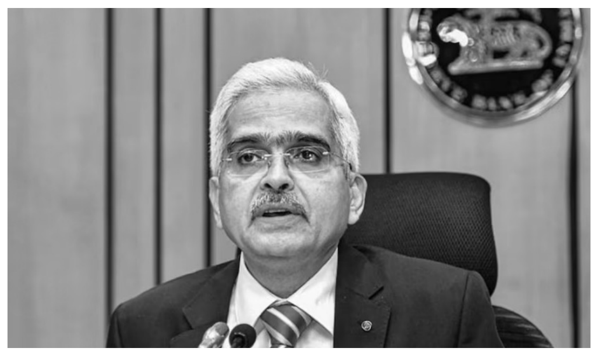

रियल जीडीपी ग्रोथ 7.2% रहने का अनुमान है। जो पिछले अनुमान 7% से अधिक है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में स्थिर खर्च के साथ निजी खपत में सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी जारी है।

आरबीआई गवर्नर बोले- महंगाई दर 4% पर लाने के लिए केंद्रीय बैंक प्रतिबद्ध...आरबीआई गवर्नर ने कहा कि महंगाई में कमी लाने में एमपीसी की भूमिका अहम है। दास ने कहा कि वर्तमान में गर्मी के कारण सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। फ्इक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति को स्थायी आधार पर 4% के लक्ष्य पर वापस लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरतः शक्तिकांत दास...उन्होंने ईंधन की कीमतों में गिरावट के रुख के लिए एलपीजी कीमतों में कटौती को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने खाद्य कीमतों में वृद्धि की वैश्विक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे व्यापक बाजार में बदलाव दिख सकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य कीमतों में अनिश्चितता पर नजर बनाए रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जरूरत के मुताबिक लिक्विडिटी पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपये में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। ऋ25 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9% से बढ़ाकर 7.2% कर दिया गया है।

Asian शेयर वॉल स्ट्रीट पर एनवीडिया के नेतृत्व वाली रैली का करते हैं अनुसरण

हांगकांग। बुधवार को वॉल स्ट्रीट के रिकॉर्ड तोड़ने के बाद गुरुवार को एशियाई बाजारों में तेजी आई, क्योंकि आर्टिफिशियल-इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक के इर्द-गिर्द उन्माद ने शेयरों को ऊपर की ओर धकेला। अमेरिकी वायदा और तेल की कीमतों में तेजी आई। टोक्यो Tokyo में, निक्केई-225 सूचकांक 0.9 प्रतिशत बढ़कर 38,841.75 पर पहुंच गया। हांगकांग में हैंग सेंग 0.8 प्रतिशत बढ़कर 18,569.48 पर और शंघाई कंपोजिट सूचकांक 0.1

प्रतिशत बढ़कर 3,068.31 पर पहुंच गया। ऑस्ट्रेलियाई सांख्यिकी ब्यूरो के आंकड़ों से पता चला कि अप्रैल में देश के व्यापार अधिशेष में उछाल आया, निर्यात में 2.5 प्रतिशत और आयात में 7.2 प्रतिशत की गिरावट आई, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.7 प्रतिशत बढ़कर 7,824.40 पर पहुंच गया। अनुबंध इलेक्ट्रॉनिक्स निमार्ता फॉक्सकॉन Foxconn के शेयरों में 0.6 प्रतिशत की उछाल के बाद ताइवान के ताईएक्स में 2 प्रतिशत की उछाल आई, कंपनी ने मई में अपने राजस्व में साल-दर-साल 22.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो महीने के लिए रिकॉर्ड उच्च स्तर है। बैंकॉक में, एसईटी 0.4 प्रतिशत ऊपर था। दक्षिण कोरिया के बाजार छुट्टी के कारण बंद थे। बुधवार को, एसएंडपी500 1.2 प्रतिशत चढ़कर 5,354.03 पर पहुंच गया, जो दो सप्ताह पहले अपने सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। नैस्डैक कंपोजिट दो प्रतिशत उछलकर 17,187.90 पर पहुंच गया और इसी तरह एक रिकॉर्ड बनाया। डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज, जिसका तकनीक पर कम जोर है, 0.2 प्रतिशत की बढ़त के साथ 38,807.33 पर बाजार से पीछे रहा।

दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी ने एपल, गूगल व मेटा को भी पीछे छोड़ा, ये है एनवीडिया की कहानी

नई दिल्ली सितंबर 2023 में भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के एक शख्स से मुलाकात की थी। इस मुलाकात की चर्चा मीडिया से लेकर सोशल मीडिया तक पर हुई। दरअसल पीएम मोदी जिस शख्स से मिले थे उसका नाम है जेनसेन हुआंग। हो सकता है कि आपने पहले ये नाम न सुना हो। लेकिन शायद आपने एनवीडिया का नाम तो सुना होगा। समझाने के लिए आसान बात कहूं तो एनवीडिया आपके कंप्यूटर के लिए ग्राफिक कार्ड बनाने वाली कंपनी है और इसी कंपनी के

सीईओ हैं जेनसेन हुआंग। आज हुआंग एक बार फिर से चर्चा में हैं।

एनवीडिया एपल को छोड़कर बनी दुनिया की दूसरी सबसे मूल्यवान कंपनी...वजह ये है कि एनवीडिया ने एपल को पीछे छोड़ दिया है और दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। एनवीडिया का मार्केट कैप करीब 251 लाख करोड़ हो गया है। वहीं एपल का मार्केट कैप करीब 250 लाख करोड़ पर है। यहां आपको ये भी बता दें कि दुनिया की सबसे वैल्यूएबल कंपनी है माइक्रोसॉफ्ट जिसका मार्केट कैप 262 लाख करोड़ है। लेकिन ऐसा क्या है जो एनवीडिया को आगे बढ़ा रहा है। ऐसा क्या है जिसकी वजह से एनवीडिया का मार्केट कैप इतना हो गया है। इसको समझने के लिए कंप्यूटर को समझना होगा। दरअसल कंप्यूटर में एक उढव होता है यानी सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट। इसको कंप्यूटर का दिमाग माना जाता है। इसमें एक प्रोसेसर की जरूरत होती है। प्रोसेसर को इंटेल और एएमडी जैसी कंपनियां तैयार करती हैं... कंप्यूटर में CPU की तरह ही एक और बेहद खास चीज का इस्तेमाल होता है जिसे GPU कहा जाता है यानि ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट।

एयर इंडिया और विस्तारा के विलय का रास्ता हुआ साफ

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) ने गुरुवार को एयर इंडिया और विस्तारा के विलय को मंजूरी दी। जिससे इसके दुनिया के सबसे बड़े एयरलाइन समूहों में से एक बनने का रास्ता साफ हो गया है। विलय के बाद सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 फीसदी हिस्सेदारी होगी। विस्तारा सिंगापुर एयरलाइंस और टाटा समूह का एक संयुक्त उद्यम है।

एनसीएलटी की चंडीगढ़ पीठ ने 31 पन्नों के फैसले में टैलेस, एयर इंडिया और विस्तारा से जुड़ी समग्र व्यवस्था योजना को मंजूरी दी। सभी टाटा समूह का हिस्सा हैं। एयर इंडिया को उम्मीद है कि इस साल के अंत तक विलय पूरा हो जाएगा। एनसीएलटी की चंडीगढ़ की दो सदस्यीय पीठ ने कहा कि इस योजना को दोनों एयरलाइन कंपनियों के शेयरधारकों और लेनदारों से पहले ही आवश्यक मंजूरी मिल चुकी है। एनसीएलटी के आदेश में कहा गया, याचिकाकर्ता कंपनियों और उनके शेयरधारकों के बीच धारा 230 से 232 और कंपनी अधिनियम 2013 के अन्य प्रावधानों के तहत समग्र व्यवस्था योजना को मंजूरी दी जाती है। इसमें कहा गया है कि योजना कंपनियों और उनके संबंधित शेयरधारकों के लिए बाध्यकारी होगी। आदेश में यह भी कहा गया है कि कंपनियां सिंगापुर एयरलाइंस (विस्तारा की शेयरधारक) से प्रत्यक्ष विदेश निवेश (एफडीआई) की मंजूरी और डीजीसीए/एमओसीए से संबंधित सीएआर (नागरिक उड्डयन विनियमन) के तहत आवश्यक सुरक्षा मंजूरी इस आदेश की तारीख से नौ महीने की समय सीमा केभीतर सुनिश्चित करेंगी। इस साल मार्च में सिंगापुर के प्रतिस्पर्धा नियामक सीसीसीएस ने प्रस्तावित विलय को सशर्त मंजूरी दी। सितंबर 2023 में सौदे को कुछ शर्तों के साथ सीसीआई से मंजूरी मिली।

सुनील छेत्री नेअंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

छेत्री को दुनिया भर से दी गई विदाई

कोलकाता, एजेंसी। अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैच खेलने वाले भारतीय स्टार सुनील देत्री को गुरुवार को दुनिया भर से विदाई दी गई जिसमें खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा और क्रोएशिया के महान खिलाड़ी लुका मोड्रिक के अलावा महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी शामिल रहे।

भारत के इस 39 वर्षीय खिलाड़ी ने 151 मैचों में 94 गोल करके अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के चौथे सबसे सफल स्कोरर के रूप में संन्यास लिया। यह एक ऐसे खिलाड़ी के लिए अविश्वसनीय उपलब्धि है जिसका देश अब भी विश्व फुटबॉल में अपनी जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

छेत्री ने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत को यहां 2026 विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत ने गोल रहित ड्रॉ पर रोक दिया।

खचाखच भरे सॉल्ट लेक स्टेडियम में मैच के कुछ क्षण बाद फीफा ने लिखा, 19 साल की सेवा के बाद, विदाई, सुनील छेत्री। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने ट्वीट किया, ह्ह्ह94 अंतरराष्ट्रीय गोल। एक राष्ट्र की उम्मीदों को आगे बढ़ाया! एशियाई फुटबॉल आइकन, सुनील छेत्री को धन्यवाद। छेत्री को उनके शानदार करियर के लिए बधाई देते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा, कोई भी गोल हासिल करना आसान

नहीं है। 94 अंतरराष्ट्रीय गोल को तो छोड़ ही दीजिए। आपने झंडा ऊंचा रखा है, सुनील छेत्री। शानदार करियर के लिए बधाई! सभी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी ने भी छेत्री की सराहना की और उन्हें भारतीय फुटबॉल का बादशाह बताया। इससे पहले क्रोएशिया के कप्तान और रियाल मैड्रिड के सुपरस्टार मोड्रिक ने छेत्री की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'खेल का दिग्गज' बताया।

भारतीय टीम के कोच इगोर स्टिमक द्वारा साझा किए गए एक वीडियो संदेश में मोड्रिक ने कहा, कैस हो सुनील, मैं बस आपको नमस्ते कहना चाहता हूं और राष्ट्रीय टीम के लिए आपके आखिरी मैच के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। वर्ष 2018 के बेलोन डिओर विजेता मोड्रिक ने कहा, आपके करियर के लिए बधाई, आप इस खेल के लीजेंड हैं और आपके साथियों को भी बधाई, मुझे उम्मीद है कि आप उनके आखिरी मैच को खास और अविस्मरणीय बना देंगे।

विश्व कप में 2018 उपविजेता रहे और 2022 में कांस्य पदक जीतने वाले मोड्रिक ने कहा, आपके कप्तान को शुभकामनाएं और जीत। क्रोएशिया की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं। छेत्री 94 गोल के साथ क्रिस्टियानो रोनाल्डो (128), अली डेई (108) और लियोनेल मेस्सी (106) के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में गोल करने वालों की सर्वकालिक सूची में चौथे स्थान पर रहे।

सुनील छेत्री को जीत से विदाई देने में नाकाम रहा भारत, कुवैत से मैच ड्रॉ खेला

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम अपने करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री को जीत के साथ विदाई देने में नाकाम रही और कुवैत के खिलाफ गुरुवार को यहां उसने फीफा विश्व कप 2026 का क्वालीफायर मैच ड्रॉ खेलकर अपनी आगे बढ़ने की राह भी मुश्किल कर दी। भारत अगर जीत दर्ज करता तो छेत्री के लिए यह अच्छी विदाई होती क्योंकि इस मैच में ड्रॉ खेलने से उसकी क्वालीफायर्स के तीसरे दौर में पहुंचने की संभावनाओं को करारा झटका लगा है।

इस मैच में ड्रॉ से अब भारत के पांच अंक हो गए हैं। उसे अपना अंतिम मैच 11 जून को एशियाई चैंपियन कतर के खिलाफ खेलना है। कुवैत के चार अंक हैं और वह उसी दिन अफगानिस्तान के खिलाफ मैच खेलेगा। भारतीय फुटबॉल की पहचान रहे 39 वर्षीय छेत्री ने इस मैच के साथ ही 19 साल तक चले अपने अंतरराष्ट्रीय करियर को भी अलविदा कहा। उन्होंने भारत की तरफ से 94 गोल किए। वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक की गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पुर्तगाल के सुपरस्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो (128), ईरान के दिग्गज अली डेई (108) और अर्जेंटीना के करिश्माई खिलाड़ी लियोनेल मेसी (106) के बाद चौथे स्थान पर हैं।

भारत जैसे देश के किसी खिलाड़ी के लिए यह बहुत बड़ी उपलब्धि है तथा 16 मई को जब उन्होंने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा की तो फीफा ने भी उनकी उपलब्धियों की सराहना की थी।

छेत्री को विदाई देने के लिए हजारों दर्शक स्टेडियम में पहुंचे थे। साल्ट लेक स्टेडियम की क्षमता 68000 दर्शकों की है और पूरा स्टेडियम खचाखच भरा था। इनमें उनके पिता खरगा और माता सुशीला तथा पत्नी सोनम भट्टाचार्य के अलावा कई अधिकारी और पूर्व खिलाड़ी भी शामिल थे।

दर्शकों को हालांकि आखिर में यह मलाल रह गया कि छेत्री अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में गोल नहीं कर पाए। छेत्री हालांकि क्लब फुटबॉल में खेलते रहेंगे। उनका इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरू एफसी के साथ अगले साल तक अनुबंध है।

छेत्री ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 12 जून 2005 को पाकिस्तान के खिलाफ क्वेटा में खेला था। वह मैच 1-1 से ड्रॉ छूटा था। छेत्री ने उस मैच में गोल किया था लेकिन गुरुवार को वह ऐसा करिश्मा नहीं दिखा पाए। देश की तरफ से 151 मैच खेलने वाले इस खिलाड़ी को हालांकि दर्शकों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच विदाई दी।

भारत में इससे पहले कुवैत को उसकी धरती पर 1-0 से हराया था। कुवैत ने हालांकि यहां काफी अच्छा खेल दिखाया। पहले हाफ में दोनों टीम ने कुछ अच्छे मौके बनाए लेकिन वह उनका फायदा उठाने में नाकाम रही।

छेत्री के पास 11वें मिनट में गोल करने का मौका था लेकिन कुवैत के हसन अलानेजी ने भारतीय कप्तान के प्रयास को विफल कर दिया। दर्शकों को इसके बाद भी उम्मीद थी कि छेत्री अपना 95वां गोल करने में सफल रहेंगे, लेकिन उन्हें निराशा ही हाथ लगी। दूसरे हाफ में भी दोनों टीम कुछ अच्छे अवसरों का फायदा नहीं उठा पाई और आखिर में यह मैच नीरस ड्रॉ के रूप में समाप्त होगा।

टी-20 विश्वकप : अमेरिका ने किया उलटफेर

पकिस्तान को सुपर ओवर में हराया

डलास, एजेंसी। अमेरिका की टीम ने टी-20 विश्वकप में बड़ा उलटफेर करते हुए ग्रुप ए के रोमांचक मुकाबले में पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को सुपर ओवर में पांच रन से जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है।

अमेरिका ने बल्लेबाजों ने सुपरओवर में पाकिस्तान की खराब गेंदबाजी और कमजोर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए हुए 18 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम छह गेंद पर 13 रन ही बना सकी। अमेरिका की टीम के कप्तान मोनांक पटेल को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। इस के साथ ही अमेरिका की टीम ग्रुप-ए में दो जीत दर्जकर और चार अंक के साथ शीर्ष पर पहुंच गई है और पाकिस्तान पर तो टूनार्मेंट से बाहर होने का खतरा भी मंडराने लगा है।

अमेरिका के बल्लेबाजों ने 160 के लक्ष्य का पीछा करते हुए हुए सधी हुई धीमी शुरूआत की। अमेरिका को पहला झटका छठें ओवर में स्टीवन टेलर (12) के रूप में लगा। उसके बाद ऐंड्रियस गौस ने कप्तान मोनांक पटेल के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच 68 रनों की साझेदारी हुई। 14वें ओवर में हारिस रउफ ऐंड्रियस गौस को बोल्ड कर पाकिस्तान को दूसरी सफलता दिलाई। गौस ने 26 गेंदों में 35 रन बनाये। 15वें ओवर में मोनांक पटेल 38 गेंदों में 50 रन

बनाकर आउट हुये। उस समय तीन का स्कोर तीन विकेट पर 111 रन था। ऐरन जोंस नाबाद (36) और नितीश कुमार (14) ने 20वें ओवर तक टीम के स्कोर को तीन विकेट पर 159 स्कोर तक पहुंचा था। ऐसी स्थिति में मैच टाई हो गया तथा सुपर ओवर शुरू हुआ। अमेरिका के बल्लेबाजों ने पाकिस्तान कमजोर क्षेत्ररक्षण का फायदा उठाते हुए 18 रन बनाये। इसके बाद पाकिस्तान बल्लेबाजों को अमेरिका गेंदबाजों ने उन्हें केवल 13 रन ही बनाने दिये और पांच रन से मुकाबला जीत लिया।

इससे पहले कप्तान बाबर आजम (44) और शादाब खान (40) रनों की जुझारु पारियों के दम पर पाकिस्तान ने गुरुवार को टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में अमेरिका को जीत के लिए 160 रनों का लक्ष्य दिया था।

आज यहां ग्रैंड प्रायरी स्टेडियम में अमेरिका के कप्तान मोनांक पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने पाकिस्तान की शुरूआत बेहद खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (9) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। रिजवान को सौरभ नेत्रवलकर ने टेलर के हाथों कैच आउट कराया। अगले ही ओवर में उस्मान खान (3) को नॉस्थुश केनजिगे ने नीतिश कुमार के हाथों कैच आउट करा दिया। पांचवें ओवर में फखर जमान को अली खान ने आउट किया। इसके बाद शादाब खान ने बाबर आजम के साथ पारी को संभालते हुए चौथे विकेट के लिये 72 रनों की साझेदारी की। शादाब खान ने 25 गेंदों में एक चौका और तीन छक्के लगाते हुये 40 रनों की पारी खेली। आजम खान (शून्य), इफ्तिखार अहमद (18) और बाबर आजम (44) रन बनाकर आउट हुये। शाहीन शाह अफरीदी (23) और हारिस रउफ (3) रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 159 का स्कोर खड़ा किया।

अमेरिका की ओर से नॉस्थुश केनजिगे ने तीन विकेट लिये। सौरभ नेत्रवलकर को दो विकेट मिले। अली खान और जसदीप सिंह ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

अमेरिका को हलके में लेना भारी पड़ा : बाबर

डलास, एजेंसी। अमेरिका के हाथों टी20 विश्व कप के पहले मैच में सुपर ओवर में मिली अप्रत्याशित हार से स्तब्ध पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने स्वीकार किया कि विरोधी टीम को हलके में लेना उनकी टीम पर भारी पड़ गया। अमेरिका ने टूनार्मेंट का पहला उलटफेर करते हुए पूर्व चैम्पियन और पिछले उपविजेता पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया। पाकिस्तान को पिछले टी20 विश्व कप में जिम्बाब्वे ने हराया था और हाल ही में बाबर आजम की टीम द्विपक्षीय श्रृंखला में आयरलैंड से हारी है। बाबर ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ह्ह्हकिसी भी टूनार्मेंट में सर्वश्रेष्ठ तैयारी जरूरी होती है। यह मानसिकता की बात है। सहयोगी देशों जैसी टीम के खिलाफ आप चीजों को हलके में ले लेते हैं। उन्होंने कहा, आप अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाते और सामने वाली टीम आपको हरा देती है। हमारे साथ यही हुआ। हमारी तैयारी अच्छी थी लेकिन मैच में हम रणनीति पर अमल नहीं कर सके। उन्होंने कहा, ह्ह्हमैं निराश हूं। हमने तीनों विभागों में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमने पहले छह ओवर का फायदा नहीं उठाया और दसवें ओवर के बाद लगातार विकेट गंवाते गए जिससे लय ही नहीं बन सकी। बल्लेबाजों को अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्होंने गेंदबाजों के बारे में कहा, हम इससे बेहतर कर सकते थे। पहले छह ओवर में हम विकेट ही नहीं ले सके। बीच के ओवरों में स्पिनरों को विकेट नहीं मिलने से हम पर दबाव बना। पाकिस्तान को रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत से खेलना है।

एक नजर

जैसमीन पाओलिनी फ्रेंच ओपन फाइनल में

पेरिस, एजेंसी। इटली की जैसमीन पाओलिनी ने मिर्रा आंद्रीवा को 6.3, 6.1 से हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में प्रवेश कर लिया जो उनके कैरियर का पहला ग्रैंडस्लैम फाइनल होगा।

इससे पहले किसी भी ग्रैंडस्लैम में चौथे दौर से आगे नहीं जा सकी पाओलिनी ने कहा, ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह असंभव जैसा था लेकिन अब सच हो गया है।

अब उनका सामना शनिवार को दो बार की गत चैम्पियन इगा स्वियातेक से होगा। इटली के यानिक सिनेर अगर कार्लोस अल्काराज को हरा देते हैं तो वह भी पुरूष एकल फाइनल में पहुंच जायेंगे। आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन सिनेर चाहें जीते या हारें लेकिन सोमवार को रैंकिंग में नंबर एक पर पहुंच जायेंगे। वहीं स्वियातेक ने कोको गाफ को 6.2, 6.4 से हराकर फाइनल में जगह बनाई। रोलां गैरो पर उनका जीत का सिलसिला 20 मैचों का हो गया।

स्टिमक ने कुवैत के खिलाफ ड्रॉ के लिए भारत की खराब पासिंग को जिम्मेदार ठहराया

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय कोच इगोर स्टिमक चाहते थे कि उनकी टीम स्टार खिलाड़ी सुनील छेत्री के आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच को यादगार बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करे और अपने खिलाड़ियों के ऐसा करने में विफल रहने के बाद कोच ने गुरुवार को यहां पासिंग में टीम की 'गुणवत्ता की कमी' को जिम्मेदार ठहराया।

छेत्री ने अपने अंतिम मैच में भी प्रभावित किया लेकिन टीम मौकों को भुनाने में विफल रही और 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफाइंग के महत्वपूर्ण मैच में कुवैत के साथ गोल रहित ड्रॉ पर संतोष करना पड़ा जिससे अगले दौर में जाने की उसकी संभावनाओं को झटका लगा। स्टिमक ने कहा, हम परिणाम से निश्चित रूप से निराश हैं। मैच कठिन था, जैसा कि हमने उम्मीद की थी। आज रात ड्रॉ यथार्थवादी है, उन्होंने खेल को बहुत बेहतर और अधिक आत्मविश्वास के साथ शुरू किया झ पासिंग, पासिंग की गति और आगे बढ़ने के मामले में। उन्होंने कहा, हमें तैयार होने और गेंद को पास करने में कुछ समय लगा। आज रात हमारी सबसे बड़ी समस्या सामान्य पासिंग की गति थी झ यह पर्याप्त नहीं थी। यहां तक कि कुछ क्षणों में, जब हमने उन पर दबाव डाला तो फॉरवर्ड की मदद करने के लिए पासिंग में कोई गुणवत्ता नहीं थी। स्टिमक ने कहा, यही कारण नहीं है कि हम जीत नहीं पाए, हम गोल के सामने अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और आज रात हमारा सबसे अच्छा खिलाड़ी गुरप्रीत था जो एक अच्छा संकेत नहीं है। यहां ऐसा गोलकीपर होना शानदार है जिस पर हमें कभी संदेह नहीं था। ड्रॉ का मतलब था कि लंबे समय तक सेवा देने वाले भारतीय कप्तान को आंसुओं के साथ विदाई देनी पड़ी जो 151 अंतरराष्ट्रीय मैच में 94 गोल के अपने रिकॉर्ड में कोई इजाफा नहीं कर पाए। स्टिमक ने कहा, मुझे सुनील के लिए बहुत दुख है, वास्तव में दुख है कि वह जीत के साथ नहीं गया।

टी-20 विश्वकप : स्कॉटलैंड ने नामीबिया को पांच विकेट से हराया

ब्रिजटाउन, एजेंसी। ब्रैड व्हील के तीन विकेट, माइकल लीस्क के हरफनमौला प्रदर्शन तथा कप्तान रिची बेरिंगटन की नाबाद 47 रन की पारी के दम पर स्कॉटलैंड ने टी-20 विश्वकप के 12वें मुकाबले में नामीबिया को पांच विकेट से हरा दिया है।

नामीबिया ने गुरुवार को खेले गये मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। नामीबिया की शुरूआत खराब रही और एक समय उसने 37 रन अपने तीन गवां दिये थे। इसके बाद कप्तान गेरहार्ड इरासमस ने पारी को संभाला। उन्होंने 31 बॉल पर (52) की अर्धशतकीय पारी। यह उनके टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का 10वां अर्धशतक था। जेन ग्रीन (28), निकोलस डेविन (20), डेविड वीजा (14), यान फ्रायलिंक (12) जेजे स्मिट (11) के योगदान से निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 155 रन बनाए। बनाए। स्कॉटलैंड की ओर से ब्रैड व्हील ने चार ओवर में 33 रन देकर 3 विकेट लिया। ब्रैडली करी को दो विकेट मिले। क्रिस सोल, क्रिस ग्रीव्स और माइकल लीस्क ने एक -एक बल्लेबाज को आउट किया। 156रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्कॉटलैंड की शुरूआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसने 73 के स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिये थे। जॉर्ज मंसी (7), माइकल जोंस (26), ब्रैंडन मक्मलेन (19) और मैथ्यू क्रॉस (3) रन बनाकर आउट हुये। कप्तान रिचर्ड बेरिंग्टन ने 35 गेंदों में दो चौके दो छक्के लगाते हुए नाबाद 47 रनों की पारी खेली। वहीं माइकल लीस्क ने तूफानी अंदाज में 17 गेंद में चार छक्के लगाते हुए 35 रन बनाये। क्रिस ग्रीव्स चार रन बनाकर नाबाद रहे। स्कॉटलैंड 18.3 ओवर में पांच विकेट पर 157 रन बनाकर मुकाबला पांच विकेट से जीत लिया। माइकल लीस्क को उनके शानदार खेल के लिये प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। नामीबिया की ओर से गेरहार्ड इरासमस ने दो विकेट लिये। बर्नार्ड स्कोल्ट्ज, तांगेनी लूंगामेनी और रुबेन ट्रंपलमन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आस्ट्रेलिया को रोकने के लिये इंग्लैंड के गेंदबाजों को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

ब्रिजटाउन, एजेंसी। गत चैम्पियन इंग्लैंड को चिर प्रतिद्वंद्वी आस्ट्रेलिया के खिलाफ शनिवार को टी20 विश्व कप ग्रुप बी के मैच में अपनी गेंदबाजी में सुधार करना होगा। इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के बीच पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था लेकिन स्कॉटलैंड ने दस ओवर में बिना किसी नुकसान के 90 रन बना लिये थे। इससे इंग्लैंड की गेंदबाजी की कमजोरी उजागर हुई। स्कॉटलैंड के सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुंसे और माइकल जोंस ने इंग्लैंड के सभी गेंदबाजों को आसानी से खेला। ऐसे में डेविड वॉर्नर और मार्कस स्टोइनिस जैसे खतरनाक आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उन पर आसानी से दबाव बना सकते हैं। एक बार फिर जोफ्रा आर्चर पर फोकस होगा जिन्होंने स्कॉटलैंड के खिलाफ दो ओवर में 12 रन दिये। गेंदबाजों के अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाजों को भी एक ईकाई के रूप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। जोस बटलर ने आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन किया है। आस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने पैट कमिंस के बगैर भी ओमान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद को फाइनल तक ले जाने वाले कमिंस की जगह नाथन एलिस को उतारा गया था लेकिन मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कमिंस को लाया जा सकता है। आस्ट्रेलिया की बल्लेबाजी में एकमात्र कमजोर कड़ी ग्लेन मैक्सवेल का खराब फॉर्म है। ओमान के खिलाफ वह पहली गेंद पर आउट हो गए थे। आस्ट्रेलिया को इस मैच में उनके फॉर्म में लौटने की उम्मीद होगी।

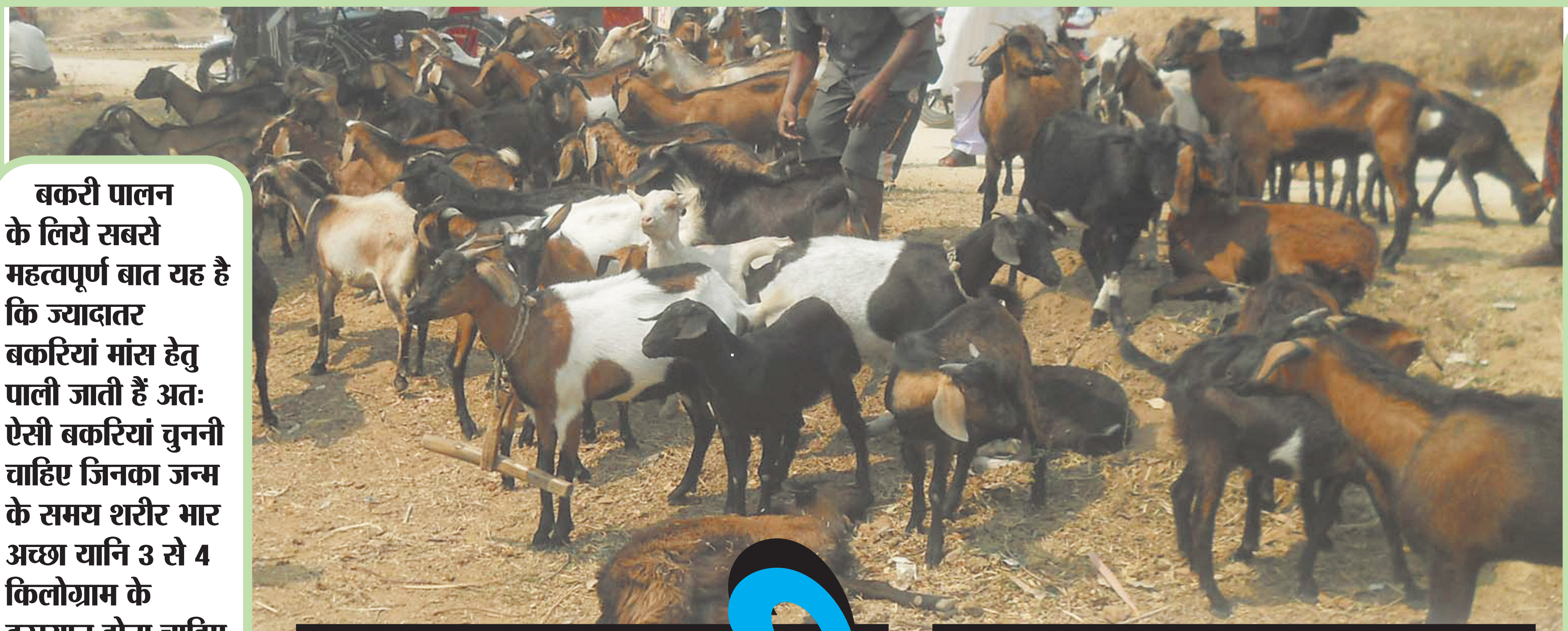

बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अतः ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं।

बकरी पालन

ज्यादा मुनाफे का व्यवसाय

वैज्ञानिक ढंग से बकरी पालन के लिये सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ज्यादातर बकरियां मांस हेतु पाली जाती हैं अतः ऐसी बकरियां चुननी चाहिए जिनका जन्म के समय शरीर भार अच्छा यानि 3 से 4 किलोग्राम के दरम्यान होना चाहिए क्योंकि ऐसे सुदृढ़ मेमने तेजी से बढ़ते हैं और जल्द ही बाजार में विपणन (बिक्री) हेतु तैयार हो जाते हैं। इसके अलावा उनका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होना चाहिये और वो 9 माह की उम्र में कम से कम 25 किलोग्राम तथा 12 माह की उम्र में 30 किलोग्राम तक पहुंच जाना चाहिये। प्रयोगों के आधार पर पाया गया कि दो नस्लों के संकर नस्ल के मेमनों का शरीर भार अच्छा होता हैं तथा उसका शरीर भार वृद्धि दर भी अच्छा होता हैं। अतः देशी नस्ल की अवर्णित बकरियों की अपेक्षा वर्णित नस्ल की शुद्ध नस्ल की बकरियां जैसे मारवाड़ी, कच्छी, जमुनापारी, उस्मानाबादी, संगमनिरी आदि नस्लों की बकरियां या संकर नस्ल की बकरियाँ पालना चाहिए।

कोई भी बकरी चुनाव करने से पहले उसके माता-पिता की वंशावली यानि माता-पिता के बारे में तथा उनके पुर्नउत्पादन/प्रजनन तथा उत्पादन क्षमता के बारे में जानकारी उपलब्ध हैं तो अवश्य देखनी चाहिए। बकरी फार्म पर सभी बकरियों का शरीर भार हर माह नाप-तौलकर उसे अंकित कर रख लेना चाहिए। इससे उनकी बढ़वार, शरीरभार वृद्धि के बारे में सही जानकारी मिल जाती हैं।

एक खास बात यह है कि जिस मादा बकरी से भूतकाल में 3 से 4 मेमने प्राप्त हुए हैं यानि प्रसव उपरांत ज्यादा मेमने पैदा हुए हैं ऐसी बकरी से प्राप्त नर तथा मादा मेमनों का चुनाव करें क्योंकि उनमें उनकी माता में मौजूद ज्यादा मेमने पैदा करने के गुणसूत्र मौजूद होते हैं। ऐसी बकरियां पालने से भविष्य में ज्यादा लाभ अर्जित कर सकते हैं। इन मूलभूत आनुवांशिक बातों के अलावा अनुभव के आधार पर कुछ शारीरिक बाह्यस्वरूपी लक्षण होते हैं उन्हें मद्दे नजर रखते हुए बकरियों का चुनाव करें तो ऐसी बकरियों की बढ़वार, शरीर वृद्धि दर उत्पादन तथा पुर्नउत्पादन क्षमता अच्छी हो सकती हैं तथा उन्हें पालने से अच्छा लाभ कमाया जा सकता हैं।

नर बकरा हष्ट-पुष्ट, ऊंचा बलवान, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरवाला,

उसकी आंखें सजीली चमकदार होनी चाहिए। चमड़ी नर्म मुलायम, चमकदार होनी चाहिए। सींग पूर्ण रूप से विकसित, जननांग पूर्ण रूप से विकसित, बिना किसी विकृति होने चाहिए। उसकी लैंगिक क्षमता, कामेच्छा बढ़िया होनी चाहिए तथा वह फुर्तीला होना चाहिए। उसे कोई भी लैंगिक रोग जैसे बुसेल्लोसिस, ट्राइकोमोनियासिस आदि नहीं होने चाहिए। उसकी उम्र डेढ़ से दो साल होनी चाहिए।

मादा बकरियाँ भी हष्टपुष्ट, निरोगी पूर्ण रूप से विकसित, चमकदार बाल तथा आंखें, सजग कान, तिकोना शरीरधारी, पसलियाँ चौड़ी, जांघे चौड़ी, मजबूत तथा एक समान पैर तथा खुरधारी, मेमनों को अच्छी तरह संभालने वाली, बड़े स्तन तथा अयनधारी और बिना कोई विकृति या किसी लैंगिक रोग से मुक्त होनी चाहिए।

संघटित बकरीफार्म जैसे कुछ निजी फार्म, राज्य सरकारों के अधीन पशुसंवर्धन विभागों के बकरी फार्म, कृषि विज्ञान केंद्र कृषि विश्वविद्यालय तथा भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली के अधीन कार्यरत केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम पोस्ट फराह, जिला-मथुरा उत्तरप्रदेश जैसे कई स्थान हैं जहां से अच्छे नस्ल की बढ़िया बकरियां प्राप्त की जा सकती हैं।

ऐसी अच्छी आदर्श बकरियां वैज्ञानिक ढंग से अच्छा खानपान तथा रखरखाव करने पर ज्यादा मेमने पैदा करती हैं। उनका वृद्धि दर शरीर भार अच्छा तथा ज्यादा होता हैं। उनसे ज्यादा मांस तथा दूध प्राप्त होता है। वे ज्यादा जल्दी बिक्री योग्य हो जाते हैं और इस प्रकार ऐसी बकरियां तथा उनके उत्पादन (दूध, मां, बाल) बेचकर ज्यादा लाभ कमाया जा सकता हैं तथा बकरी पालन व्यवसाय ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता हैं।

अरहर की बहार

भूमि व खेत की तैयारी : अरहर को विविध प्रकार की भूमि में लगाया जा सकता है। चुनाव की दृष्टि से हल्की रेतीली दोमट या मध्यम भूमि जिसमें समुचित जल निकास हो इस फसल के लिये उपयुक्त होती है।

बुवाई

अरहर की बोनी वर्षा प्रारंभ होने के साथ ही करें सामान्य रूप से जून के अंतिम सप्ताह से जुलाई के प्रथम सप्ताह के मध्य अवश्य करें जल्दी पकने वाली प्रजातियों के लिए 25-30 कि.ग्रा. एवं मध्यम समय में पकने वाली प्रजातियों के लिए 17-20 कि.ग्रा. बीज/हेक्टेयर रखें! शीघ्र पकने वाली प्रजातियों की बोनी 30×15 से.मी. तथा मध्यम देरी से पकने वाली प्रजातियों के लिए 60, 29 से.मी. पर करें । बोनी पूर्व थायरम + कार्बेन्डाजिम (2:1) के 3 ग्राम मिश्रण प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीज उपचार अवश्य करें तत्पश्चात अरहर के राइजोबियम कल्चर एवं पी.एस.बी. कल्चर से बीज उपचारित कर बोनी करें।

शीघ्र पकने वाली-प्रजाति

(आई.सी.पी.एल. 79) (125-135 दिन)
उपास (130-140 दिन)
टी.जे.टी. 401 (130-140 दिन)
मध्यम समय में पकने वाली प्रजाति
(आई.सी.पी.एल. 87119) (160-180 दिन)
जे.के.एम. 7 (170-180 दिन)

खाद एवं उर्वरक

20 कि.ग्रा. जिंक सल्फेट/हे. का प्रयोग करें। 8-10 टन गोबर की अच्छी तरह से सड़ी हुई खाद दो वर्ष के अंतराल दें।

जल प्रबंधन

वर्षा ऋतु में जल भराव से बचने हेतु उचित जल निकास के लिए 15-20 मी. दूरी पर गहरी नालियां बनायें। आमतौर पर अरहर की असिंचित खेती की जाती है। देरी से पकने वाली प्रजातियों में पानी उपलब्ध होने पर फूल, फली की अवस्था में एक सिंचाई करने पर उत्पादन अच्छा मिलता है।

खरपतवार नियंत्रण

खरपतवार नियंत्रण हेतु बोनी के तुरन्त बाद पेन्डीमिथालीन 1.0-1.25 कि.ग्रा./हे. की दर से छिड़काव करें तत्पश्चात एक निंदाई लगभग 25-30 दिनों बाद करें।

अन्तरवर्तीय फसल

अन्तरवर्तीय फसल पद्धति से मुख्य फसल की संपूर्ण पैदावार एवं अंतरवर्तीय फसल से अतिरिक्त पैदावार प्राप्त होती है। मुख्य फसल की कीट व्याधि के प्रकोप होने पर या मौसम की प्रतिकूलता होने पर अर्न्तवर्तीय फसल से सुनिश्चित आय प्राप्त होती है। अत: अंतरवर्तीय फसल अरहर: ज्वार 4:2 या 2:1 अरहर : सोयाबीन 4:2 कतारों में लगायें।

तिलहन की रानी 'अलसी'

जलवायु: अलसी की फसल को ठंडे व शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है इसके उचित अंकुरण के लिए 25-30 डिग्री सेल्सियस सेंटीग्रेट तथा बीज बनते समय 15-20 सेल्सियस सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिये।

भूमि की तैयारी

अलसी की फसल के लिए काली, भारी एवं दोमट मिट्टी अधिक उपयुक्त होती है धान के भारी खेत जिसमें नमी अधिक समय तक संचित रहती है वहां भी उतेरा पद्धति से अलसी की खेती की जा सकती है अलसी के अच्छे अंकुरण के लिये खेत को अच्छा भुरभुरा तैयार करना चाहिये। खेत को 2-3 बार आड़ी एवं खड़ी जुताई करके उसमें पाटा लगाकर नमी को संरक्षित करना चाहिये। धान के खेतों में समय-समय पर खरपतवार निकालकर खेत को नींदा रहित करते हुये साफ रखना चाहिये।

फसल प्रणाली

अलसी को मुख्य फसल के रूप में लगाने के बजाय मिलवा या अंतरवर्तीय फसल के रूप में लगाने से अधिक आय संभव हैं। अंतरवर्तीय फसल पद्धति के अंतर्गत अलसी के साथ 3:1 के अनुपात में चना, सरसों, मसूर को भी लगाकर अतिरिक्त आय प्राप्त की जा सकती है।

उन्नत किस्में

जवाहर 16, जेएलएस 9,जवाहर 23, पूसा 2
थारयम या कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें व बीजोपचार के बाद राइजोबियम व पीएसबी कल्चर से 5-5 ग्राम/कि. बीज के हिसाब से उपचारित कर बुवाई करें।

बीज की गहराई

अलसी के बीज को नमी के आधार पर भूमि में 3 सेंमी की गहराई पर बुवाई करें. यदि भूमि में पर्याप्त नमी न हो तो उथली

बुवाई लाभदायक होती है।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद उपलब्ध होने पर अंतिम व बखरनी के समय 4-5 टन प्रति हेक्टेयर खेत में मिला दें। असिंचित अवस्था में 65:125 किलोग्राम, यूरिया, सिंगल सुपर फास्फेट व पोटाश प्रति हेक्टेयर सम्पूर्ण खाद बुवाई के समय में ही खेत में डालें। सिंचित अवस्था में 174:125:30:0 किलो ग्राम यूरिया, सिंगल सुपर प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। नत्रजन की 2/3 मात्रा व स्फुर, पोटाश की पूरी मात्रा बुवाई के समय दें तथा नत्रजन की शेष 1/3 मात्रा को पहली सिंचाई के समय दें एवं उतेरा पद्धति में 20 किलो नत्रजन अलसी के फसल में दें।

खरपतवार नियंत्रण

अलसी की फसल को बुवाई से 30-35 दिन तक खरपतवारों से मुक्त रखना चाहिये। फसलों को नींदा रहित रखने के लिए बुवाई के 15-20 दिन बाद पहली निंदाई-गुड़ाई करनी चाहिये या रसायनिक खरपतवार नियंत्रण के अंतर्गत पेंडीमिथालीन खरपतवार -नाशक की 3.33 लीटर मात्रा को 600-700 ली. पानी में घोल बनाकर बीज के अंकुरण पूर्व उपयोग करें।

रेज्ड बेड प्लान्टर

से सोयाबीन बोने के फायदेरेज्ड बेड के प्रकार

बेड मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं, चौड़े रेज्ड बेड एवं संकरे रेज्ड बेड-

चौड़े रेज्ड बेड का निर्माण सामान्यतः काली मिट्टी में किया जाता है। चौड़े रेज्ड बेड की निचली सतह 1.5 से 2 मी. तथा ऊपरी सतह 1 से 1.5 मी. होती है। इनकी उंचाई 15 से 20 से.मी. होती है। चौड़े रेज्ड बेड पर एक साथ 4 से 5 कतारों की बुवाई की जा सकती है । चौड़े रेज्ड बेड स्थाई प्रकार के भी बनाये जाते हैं। स्थाई चौड़े रेज्ड बेड में मेड़ एवं नाली फसल की कटाई तक बनी रहती है। इसका उपयोग कई वर्षो तक जीरो टिल पद्धति के साथ किया जा सकता है।

संकरे रेज्ड बेड का निर्माण सामान्यतः रेतीली या लाल मिट्टी में किया जाता है। संकरे रेज्ड बेड की निचली सतह लगभग 0.9 मी. तथा ऊपरी सतह लगभा 0.1 मी. होती है। इनकी ऊंचाई 15 से 20 से.मी. होती है । रेज्ड बेड निर्माण की मशीनें- रेज्ड बेड के निर्माण एवं बीज बोने के लिए बाजार में विभिन्न प्रकार की मशीनें उपलब्ध हैं। ट्रैक्टर चालित रेज्ड बेड प्लान्टर, रोटावेटर कम रेज्ड बेड प्लान्टर एवं रेज्ड बेड सीड ड्रिल के द्वारा रेज्ड बेड बनाने के साथ-साथ आसानी से बुवाई भी हो जाती है। कर्मशालाओं में परम्परागत रूप से उपयोग की जाने वाली सीड ड्रिल में रिज़ फरो अटैचमेंट आसानी से लगवाया जा सकता है। सोयाबीन एवं अन्य दलहनी फसलों के लिए स्थानीय बाजारों में विभिन्न प्रकार के रेज्ड बेड प्लान्टर आसानी से उपलब्ध है। रेज्ड बेड प्लान्टर में मुख्यतः बीज बॉक्स, खाद बॉक्स, फरो ओपनर, बेड शेपर और शक्ति प्रदाता पहिया लगा होता है।

विवरण

चौड़े रेज्ड बेड और स्थाई चौड़े रेज्ड बेड बनाने के लिए उपयोग में लायी जाने वाली मशीन में दो फरो ओपनर का प्रयोग होता है। संकरे रेज्ड बेड बनाने वाली मशीन में तीन फरो ओपनर लगे होते हैं। अच्छा बेड बनाने के लिए मिट्टी को अच्छी तरह से तैयार करें। मिट्टी में नमी की मात्रा 11 से 13 प्रतिशत के बीच में होनी चाहिए। रेज्ड बेड प्लान्टर की कार्य क्षमता 0.37 हेक्टेयर/घंटा एवं कार्य दक्षता 73 प्रतिशत होती है। इसके द्वारा प्रति हेक्टेयर बुवाई की लागत लगभग रुपये 1900/- एवं प्रति घंटा लागत लगभग रुपये 710/- आती है।

पापा धरम अपनी बेटियों को लेकर पॉजेसिव हैं

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री एशा देओल ने साल 2022 में वेब शो रुद्र: द एज ऑफ डार्कनेस से अपनी वापसी की थी। इस शो में वे अजय देवगन के साथ नजर आई थीं। इससे पहले वे बॉलीवुड की कई हिट फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं।

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान वे अपने करियर के अलावा अपने पिता दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के संग अपने रिश्तों के ऊपर बात करती नजर आईं। एशा देओल अपने करियर के दूसरे दौर में अलग तरह की भूमिकाएं निभाने के लिए उत्साहित हैं। हाल ही में उन्होंने भरत तख्तानी से तलाक ले लिया है और अपनी जिंदगी को नए सिरे से जीने के लिए तैयार हैं। अपने एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा, मैंने आज से कई साल पहले अपनी असफलता को लेकर जो कहा था वह आज जो मेरी सोच है उससे काफी अलग है। एशा देओल आगे कहती हैं, मैंने शो कॉफी विद करण के दौरान न जाने क्यों इतनी दर्शन और ज्ञान वाली बातें की थीं जो आज मुझे सफाई देनी पड़ रही है। साथ ही साथ एशा ने उसी शो में इस बात का भी खुलासा किया था कि वे अपने पापा को खुश करने के लिए शो में शूट-सलवार पहनकर आईं थीं। एशा देओल बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की लाडली बेटी हैं। अपने पिता के बारे में बातें करते हुए एशा देओल कहती हैं, पापा नहीं चाहते थे कि बेटियां फिल्मों में काम करें। उन्हें ऐसा लगता था कि लड़कियों को दुनिया से बचा कर सुरक्षित रखना चाहिए। एशा देओल अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहती हैं, पापा काफी लंबे समय से फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा रहे हैं, इसलिए उन्हें पता है कि यहां कैसे लोग हैं और यहां किस तरह से काम होता है। वे मेरे लिए काफी पॉजेसिव हैं।

कई शो बीच में छोड़ने पर बोलीं शिल्पा शिंदे

एक्ट्रेस शिल्पा शिंदे ने अपने टेलीविजन करियर में कई शोज किए। हालांकि, कई बार उन्होंने बीच में ही सीरियल छोड़ दिए जिससे कई विवाद भी हुए। भाबीजी घर पर है, झलक दिखला जा, मैडम सर, 'गैंग्स ऑफ फिल्मिस्तान' समेत कई शोज के कारण शिल्पा कॉन्ट्रोवर्सी में रही हैं, लेकिन एक्ट्रेस की मानें तो अब वो खतरों के खिलाड़ी 14 के मेकर्स को निराश नहीं करेंगी।

रियलिटी शो करना आसान नहीं होता

इंटरव्यू में शिल्पा कहती हैं, कुछ समय पहले, मैं रियलिटी शो झलक दिखला जा का हिस्सा बनी थी। उस वक्त भी मैं बैक टु पवेलियन यानी कि फिर से बीच में ही शो से निकल गई थी। लोगों ने कई गलत बातें कहीं, लेकिन शो के टीम मेंबर्स को सच्चाई पता है। मैं वाकई में बीमार थी। रियलिटी शो करना आसान नहीं होता। लोगों को लगता है कि एक्टर्स या कंटेस्टेंट सिर्फ 2-3 महीने में बहुत पैसा कमा लेते हैं। इस फील्ड में बहुत पैसा, फेम और ग्लैमर है, लेकिन स्ट्रेस भी ज्यादा है। झलक के दौरान, मैं रिहर्सल करती थी और अपनी परफॉरमेंस भी बेस्ट देती थी, लेकिन आखिरी मोमेंट में मेकर्स कई बदलाव लाते थे। कभी कॉस्टयूम में, तो कभी कोरियोग्राफी में। मेरी पूरी एनर्जी इसमें चली जाती थी। कोरियोग्राफर भी साथ नहीं देते थे, इसीलिए मैंने शो को बीच में छोड़ दिया था।

बीच में नहीं छोड़ूंगी शो

एक्ट्रेस ने आगे कहा, खतरों के खिलाड़ी की टीम ने हम सभी से पहले ही स्टंट डिस्कस कर लिए हैं। मुझे सिर्फ सेट पर जाकर उन स्टंट्स को परफॉर्म करना है। अच्छी बात ये है कि इसमें मेरा कोई पार्टनर नहीं है, जैसा झलक में था। यहां मुझे सिर्फ अपनी परफॉरमेंस के लिए जज किया जाएगा। इस शो को बीच में नहीं छोड़ूंगी। यहां मैं दूसरों को भगाऊंगी। इस बार किसी को भी निराश नहीं होने दूंगी।

लोगों को लगता है कि मैं सिर्फ झगड़ा करती हूं

एक्ट्रेस की मानें तो रियल लाइफ में उनको झगड़ालू होने का टैग मिला है, लेकिन वह वैसी नहीं हैं। उन्होंने कहा, लोगों को लगता है कि मैं सिर्फ झगड़ा करती हूं। मैं झगड़ालू हूं, लेकिन सच्चाई ये है कि मैं वैसी बिल्कुल नहीं हूं। बिग बॉस में लोगों ने मेरी रियल पर्सनालिटी देखी। उन्हें पता चला कि मेरा सिचुएशन के हिसाब से स्वभाव बदलता है। अब मैं योग करती हूं। नियमित योग करने से मुझमें बदलाव भी आए हैं। अब मैं ये सोचने लगी हूं कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

रोहित शेट्टी से डर लगता है

बता दें, खतरों के खिलाड़ी 14 को लेकर शिल्पा काफी उत्साहित हैं। वह डरती है तो सिर्फ छिपकली से। इस बारे में एक्ट्रेस कहती हैं, मुझे किसी भी चीज़ से डर नहीं लगता, सिवाय छिपकली के। मैं वाकई में छिपकली से बहुत डरती हूं। इसके अलावा, मुझे रोहित शेट्टी से भी बहुत डर लगता है। सुना है वे काफी स्ट्रिक्ट पर्सनालिटी के हैं। हालांकि, इस अनुभव के लिए काफी उत्साहित हूं।

बॉलीवुड-हॉलीवुड की वर्किंग पर बोलीं दीपिका पादुकोण

दीपिका पादुकोण को बॉलीवुड में आए 17 साल बीत चुके हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी फिल्मी जर्नी पर बात की है। उन्होंने कहा कि इतने दिनों से वो बॉलीवुड में काम कर रही हैं लेकिन उन्हें कभी ऑडिशन नहीं देना पड़ा मगर वेस्ट यानी हॉलीवुड में उनके साथ ऐसा नहीं हुआ। दीपिका ने कहा, लगभग दस साल पहले जब मैंने हॉलीवुड में अपनी जर्नी शुरू की तो मुझे ऑडिशन देने पड़े जो कि मेरे लिए बिल्कुल नया एक्सपीरिएंस था। मैंने इससे पहले ऑडिशन नहीं दिए थे। मैं ट्रेंड एक्टर नहीं थी और न ही मैंने कोई फैंसी एक्टिंग स्कूल से ट्रेनिंग ली थी। मैंने जो भी सीखा वो काम करते हुए ही सीखा है।

ओम शांति ओम के लिए नहीं दिया था ऑडिशन दीपिका ने ये भी बताया कि जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म ओम शांति ओम साइन की थी तो डायरेक्टर फराह खान ने उनका कोई स्क्रीन टेस्ट या ऑडिशन नहीं लिया था। दीपिका ने कहा कि ओम शांति ओम के बाद भी उन्हें किसी हिंदी फिल्म के लिए ऑडिशन नहीं देने पड़े। ओम शांति ओम 2007 में रिलीज हुई थी जिसमें दीपिका शाहरुख खान के अपोजिट नजर आई थीं। इसके बाद दीपिका ने पीछे मुड़कर नहीं देखा और कई हिट फिल्में दीं।

दीपिका को ऐसे मिली ओम शांति ओम इससे पहले एक इंटरव्यू में दीपिका ने कहा था कि ओम शांति ओम दिलाने में किस्मत और मौके का अहम रोल रहा। फराह उस वक्त ओम शांति ओम बना रही थीं और उन्हें न्यूकमर की जरूरत थी। वे किसी भी स्थापित अभिनेत्री को फिल्म में ले सकती थीं, लेकिन उन्होंने न्यूकमर को चुना। उन्होंने मेरे सभी विज्ञापन देखे और तय किया कि मैं रोल के लिए परफेक्ट हूं। तब वे मुझे जानती तक नहीं थीं। उन्होंने मुझे विज्ञापनों में देखा और शाहरुख के अपोजिट कास्ट करने का रिस्क ले लिया।

एक हिट के बाद मानूंगी कि अच्छा काम कर रही हूं

जान्हवी कपूर इन दिनों अपनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। जान्हवी इस फिल्म को प्रमोट करने का एक भी मौका नहीं छोड़ रही हैं। हालांकि, अभी तक अगर अभिनेत्री की फिल्मों पर नजर डाले तो जान्हवी की फिल्मों का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड कुछ खास नहीं रहा है। अब जान्हवी ने अपनी फ्लॉप फिल्मों को लेकर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। राजकुमार राव के साथ अपनी आगामी प्रेम कहानी मिस्टर एंड मिसेज माही में क्रिकेटर महिमा की भूमिका निभाने वाली जान्हवी कपूर का दावा है कि यह कोई स्पोर्ट्स फिल्म नहीं है। द फ्री प्रेस जर्नल के साथ एक इंटरव्यू में, अभिनेत्री ने अपनी बॉक्स ऑफिस असफलताओं, अपने ओटीटी फैनबेस के बारे में खुलकर बात की है। इंटरव्यू में अभिनेत्री से पूछा गया कि आपको हर बार अलग-अलग भूमिकाएं चुनने के लिए क्या प्रेरित करता है? इस पर जान्हवी ने कहा, मैं अपने काम के लिए लगातार मान्यता चाहती हूं। मेरी आखिरी हिट फिल्म मेरी डेब्यू फिल्म धड़क थी। रूही महामारी के दौरान रिलीज हुई थी, लेकिन चूंकि हमने 50% क्षमता के साथ रिलीज किया था। इसलिए यह उस समय के लिए एक सफलता थी। जब तक मेरी फिल्मों को अच्छे बॉक्स ऑफिस नंबर नहीं मिलेंगे, तब तक मैं नहीं मानूंगी कि मैं अच्छा कर रही हूं। जान्हवी से आगे पूछा गया कि क्या आपने मिस्टर एंड मिसेज माही को एक खेल फिल्म के तौर पर साइन किया था? इस पर अभिनेत्री ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि ये क्रिकेट बेस्ड फिल्म है। कुछ क्रिकेट फिल्में हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। हमें बताया गया है कि आईपीएल और विश्व कप के बीच में हमारी फिल्म को रिलीज करना हमारे लिए सुरक्षित नहीं है। साथ ही, मेरी फिल्म कोई क्रिकेट फिल्म नहीं है, यह एक प्रेम कहानी है और सपनों के बारे में है। जान्हवी कपूर की फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई, 2024 को रिलीज हो रही है।

रवि तेजा ने की नई फिल्म आरटी75 की घोषणा

दक्षिण भारत के सफलतम नायकों में शुमार रवि तेजा इन दिनों अपनी फिल्म मिस्टर बच्चन को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इसके साथ ही उन्होंने उगादी के अवसर पर अपनी नई फिल्म का भी एलान किया था। उनकी 75वीं फिल्म का अस्थाई नाम आरटी75 है। अब इस फिल्म को लेकर नई दिलचस्प जानकारी का खुलासा हो गया है, जो इसकी अभिनेत्री के बारे में है। रवि तेजा अपनी 75वीं फिल्म में लक्ष्मण भेरी की भूमिका निभाएंगे। इसका निर्देशन समाजवरगमन के लेखक भानु भोगवरपु करेंगे। भानु भोगवरपु इस फिल्म के जरिए निर्देशन की दुनिया में कदम रखने वाले हैं। फिल्म के एलान के साथ इसका एक पोस्टर भी जारी किया गया था, जिसमें अभिनेता के किरदार के बारे में जानकारी दी गई थी कि उनके किरदार का नाम लक्ष्मण भेरी होगा। अब फिल्मी गलियारों में फिल्म को लेकर नई चर्चाएं हो रही हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार रवि तेजा अपनी नई फिल्म में अभिनेत्री श्रीलीला के साथ रोमांस करेंगे। इससे पहले रवि तेजा और श्रीलीला दोनों ने 2022 की फ्लॉप धमाका में साथ नजर आए थे।

बॉलीवुड और वैश्विक सिनेमा की खाई को पाटना चाहते हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा - द रूल 15 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अभिनेता की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का प्रशंसक बड़ी ही बेसब्री के साथ इंतजार कर रहे हैं। अल्लू अर्जुन ने इस फिल्म के जरिए हिंदी पट्टी सहित विश्व स्तर पर अपनी पहचान हासिल कर ली है।

जब भारतीय सिनेमा में क्रांतिकारी बदलाव हो रहे हैं। बड़े बजट की फिल्में और अंतर-क्षेत्रीय सहयोग वाली फिल्में बन रही हैं। दक्षिण भारतीय सिनेमा और बॉलीवुड के बीच नजदीकियां बढ़ रही हैं। ऐसे में पैन इंडिया अभिनेता अल्लू अर्जुन बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय सिनेमा को एक करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं और वैश्विक सिनेमा से इसकी दूरियों को कम करना चाहते हैं।

बदलावों से गुजर रहा बॉलीवुड

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अल्लू अर्जुन ने एक चैट शो के दौरान कहा, 'बॉलीवुड बदलाव के दौर से गुजर रहा है और इस बदलाव में मैं सबसे आगे रहना चाहता हूं।' अभिनेता की अपने काम के प्रति अटूट विश्वास और उनकी जोखिम लेने की प्रवृत्ति के चलते ही उन्होंने भारत के प्रभावशाली अभिनेताओं में अपनी मजबूत जगह बनाई है। अभिनेता ने अपनी आशावादी सोच के बारे में विस्तार से बात करते हुए बताया कि हमें कई शैली की कहानी पर काम करना चाहिए और नए फिल्म निर्माण की शैली अपनाने पर जोर देना चाहिए। अभिनेता ने कहा, 'मैं बॉलीवुड और वैश्विक सिनेमा के बीच की दूरी को खत्म करना चाहता हूं।' 'मैं एक अलग फिल्मी दुनिया का अनुभव विश्व भर के दर्शकों को कराना चाहता हूं।' रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन सिनेमा को वैश्विक भाषा के रूप में देखते हैं। अभिनेता की फिल्में ज्यादातर कई भारतीय भाषाओं में रिलीज होती हैं। वह केवल दर्शकों की संख्या नहीं बढ़ाना चाहते बल्कि भाषा और क्षेत्र से परे सिनेमा को ले जाने की कोशिश करते हैं।

असल जिंदगी में अभी ताजदार नहीं बनना चाहते ताहा शाह

हीरामंडी स्टार ताहा शाह बदुशाह लगातार इंटरनेट पर धूम मचा रहे हैं। संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बनी सीरीज हीरामंडी में नवाब ताजदार बलूच के रूप में अपनी सफल उपस्थिति के बाद, उन्होंने अपने फैंस के दिल में अच्छी जगह बना ली है। सीरीज में अभिनेता लवर बॉय की इमेज बना ली है। अब ताहा शाह ने बताया कि असल जिंदगी में भी वह ऐसी इमेज कैरी करते हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। जब से संजय लीला भंसाली का पहला वेब शो, हीरामंडी- द डायमंड बाजार रिलीज हुआ है, तब से यह चर्चा का विषय बन गया है। सभी कलाकारों ने अपनी भूमिकाओं के लिए प्रशंसा बटोरी है, लेकिन सभी कलाकारों में से, ताहा शाह ने सबसे अधिक लोकप्रियता हासिल की है। ताहा शो में ताजदार बलोच का किरदार निभा रहे हैं और उनकी लवर बॉय इमेज ने सभी के दिलों में जगह बना ली है। उनकी रियल लव लाइफ के बारे में बात करें तो हाल ही में, उन्हें प्रतिभा रांटा के साथ स्पॉट किया गया था, जिसके बाद कई तरह के कयास लगाए गए थे, लेकिन अब अभिनेता ने खुद अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर चुप्पी तोड़ी है। ताहा शाह ने कहा कि वह वाकई चाहते हैं कि उन्हें प्यार हो, लेकिन अभी उनकी जिम्मेदारी प्यार में पड़ने की नहीं बल्कि अपनी मां को कुछ वापस देने और उन्हें गर्व महसूस कराने की है।

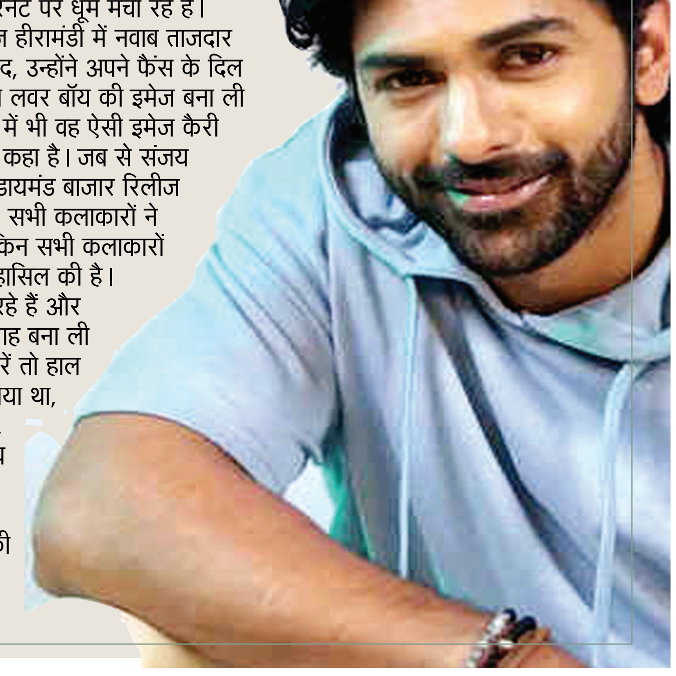

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009